वर्ष 69 अंक 201 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 20 अप्रैल, 2026
वैशाख शुक्ल पक्ष 03, विक्रम संवत् 2083
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> क्रोध और अधिक क्रोध को जन्म देता है, जबकि क्षमा और प्रेम, और अधिक क्षमा और प्रेम को जन्म देते हैं।
> - महावीर

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

भगवान श्रीकृष्ण के चरणों से पावन हर स्थल पर
साकार हो रहा श्रीकृष्ण पाथेय

जानापाव - जीवंत होगा धर्म, ज्ञान और दिव्यता का अद्वितीय लोक

◆ विरासत का विकास
इस देवस्थान का लगभग ₹17 करोड़ की लागत से होगा भव्य निर्माण

◆ विशाल प्रवेश द्वार
विशिष्ट पत्थर एवं धातु से निर्मित 30 फीट ऊंचा आकर्षक प्रवेश द्वार

◆ भव्य कांस्य प्रतिमाएं
प्रांगण में स्थापित होंगी भगवान श्री परशुराम एवं भगवान श्रीकृष्ण की कांस्य से निर्मित प्रतिमाएं

◆ सुसज्जित परिसर
लैंडस्केपिंग, पाथवे एवं अन्य आधुनिक विकास कार्यों से बनेगा सुन्दर परिसर

◆ कथा मंच
धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के लिए समर्पित मंच

◆ मंडप एवं दृश्य स्थल
प्रांगण में चार मंडप एवं दृश्य स्थल, अनुभव को बनाएंगे और भी विशेष

◆ पौराणिक संग्रहालय
भगवान श्री परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन को दर्शाती 5 विशेष दीर्घाएं

◆ दीर्घाएं
अस्त्र-शस्त्र दीर्घा, उत्पत्ति दीर्घा, स्वरुप दीर्घा, संतुलन दीर्घा एवं ध्यान दीर्घा

सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जुड़ता मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D-11012/26
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

संक्षिप्त खबरें

उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या बढ़ाई

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या चार से बढ़कर 6 कर दी गई है। इससे किसानों द्वारा लाए गए गेहूं की तुलाई समय पर हो सकेगी। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अभी तक एक लाख 36 हजार 237 किसानों से 59 लाख 48 हजार 980 क्विंटल गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 575 करोड़ 86 लाख रुपए का भुगतान उनके बैंक खाते में किया जा चुका है। अभी तक 4 लाख 62 हजार 19 किसानों द्वारा 1 करोड़ 97 लाख 29 हजार 339 क्विंटल गेहूं के विक्रय के लिए स्लॉट बुक किएजा चुके हैं। खरीदी के लिए 3171 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इसके अलावा हर उपार्जन केंद्र पर गेहूं विक्रय के लिए स्लॉट बुकिंग की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 1500 क्विंटल की गई है। इसके अलावा शासन ने उपार्जन केंद्रों में छायादार स्थान में बैठने और पेय जल की समुचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र में बारदाने, तौल कांटे सिलाई मशीन, कंप्यूटर, इंटरनेट, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण और उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छनना आदि की व्यवस्थाएं भी की गई हैं।

प्रदेश की सभी 3553 शराब दुकानें नीलाम

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश की आबकारी नीति के प्रावधानों के तहत प्रदेश की सभी 3553 शराब की दुकानो की बिक्री हो गई हैं। इन दुकानों से 18676.80 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त होगा। यह पिछले साल की सालाना वैल्यू से 12.33 फीसदी ज्यादा है। दूसरे सोर्स से अनुमानित इनकम 1775 करोड़ रुपए होगी। यह दुकानों से प्राप्त कुल राजस्व का 9.5 प्रतिशत है। इन दुकानों की बिक्री से एक्साइज डिपार्टमेंट से अनुमानित राजस्व कलेक्शन 20481.80 करोड़ रुपए होगा। जबकि वित्त विभाग द्वारा तय टारगेट 20279 करोड़ रुपए है। आबकारी विभाग के अनुसार 18 अप्रैल को 24वें चरण में आरक्षित मूल्य से अधिकतम 65 प्रतिशत तक कम के ऑफर प्राप्त हुए हैं और दुकानों व समूहों के लिए पूर्व में 10वें चरण और 11वें चरण व 21वें चरण में प्राप्त ऑफर भी होल्ड पर रखे गए हैं। दुकान/समूह के लिए 24वें चरण में प्राप्त ऑफर और पूर्व से होल्ड ऑफर में प्राप्त मूल्य की तुलना में से जो भी उच्च ऑफर है, उसे स्वीकार किया जाता है।

हेली सेवा का सीएम ने किया शुभारंभ, भोपाल से ओरछा व चंदेरी तक उड़ान भरेगा हेलीकॉप्टर

मप्र में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से प्रेरणा ले रहे दूसरे राज्य: मुख्यमंत्री

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने रविवार को ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएमश्री हेली सेवा का शुभारंभ किया। अब दर्शनार्थियों को भोपाल से ओरछा जाने में कुछ ही मिनट का समय लगेगा। सीएम ने भोपाल स्टेट हैंगर से 6 सीटर हेलीकॉप्टर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। सीएम ने कहा कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान हैं भगवान श्रीराम, के दर्शन के लिए पुष्पक विमान की व्यवस्था की गई है। जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरुआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से है। चंदेरी, पौराणिक, ऐतिहासिक व पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है। मप्र का भौगोलिक

क्षेत्र विस्तृत है, धार्मिक, सांस्कृतिक, वाइल्ड लाइफ, पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान हैं। आवागमन की दृष्टि से हेली पर्यटन सेवा, पर्यटकों का समय बचाने और यात्रा की रोचकता को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा, इन गतिविधियों के प्रोत्साहन से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों का भी स्वतः संचालन होता है।

धर्म के लिए समर्पित रहा भगवान परशुराम का जीवन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान परशुराम जयंती पर इंदौर जिले के जानापाव में आयोजित 'परशुराम प्रकटोत्सव' को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि परशुराम का जीवन आस्था, श्रद्धा और धर्म की स्थापना के लिए समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। हर युग में अधर्म के विरुद्ध खड़े होकर परशुराम जी ने धर्म की पुनर्स्थापना की और शस्त्र तथा शास्त्र दोनों में पारंगत रहकर संतुलित शक्ति का परिचय दिया। जानापाव में परशुराम-श्रीकृष्ण लोक विकसित किया जायेगा, जो भगवान परशुराम और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने वाला एक प्रमुख आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन का केन्द्र बनेगा। इससे उसे राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट पहचान मिलेगी।

विवाह कार्यक्रम में हुए शामिल

मुख्यमंत्री उज्जैन में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह/ निकाह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समाज में समरसता और अपनत्व की भावना बढ़ाते है। वैवाहिक संस्कार एक दिन का आयोजन नहीं बल्कि अक्षय मूल्यों और अक्षय संस्कारों की स्थापना हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की पावन धरा पर धर्म का सबसे अनूठा संगम हो रहा है। एक ओर बेटियों का कन्यादान कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर सिंहस्थ 2028 के लिए विकास कार्यों की आधारशिला रखी जा रही है। संस्कार जितना सरल, संस्कारित और सामाजिक सहयोग से होगा, उतना ही समाज संतुलित और मजबूत बनेगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा भी बेटे का विवाह 4 माह पूर्व सामूहिक विवाह सम्मेलन में किया गया था।सीएम ने जबलपुर जिले के बरगी विधानसभा में आने वाले शाहपुरा में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम को भी वर्चुअल संबोधित किया।

देश की जनता अब जुमलों और भ्रम से आगे बढ़ चुकी: पटवारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र पटवारी (जीतू) ने कहा है कि देश की जनता अब जुलमों और भ्रम से आगे बढ़ चुकी है और वास्तविक मुद्दों पर जवाब चाहती है। उन्होंने कहा कि केन्द्र महिला आरक्षण बिल को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है। देश का हर राजनीतिक दल महिला आरक्षण के मुद्दे पर एकमत है। वर्ष 2023 में सर्वसम्मति से पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मौजूदा सरकार ने लागू नहीं किया, जबकि हाल ही में जारी अधिसूचना के बाद इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भाजपा और उनकी सरकारें महिला आरक्षण के मुद्दे की आड़ में परिसीमन को जोड़कर अपने राजनीतिक हित को साधना चाहती है। पटवारी ने कहा कि सरकार ने परिसीमन को इस तरह प्रस्तुत किया, जिससे सरकार को मनमानी की छूट मिल सके और जातिगत जनगणना के आंकड़ों से बचा जा सके, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी और पूरा विपक्ष महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के पक्ष में

मजबूती से खड़ा है, लेकिन लोकतंत्र और संविधान के साथ किसी भी प्रकार के समझौते का समर्थन नहीं किया जा सकता है। पटवारी ने प्रधानमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि देश आज गंभीर आर्थिक और नीतिगत चुनौतियों से जूझ रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपमें लगातार गिरावट हो रही है, ऐसा क्यों हो रहा है,इसका उन्हें जवाब देना चाहिए। इसी तरह बढ़ रही मंहगाई पर भी वे खामोश क्यों है। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील विषय को बार-बार उठाया जा रहा है।

महिला विरोधी हैं अधिनियम का विरोध करने वाले: शर्मा

विसं, भोपाल। खजुराहो सासंद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाले विपक्ष दल के नेता देश की आधी आबादी के विरोधी हैं। भाजपा और उनकी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में काम कर रही है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए शर्मा ने कहा कि अधिनियम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऐतिहासिक पहल थी, जो महिलाओं को दर्शक से निर्णयकर्ता बनाने की दिशा में बड़ा कदम था। यह कानून महिलाओं के सम्मान, अधिकारभागीदारी और आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला है। इसका जिस तरह से विपक्षी दलों ने विरोध किया है,वह पूरी तरह से महिला विरोधी है।

रातीबड़ बना भोपाल का तीसरा आईएसओ सर्टिफाइड थाना

पुलिस कमिश्नर ने की तारीफ, पौधारोपण किया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल पुलिस कमिश्नरेट का रातीबड़ आईएसओ सर्टिफाइड थाना बन गया है। गुणवत्ता और मानकों के मूल्यांकन के बाद इसे आईएसओ सर्टिफिकेट से नवाजा गया है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार की उपस्थिति में रविवार को यह सम्मान थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा को दिया गया। इसके पहले थाना मिसरोद और महिला थाना को आईएसओ सर्टिफिकेट दिया जा चुका है। पुलिस कमिश्नरेट का तीसरा थाना रातीबड़ आईएसओ सर्टिफाइड हुआ है। हम बता दें कि इसके पूर्व जब मिसरोद थाना को आईएसओ सर्टिफिकेट दिया गया था, तब वहां थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ही थे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर समेत अन्य अधिकारियों ने थाना परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस मौके पर एडिशनल पुलिस कमिश्नर मोनिका शुक्ला, अवधेश गोस्वामी, डीआईजी रियाज इकबाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और आईएसओ टीम के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर ने थाना प्रभारी रातीबड़ और उनके स्टाफ की जमकर सराहना की। कमिश्नर ने कहा कि थाना प्रभारी रासबिहारी शर्मा ने इस अवार्ड को प्राप्त करने के लिए असाधारण मेहनत की है। आईएसओ (इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर स्टैंडर्डाइजेशन) एक वैश्विक संस्था है, जो सेवाओं की गुणवत्ता और प्रबंधन के मानक तय करती है। थानों को यह सर्टिफिकेट तब मिलता है।

कब मिलता है एसआईओ सर्टिफिकेट

- थाने में जब पीड़ितों और आगंतुकों के बैठने की समुचित व्यवस्था हो। रिकार्ड का रखरखाव आधुनिक और पारदर्शी हो।
- पुलिसकर्मियों के व्यवहार और कार्यप्रणाली में पेशेवर सुधार दिखे।
- थाना परिसर में साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाएं (जैसे पेयजल, शौचालय) मानक स्तर की हों। इसका मुख्य उद्देश्य पुलिसिंग को जन-अनुकूल बनाना है।

किसानों की आय बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता

विसं, भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों की आय बढ़ाना और खेती को लाभ का धंधा बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है। कृषि मंत्री ने इस संबंध में कहा कि सरकार ने विभाग किसानों को खरीफ की तैयारी के लिए कृषि विभाग युद्ध-स्तर पर तैयारी कर रहा है। किसानों को भी सरकार के इस प्रयास पर सहयोग देना होगा। उन्होंने किसानों से कहा कि वे बोवनी से पहले खेत की मिट्टी की जांच अवश्य कराएं। विभाग द्वारा सभी विकासखंडों में निःशुल्क मृदा स्वास्थ्य कार्ड बनाए जाते हैं। कंषाना ने कहा कि सोयाबीन, मूंग, उड़द व मक्का की बोवनी से पहले फफूंदनाशक व राइजोबियम कल्चर से बीज उपचार करें। इससे 15-20 प्रतिशत उत्पादन क्षमता में बढोत्तरी होगी। ऐसे में जब तक 4 इंच बारिश न हो,तब तक किसान बोवनी नहीं करें। उन्होंने बताया कि खरीफ-2026 के लिए 28 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज, 45 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भंडारण पूरा कर लिया गया है। कालाबाजारी पर कड़ी नजर रखी जा रही है औरकंट्रोल रूम सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' में नुकसान का सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। एफपीओ के माध्यम से किसानों को प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग और निर्यात से जोड़ा जा रहा है। इसी तरह ओडीओपी के तहत हर जिले का विशेष उत्पाद ब्रांड किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि मध्यप्रदेश का किसान देश में सबसे समृद्ध हो।

महिला आरक्षण बिल गिरने पर शाजापुर में पोस्टर वॉर

राहुल मप्र में वांटेड, तो कांग्रेस की नजर में बीजेपी सांसद हैं लापता

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के गिरने पर प्रदेश में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच वॉर शुरू हो गया है। भाजपा नेता सीधे तौर पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाना बना रहे हैं। भाजपा ने इसे राहुल का आखिरी तीर चलाने के बाद वांटेड बताया जा रहा है। वहीं भाजपा के इस तीर का जवाब देने में कांग्रेस के नेता भी पीछे नहीं रह रहे हैं। कांग्रेस ने भी भाजपा सांसदों को किसान विरोधी बिताते हुए लापता घोषित कर दिया है। संसद में शुक्रवार को नारी शक्ति वंदन अधिनियम विपक्ष की एकजुटता से गिर गया था। सरकार इसे महिला अस्मिता से जोड़ रही है और इसे कांग्रेस की साजिश बताते हुए पूरी भाजपा सड़क पर उतर आई है। प्रदेश भर में भाजपा के दिग्गज कांग्रेस पर सीधा हमला कर नाराजगी जता रहे हैं। देवास से भाजपा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने अपना विरोध पोस्टर के जरिए जताया है। उन्होंने राहुल गांधी को निशाना बनाते हुए पोस्टर वायरल किए हैं। इसमें राहुल गांधी को तीर चलाते हुए दिखाया गया है साथ ही नीचे बड़े शब्दों में वांटेड लिखा है। रविवार को इन पोस्टर से प्रदेश की राजनीतिक गहमागहमी का माहौल बन गया। इस खींचतान के बीच कालापीपल से कांग्रेस विधायक रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव कुणाल चौधरी ने भी एक पोस्टर जारी कर जवाब दिया है। पोस्टर्स को लेकर दोनों दलों के बीच सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक खींचतान है।

भाजपा सांसद ने ऐसे किया हमला

महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल के गिरने पर सांसद सोलंकी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर राहुल गांधी को वांटेड बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी पर नारी सशक्तिकरण के मुद्दे पर दोहरी राजनीति करने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। अपनी पोस्ट के साथ बीजेपी सांसद ने राहुल को तीर चलाते हुए दिखाया है और उसमें टिप्पणी करते हुए लिखा है आखिरी बार तीर चलाते हुए देखा गया।

कुणाल ने लिखा - किसानों के डर से छिपे सोलंकी

भाजपा सांसद के पोस्ट के जवाब में कांग्रेस सचिव कुणाल चौधरी ने भी इसी अंदाज में पलटवार कर सोलंकी के लापता होने के पोस्टर सोशल मीडिया पर डाल दिए। कुणाल ने फेसबुक पर मिसिंग पोस्टर जारी करते हुए लिखा- जो खुद अपने संसदीय क्षेत्र से गायब है और किसानों के डर से छिपा हुआ है, वह राहुल गांधी को वांटेड बता रहा है। इस पोस्ट में सोलंकी को गुमशुदा सांसद बताते हुए जनता की नाराजगी भी दिखाई गई है। इन पोस्टर को लेकर सोशल मीडिया से सड़क तक दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में सियासी टकराव नजर आने लगा है।

10 साल में बीना-कटनी के बीच 259 किमी का रेल प्रोजेक्ट पूरा

■ कोयला परिवहन को मिलेगी रफ्तार ■ तीसरी लाइन होने से यात्री ट्रेनों को भी फायदा

नगर संवाददाता, भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा बीना-कटनी के बीच तीसरी रेल लाइन का प्रोजेक्ट पूरा कर दिया है। पमरे के जबलपुर मुख्यालय से मिली जानकारी अनुसार बीना-कटनी सेक्शन पर तीसरी लाइन परियोजना के अंतर्गत बांदकपुर से घटेरा रेलखंड का कार्य संपन्न होने के साथ ही इस परियोजना का कार्य पूर्ण हो गया है। कुल 259.91 किलोमीटर लंबी यह परियोजना वर्ष 2016-17 में स्वीकृत हुई थी, जिसकी कुल लागत लगभग 4000 करोड़ से अधिक रही। इस खंड में 12 महत्वपूर्ण एवं 26 बड़े पुलों सहित 311 छोटे पुलों का निर्माण किया गया तथा कुल 32 रेलवे स्टेशन इस परियोजना से लाभान्वित हुए हैं। बीना और कटनी जैसे बहु-मार्गीय जंक्शनों को जोड़ने वाली तृतीय लाइन परियोजना न केवल मप्र, बल्कि पुरे देश के रेल नेटवर्क के लिए अत्यंत भू-रणनीतिक महत्व रखती है। परियोजना के पूर्ण होने से एक अधिक सक्षम, तीव्र और सुचारु रेल यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हुई है। यह परियोजना क्षेत्रीय विकास, औद्योगिक प्रगति व ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में बेहतर सिद्ध होगी।

कई मायनों में खास है यह लाइन

- इस परियोजना के दोनों छोर पर स्थित कटनी और बीना रेलवे स्टेशन, स्टेशन रेल नेटवर्क की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन हैं।
- कटनी स्टेशन पांच प्रमुख रेल मार्गों (कटनी-सिंगरौली, कटनी-बीना, कटनी-मानिकपुर, कटनी-जबलपुर एवं कटनी-बिलासपुर) को जोड़ता है। यह उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम दिशा की ट्रेनों के लिए एक प्रमुख संगम बिंदु है।
- बीना स्टेशन से चार प्रमुख रेल मार्ग (बीना-झांसी, बीना-गुना, बीना-भोपाल एवं बीना-कटनी) का संचालन होता है, जो उत्तर भारत एवं मध्य भारत को जोड़ने वाला जंक्शन है। ऐसी स्थिति में, इन दोनों महत्वपूर्ण जंक्शनों के बीच तृतीय लाइन का निर्माण इस खंड की महत्ता को और अधिक सुदृढ़ करता है।

ट्रैक शुरू होने से यह हुआ फायदा

- मालगाड़ियों की गति एवं आवागमन में वृद्धि हुई है।
- ट्रैफिक जाम एवं लाइन क्लीयरेंस की समस्या में कमी हुई है।
- कोयले की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिससे विद्युत उत्पादन निर्बाध रहेगा।
- संपूर्ण खंड की वहन क्षमता में व्यापक वृद्धि हुई है।
- सागर, दमोह और कटनी के समग्र विकास को गति मिलेगी।
- औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन प्राप्त होगा।
- स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- व्यापार, कृषि एवं खनन क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।
- क्षेत्रीय संतुलित विकास को मजबूती मिलेगी।

कोयला परिवहन का प्रमुख मार्ग

बीना-कटनी सेक्शन देश के सबसे व्यस्त कोयला परिवहन मार्गों में से एक जहां से बड़ी मात्रा में कोयला विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों तक पहुंचाया जाता है।

मेडिकल उपकरणों से नुकसान, जागरूकता जरूरी

एम्स कर रहा जागरूक, शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर दिया

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ने लोगों को आगाह किया है कि इलाज के दौरान इस्तेमाल होने वाले चिकित्सा उपकरणों से जुड़ी किसी भी गड़बड़ी या दुष्प्रभाव को नजरअंदाज करना मरीज की सेहत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। अस्पताल का कहना है कि कई बार छोटी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जाता, जिससे इलाज में देरी होती है और स्थिति बिगड़ सकती है। बंगरसिया स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें लोगों को बताया गया कि चिकित्सा उपकरणों से होने वाली किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत देना क्यों जरूरी है और इसे कैसे रिपोर्ट किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार चिकित्सा उपकरणों में तकनीकी खराबी या गलत उपयोग से संक्रमण फैलना, गलत रीडिंग से गलत इलाज, उपकरण का अचानक फेल होना, एलर्जी या त्वचा पर रिएक्शन और गंभीर मामलों में अंगों को नुकसान या जीवन को खतरा तक हो सकता है।

छोटी लापरवाही भी बन सकती है बड़ा खतरा

डॉक्टरों का कहना है कि इलाज के दौरान अगर मरीज को असामान्य दर्द, जलन, सूजन या किसी उपकरण से जुड़ी अजीब प्रतिक्रिया महसूस होती है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर सूचना न देने से सही इलाज में देरी होती है और जोखिम बढ़ जाता है।

शिकायत दर्ज करने की सुविधा

मरीज टोल-फ्री नंबर 1800-180-3024, मोबाइल एप या उपभोक्ता रिपोर्टिंग फॉर्म के जरिए आसानी से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। इसका उद्देश्य समय पर जानकारी लेकर मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। चिकित्सकों के अनुसार, अगर किसी उपकरण से जुड़ी समस्या तुरंत रिपोर्ट की जाती है तो उसकी जांच कर सुधार किया जा सकता है। इससे न केवल मरीज की सुरक्षा बढ़ती है।

महिला आरक्षण सिर्फ चुनावी छलावा: सपा

विसं, भोपाल। सपा ने कहा कि जाति जनगणना और ओबीसी-अल्पसंख्यक आरक्षण के बिना महिला आरक्षण सिर्फ चुनावी छलावा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता यश भारती ने कहा कि महिला आरक्षण के भीतर पिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित होना चाहिए। महिलाओं को हक आबादी के अनुपात में मिलें। यह तभी संभव है जब जाति जनगणना का आंकड़े सामने हों। मप्र सरकार की राज्यमंत्री कृष्णा गौर और महापौर मालती राय का विरोध भाजपा की पटकथा का हिस्सा है। ये दोनों नेत्रियां आज जिस सम्मानजनक पद पर हैं, महिला ओबीसी आरक्षण की देन है।

बदलाव आठ माह पहले संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक व जिलाध्यक्षों की हुई थी नियुक्ति

कांग्रेस के 14 जिलाध्यक्ष होंगे बाहर, नए चेहरों को मिलेगा मौका

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस के आधा दर्जन दिग्गज नेता संगठन चलाने में फ्लाप साबित हुए हैं, जिनसे पार्टी जल्द ही संगठन की जिम्मेदारी वापस लेगी। उनके स्थान पर संगठन सृजन अभियान में चिह्नित किए गए दूसरे नेताओं को जिलों की कमान दी जा सकती हैं। सूत्रों की मानें तो इन नेताओं सहित प्रदेश के 14 जिलाध्यक्षों को बदले जा सकते हैं। गौरतलब है कि गुजरात के बाद मध्यप्रदेश में लगभग 8 माह पहले कांग्रेस ने संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक से लेकर जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की थी। जिन्हें पद संभालने के साथ ही अपनी परफार्मेंस दिखाने का लक्ष्य भी दिया गया था। जिसका भोपाल में पिछले सप्ताह चार दिनों तक रिव्यू किया गया। बताया गया है कि परफार्मेंस समीक्षा में 14 जिलाध्यक्ष तय गाइडलाइन के आधार पर संगठन नहीं चला सके। इनमें से केन्द्रीय चुनाव समिति के सदस्य एवं पूर्व मंत्री ओमकार सिंह मरकारम, ओबीसी कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व सतना विधायक सिद्धार्थ सिंह कुशवाहा जैसे जिलाध्यक्ष भी शामिल बताए जा रहे हैं। इनके अलावा मंडला जिलाध्यक्ष अशोक मर्सकोले, आलीराजपुर जिलाध्यक्ष मुकेश पटेल और इंदौर शहर की कमान संभालने वाले चिंटू चौकसे भी सक्रियता के पैमाने पर खरे नहीं उतरे हैं। इसी तरह रीवा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, मऊगंज जिलाध्यक्ष हरिलाल कोल, सिंगरौली जिलाध्यक्ष सरस्वती सिंह, अशोकनगर के राजेन्द्र कुशवाहा, सतना शहर से आतिफ इकबाल सिद्धीकी, उमरिया से विजय कोल और नर्मदापुरम से गुड्डन पांडे भी निष्क्रिय रहे जिलाध्यक्षों की सूची में बताए जा रहे हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा स्थिति खराब

संगठन सृजन अभियान के प्रभारी वामसी रेड्डी द्वारा चार दिवसीय रिव्यू में यह बात सामने आई है कि राज्य के आदिवासी जिलों के जिलाध्यक्षों की सक्रियता वैसी नहीं रही, जिन उम्मीदों से उन्हें जिलों की कमान सौंपी गई थी। दरअसल कांग्रेस संगठन के जरिए आदिवासी अंचलों में अपनी पहले जैसी जमीनी पकड़ मजबूत बनाना चाहती है। इसलिए डिंडौरी में पूर्व मंत्री ओंमकार सिंह मरकाम का नाम संगठन सृजन अभियान में सबसे आगे था, जिससे उन्हें वहां की कमान सौंपी गई।

विंध्य क्षेत्र के अध्यक्ष भी निष्क्रिय

पार्टी की गाइडलाइन पर विंध्न क्षेत्र में आने वाले जिलों के कांग्रेस अध्यक्ष भी खरे नहीं उतर पाएं है। बात चाहे सतना और रीवा की करें और चाहे उमरिया मऊगंज और सिंगरौली के अध्यक्षों की। किसी ने भी गाइडलाइन पर काम नहीं किया। इधर इंदौर शहर के जिलाध्यक्ष चिंटू चौकसे से भोपाल और दिल्ली तक का संगठन नाराज बताया जा रहा है। इंदौर में वंदेमातरम विवाद पर चौकसे की बयानबाजी पर शीर्ष नेतृत्व ने नाराजगी जताई है। इससे पहले उनके द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के इंदौर में किए गए एक प्रदर्शन पर भी बयान दिया गया था।

एक माह के अंदर बदलाव

संगठन सृजन अभियान के प्रभारी वामसी रेड्ड़ी ने चार दिनों तक सभी जिलाध्यक्षों से वन टू वन चर्चा की। इसके बाद रिपोर्ट तैयार की गई है, जिसे रेड्ड़ी ने दिल्ली लौटने के बाद पार्टी नेतृत्व को सौंप दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा और जैसे ही दिल्ली से मंजूरी मिलेगी, रिपोर्ट में चिह्नित निष्क्रिय जिलाध्यक्षों को बदल दिया जाएगा।

वर्ष 69 » अंक 201 » पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 20 अप्रैल, 2026
» वैशाख शुक्ल पक्ष 03, विक्रम संवत् 2083
» महानगर » मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

गलतियां हमेशा माफ की जा सकती हैं, यदि उन्हें स्वीकार करने का साहस हो।
-ब्रूस ली

ऑफ बीट

रोबोट्स ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ जीती हॉफ मैराथन

रविवार को बीजिंग में हाफ मैराथन में दर्जनों ह्यूमनॉइड रोबोट्स ने हिस्सा लिया और न सिर्फ रेस पूरी की, बल्कि प्रोफेशनल एथलीट्स को पीछे छोड़ते हुए नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना दिया। इस रेस में 'होनोर' ब्रांड के एक ह्यूमनॉइड रोबोट ने महज 50 मिनट 26 सेकंड में 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन पूरी कर ली। यह समय इंसानों के मौजूदा वर्ल्ड रिकॉर्ड से भी काफी बेहतर है। जेकब किप्लिमो का इंसानी हाफ मैराथन रिकॉर्ड 57 मिनट 31 सेकंड है। इस तरह रोबोट ने करीब 7 मिनट कम समय लेकर नया मानक स्थापित किया। पिछले साल की तुलना में यह प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। तब विजेता रोबोट को रेस पूरी करने में 2 घंटे 40 मिनट लगे थे, जबकि इस बार रोबोट्स ने जबरदस्त सुधार दिखाया।

आईपीएल में आज

गुजरात बनाम मुंबई
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: कोलकाता ने राजस्थान को 4 विकेट से हराया।
पंजाब ने लखनऊ को 54 रनों से हराया।

पाक वार्ता पर संकट: ईरान ने किया इनकार, ट्रंप बोले- ये आखिरी मौका

तेहरान/इस्लामाबाद/वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच कूटनीतिक कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। ईरान ने पाकिस्तान में होने वाली वार्ता के लिए अपना डेलिगेशन भेजने से इनकार कर दिया है। ईरान की सरकारी एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जब तक अमेरिका ईरान पर नौसैनिक नाकेबंदी खत्म नहीं करता, तब तक वह किसी भी बातचीत में हिस्सा नहीं लेगा। इस बीच डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उसके पास समझौते के लिए 'आखिरी मौका' है।

इस्लामाबाद में मंगलवार को अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत प्रस्तावित थी, लेकिन ईरान के इस फैसले से वार्ता पर अनिश्चितता के बादल छा गए हैं।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान समझौते पर हस्ताक्षर नहीं करता, तो अमेरिका उसके बुनियादी ढांचे जैसे पावर प्लांट और पुलों पर बड़े हमले कर सकता है। हालांकि उन्होंने यह भी पुष्टि की कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पाकिस्तान पहुंचेगा, जिसमें विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल होंगे। हालांकि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस बार वार्ता में शामिल नहीं होंगे। साथ ही ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर ईरान खुद को प्रतिदिन करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान पहुंचा रहा है, जबकि अमेरिका को कोई खास नुकसान नहीं हो रहा। इधर, इजराइल डिफेंस फोर्स ने दक्षिण लेबनान में अपनी नई तैनाती का नक्शा जारी किया है।

ईरान की शर्त: नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करें, फिर बातचीत

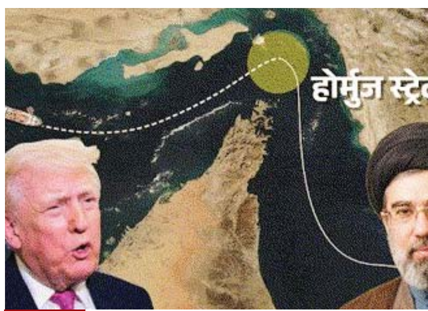

इन 3 मुद्दों पर मतभेद: ईरान का परमाणु कार्यक्रम | होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण | अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी

नाकेबंदी 'युद्ध अपराध': ईरान

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने अमेरिका की नाकेबंदी को 'युद्ध अपराध' बताया है। उनका कहना है कि यह सीजफायर का उल्लंघन है और आम नागरिकों के खिलाफ सामूहिक सजा के बराबर है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से कोई बड़ा टैंकर नहीं गुजरा। कई जहाज इस क्षेत्र के बाहर ही रुके रहे या रास्ता बदलते नजर आए। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने इससे पहले स्ट्रेट को बंद करने का ऐलान किया था, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंका है।

आखिरी सांस तक लड़ेंगे: ईरानी सेना प्रमुख

ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातेमी ने कहा है कि उनकी सेनाएं 'आखिरी सांस तक' देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि ईरान जमीन, हवा और समुद्र तीनों मोर्चों पर अपनी सैन्य ताकत लगातार बढ़ा रहा है। इस बार युद्ध होता है तो वह आर-पार की जंग लड़ेंगे।

इजराइल-लेबनान में संघर्ष तेज

इस बीच इजराइल और लेबनान के बीच संघर्ष भी तेज हो गया है। इजराइली सेना के मुताबिक, पिछले दो दिनों में दो सैनिक मारे गए हैं, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले छह हफ्तों में 2000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं।

ट्रंप हमें परमाणु अधिकारों से वंचित करने वाले कौन?: मसूद

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। रविवार को दिए बयान में उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप को यह तय करने का कोई अधिकार नहीं है कि ईरान अपने परमाणु अधिकारों का इस्तेमाल करे या नहीं। ईरानी समाचार एजेंसी के मुताबिक, पजशकियान ने कहा, 'ट्रंप कहते हैं कि ईरान अपने परमाणु अधिकारों का उपयोग नहीं कर सकता, लेकिन वे यह नहीं बताते कि किस आधार पर। आखिर वे कौन होते हैं किसी देश को उसके अधिकारों से वंचित करने वाले?' यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अपने निर्णायक मोड़ पर है। सीजफायर की समयसीमा समाप्त होने के करीब है और दोनों देशों के बीच बातचीत अब भी गतिरोध में फंसी हुई है। ईरानी राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि उनका देश युद्ध का इच्छुक नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान केवल आत्मरक्षा में कदम उठा रहा है और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिला आरक्षण के समर्थन में भाजपा की आक्रोश रैली आज

सीएम बोले- विपक्ष ने किया देश की आधी आबादी का अपमान

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संशोधन का बिल एक निर्णायक दौर से गुजर रहा था, लेकिन कांग्रेस सहित दूसरे विपक्षी दल ने अपने रवैये से उसे प्रभावित किया और महिलाओं का हक छीनने का पाप किया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हम जनता की अदालत में ले जाएंगे, जिसकी शुरुआत सोमवार को भोपाल में आक्रोश रैली से की जाएगी।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 5 हजार साल पहले हुए द्रोपदी के चीरहरण के बारे में हमने सुना था, लेकिन नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुडे संविधान संशोधन के बिल पर कौरव जैसे दलों ने बहनों के सम्मान के साथ खेलने का जो कृत्य किया, वह हमारे लिए अत्यंत कष्टकारी और निंदनीय है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिस संशोधन बिल के प्रस्तावक बनकर देश की आधी आबादी के हित में जो निर्णय ले रहे थे, उसमें हर दल को अपने सुझाव देने का मौका दिया गया। प्रधानमंत्री ने सभी दलों को खुला पत्र भी लिखा, ताकि कोई यह एतराज न जता सके कि उनसे पूछा ही नहीं गया, लेकिन जिस तरह का रवैया विपक्ष का रहा है, वह पूरी तरह से नारी अपमान से जुड़ा हुआ है और इस अपमान को देश भूलेगा नहीं।

सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में पूरी ताकत से काम कर रहा है, जो दूसरे प्रांतों के लिए उदाहरण है। मध्यप्रदेश देश का ऐसा इकलौता राज्य है, जहां के 17 जिलों का महिलाएं कलेक्टर के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। इनमें से 10 जिले ऐसे हैं, जहां कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक दोनों ही महिलाएं है। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं, बल्कि हमारी सोच, नीति और प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है कि हम महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका देने के लिए कृतसंकल्पित हैं। एक सवाल पर सीएम ने कहा कि 2023 में जो बिल लाया गया था, उसमें स्पष्ट था कि 2029 तक महिलाओं को उनका अधिकार दिया जाएगा। इसके लिए 2029 के चुनावों में जनगणना के आधार की आवश्यकता थी। इसलिए मजबूरी में 2011 की जनगणना को आधार बनाना पड़ा। यदि वर्तमान जनगणना के आधार पर आकलन किया गया तो महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रक्रिया 2034 के बाद ही संभव हो पाएगी।

इस मौके पर भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा ने कहा कि इस देश की महिलाएं पिछले 70 साल से अपने राजनीतिक अधिकारों की लिए संघर्षरत हैं, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि संसद ने जिस तरह का रवैया विपक्षी दलों का रहा, उससे लोकतंत्र कमजोर हुआ है।

विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में जो भी हुआ,उस मुद्दे को जनता के बीच ले जाया जाएगा। राज्य के सभी संभागों और जिलों में प्रदर्शन, रैलियां, पदयात्राओं के अलावा पंचायत और निकाय स्तर पर बिल के पक्ष में प्रस्ताव पारित कराए जाएंगे। इसी विषय पर मध्यप्रदेश विधानसभा का जल्द ही एक दिवसीय विशेष सत्र भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों ने इस गंभीर मुद्दे को भी राजनीतिक लाभ का साधन बना लिया। 2023 में जब यह विधेयक लाया गया था, तब सभी दलों ने इसका समर्थन किया था, क्योंकि 2024 में लोकसभा के चुनाव थे। अब अगले चुनाव में काफी समय है, ऐसे में विपक्ष बिल से पीछे हट गया।

सीईसी को हटाने 200 सांसद जुटाएगा विपक्ष

नई दिल्ली, जेएनएन। विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए एक बार फिर कोशिश तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, कई विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं और नया नोटिस लाने की तैयारी कर रहे हैं। करीब पांच वरिष्ठ नेता मिलकर हटाने के प्रस्ताव का नया मसौदा तैयार कर रहे हैं, ताकि संसद में दोबारा प्रक्रिया शुरू की जा सके। इससे पहले मार्च महीने में भी विपक्ष ने इसी मुद्दे पर नोटिस दिया था, लेकिन वह खारिज हो गया था। इस बार विपक्ष ज्यादा मजबूत तैयारी के साथ मैदान में उतरना चाहता है। सूत्रों के अनुसार, नया नोटिस लाने से पहले कम से कम 200 सांसदों का समर्थन जुटाने की रणनीति बनाई जा रही है। इस रणनीति के पीछे हाल ही में लोकसभा में गिरे महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को भी एक अहम कारण माना जा रहा है। संविधान के 131वें संशोधन से जुड़े इस बिल के खिलाफ 230 सांसदों ने मतदान किया था। संविधान और संसदीय नियमों के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया बेहद सख्त और जटिल होती है। लोकसभा में प्रस्ताव लाने के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में यह संख्या कम से कम 50 सांसदों की होती है। इन हस्ताक्षरों के बाद ही प्रस्ताव को स्वीकार करने पर विचार किया जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया लगभग वैसी ही है जैसी सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के लिए अपनाई जाती है।

सड़क सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

कहा- एक्सप्रेसवे न बनें 'खतरे का गलियारा

हाईवे पर अब नहीं होगी भारी वाहनों की पार्किंग

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सड़क सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने स्पष्ट कहा है कि प्रशासनिक लापरवाही या बुनियादी ढांचे की कमी के कारण एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग 'खतरे का गलियारा' नहीं बनने चाहिए। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस एएस चांदुरकर की पीठ ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि स्थिति गंभीर है और तत्काल सुधार जरूरी है।

2% है नेशनल हाईवे का हिस्सा देश में कुल सड़क लंबाई में

30% मौतें सड़क दुर्घटनाओं से हाइवे पर ही होती हैं

अदालत ने माना कि इन हादसों के पीछे सिस्टम की लापरवाही और इंफ्रास्ट्रक्चर की विफलता प्रमुख कारण हैं।

सुप्रीम कोर्ट के नौ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

- किसी भी हाईवे के कैरिजवे या पक्के शोल्डर पर भारी या कमर्शियल वाहनों की पार्किंग पूरी तरह प्रतिबंधित होगी। निर्धारित ले-बाय पर ही रुकने की अनुमति होगी।
- एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) लागू किया जाएगा, जिसमें रियल-टाइम अलर्ट, जीपीएस, ई-चालान शामिल होंगे।
- एनएचएआई, राज्य पुलिस और परिवहन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करेंगे।
- कलेक्टर 60 दिनों में स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) लागू करेंगे।
- हाईवे के 'राइट ऑफ वे' क्षेत्र में नए ढाबे, होटल या अन्य व्यावसायिक निर्माण तत्काल रोकें हैं।
- जिला प्रशासन 60 दिनों के भीतर अवैध निर्माण हटाएगा।
- बिना एनएचएआई या पीडब्ल्यूडी की मंजूरी के हाईवे सुरक्षा क्षेत्र में कोई लाइसेंस या एनओसी नहीं मिलेगी।
- मौजूदा लाइसेंसों की 30 दिनों के भीतर समीक्षा की जाएगी।
- हाइवे वाले जिलों में 15 दिनों में प्रशासन, पुलिस, एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों की सुरक्षा टास्क फोर्स बनाई जाएगी।

तमिलनाडु: पटाखा फैक्ट्री में धमाका, 23 की मौत

विरुधुनगर, जेएनएन। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में रविवार को एक निजी पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट ने बड़ा हादसा खड़ा कर दिया। कट्टनारपट्टी गांव स्थित वानजा फायरवर्क्स यूनिट में हुए इस धमाके में कम से कम 23 मजदूरों की जलकर मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोपहर करीब 3 बजे जब फैक्ट्री में लगभग 50 कर्मचारी काम कर रहे थे, तभी यह विस्फोट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि फैक्ट्री के कम से कम चार कमरे पूरी तरह ढह गए और आसपास की कई संरचनाएं भी जमींदोज हो गईं। आग की लपटों पर काबू पाने के लिए फायर एंड रेस्क्यू टीमों को कई घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। बताया जा रहा है कि विस्फोट फैक्ट्री के सामने वाले हिस्से (वेरांडा) में हुआ, जहां मजदूर कच्चे विस्फोटक पदार्थों को संभाल रहे थे।

मृतकों के शव बुरी तरह झुलस गए थे, जिन्हें सरकारी विरुधुनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। वहीं, सभी घायलों का इलाज भी इसी अस्पताल में चल रहा है।

घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। खासकर दो लोगों को 80 फीसदी से ज्यादा जलने के कारण नाजुक स्थिति में रखा गया है। घायलों में एक 12 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। मौके पर एन श्रीनाथा समेत पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि रविवार के दिन भी फैक्ट्री में काम क्यों चल रहा था और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं।

बचाव के दौरान दूसरा धमाका

घटना के बाद जब राहत और बचाव कार्य चल रहा था, उसी दौरान शाम करीब 7 बजे एक और विस्फोट हो गया। इस दूसरे धमाके में पुलिसकर्मियों, मीडिया कर्मियों और फायर ब्रिगेड के जवानों सहित कई लोग घायल हो गए।

मणिपुर: मैतेई संगठन ने किया भाजपा का बहिष्कार

गुवाहाटी/इम्फाल, जेएनएन। मणिपुर में लगातार जारी हिंसा के बीच हालात और तनावपूर्ण हो गए हैं। इंफाल घाटी आधारित मैतेई संगठनों के समूह कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (कोकोमी) ने राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के बहिष्कार का ऐलान कर दिया है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे भाजपा या उसके नेताओं के किसी भी कार्यक्रम में हिस्सा न लें। कोकोमी ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से सवाल किया है कि उनकी सरकार नागरिकों पर हो रहे हमलों को रोकने में क्यों विफल रही। संगठन ने कहा कि राज्य सरकार और भाजपा दोनों 'प्रॉक्सी वॉर' के मुद्दे पर कोई ठोस जवाब देने में असफल रहे हैं। राज्य में सक्रिय उग्रवादी और 'नार्को-टेरर' से जुड़े तत्व निर्दोष लोगों को निशाना बना रहे हैं।

आंतरिक सुरक्षा: गृह मंत्रालय ने किया बड़ा ऐलान

देश में अब कोई भी जिला नक्सलवाद से प्रभावित नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिहाज से एक अहम उपलब्धि का दावा करते हुए गृह मंत्रालय ने कहा है कि अब भारत में कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद (नक्सलवाद) से प्रभावित नहीं रहा। केंद्र सरकार ने इसे देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए 'ऐतिहासिक मील का पत्थर' बताया है।

यह घोषणा 2015 में लागू राष्ट्रीय नीति 'वामपंथी उग्रवाद से निपटने की कार्ययोजना' की व्यापक सुरक्षा समीक्षा के बाद की गई है। गृह मंत्रालय ने 8 अप्रैल को नौ राज्यों को भेजे एक पत्र में बताया कि 31 मार्च के बाद किए गए विस्तृत आकलन में पाया गया कि अब देश का कोई भी जिला नक्सल प्रभावित श्रेणी में नहीं आता। इससे पहले देश के कई जिलों को नक्सल या माओवादी गतिविधियों से 'गंभीर रूप से प्रभावित' माना जाता था। इन इलाकों में लंबे समय तक सुरक्षा बलों और उग्रवादियों के बीच संघर्ष चलता रहा है।

इन मानकों पर किया आकलन

- नक्सली कैडरों की सक्रिय संख्या और क्षमता
- हिंसक घटनाएं करने की ताकत
- तथाकथित 'मुक्त क्षेत्र' का अस्तित्व
- पहले प्रभावित इलाकों में घटनाओं की आवृत्ति

बंगाल: डिप्टी कमिश्नर के घर पर ईडी का छापा

कोलकाता, जेएनएन। पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस के उप पुलिस आयुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास के आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में की गई है। अधिकारियों के अनुसार, केंद्रीय बलों के साथ ईडी की टीम ने बालीगंज स्थित बिस्वास के घर पर तलाशी ली। इसके अलावा बेहाला इलाके में एक कारोबारी के ठिकाने पर भी छापा मारा गया। ईडी की यह कार्रवाई एक कथित अपराधी बिस्वजीत पॉद्दर उर्फ 'सोना पप्पू' से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में की गई है। पॉद्दर पर हत्या के प्रयास, जबरन वसूली, दंगा और आपराधिक साजिश जैसे गंभीर आरोप दर्ज हैं। यह जांच कोलकाता पुलिस की एफआईआर पर शुरू हुई थी।

मुसीबत

जलवायु परिवर्तन से बदल रहा गर्मी का स्वरूप, 'नमी वाली गर्मी' बन रही नया खतरा

30-32 डिग्री के तापमान में भी है लू का जोखिम

नई दिल्ली, जेएनएन। जलवायु परिवर्तन के दौर में भारत में गर्मी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब सिर्फ तेज तापमान ही नहीं, बल्कि तापमान और नमी का खतरनाक मेल जिसे 'नमी वाली गर्मी' कहा जा रहा है, लोगों के लिए बड़ा स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है। क्लाइमेट डॉयनामिक्स में प्रकाशित एक नई स्टडी के मुताबिक, ज्यादा नमी के साथ मध्यम तापमान भी जानलेवा साबित हो सकता है, क्योंकि इस स्थिति में शरीर अपनी प्राकृतिक कूलिंग प्रक्रिया (पसीने के जरिए ठंडा होना) को प्रभावी ढंग से नहीं चला पाता।

अब तक भारत में हीटवेव (लू) को मुख्यतः तापमान के आधार पर मापा जाता रहा है, लेकिन इस अध्ययन के अनुसार यह तरीका अधूरा है। जब हवा में नमी ज्यादा होती है, तो पसीना जल्दी नहीं सूखता और शरीर का तापमान लगातार बढ़ता जाता है। इस स्थिति में शरीर का कूलिंग सिस्टम कमजोर पड़ जाता है, कोर बॉडी टेम्परेचर तेजी से बढ़ता है और कुछ ही समय में हीटस्ट्रोक का खतरा पैदा हो सकता है यानी अब केवल 45 डिग्री जैसी अत्यधिक गर्मी ही नहीं, बल्कि 32-35 डिग्री के बीच का तापमान भी खतरनाक हो सकता है, यदि नमी ज्यादा हो। ऐसे में भले ही तापमान आधिकारिक हीटवेव सीमा से नीचे हो, लोगों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

शहरों में स्थिति गंभीर

- गर्मी लंबे समय तक फंसी रहती है
- समुद्री हवाओं का असर कम हो रहा है
- हीट स्ट्रेस लगातार बढ़ रहा है

इन पर ज्यादा खतरा

- जिन घरों में कूलिंग (एसी/कूलर) की सुविधा नहीं है
- बुजुर्ग, खासकर जिनके घरों में वेंटिलेशन कम है
- बाहर काम करने वाले मजदूर और दिहाड़ी श्रमिक

उत्तर भारत में बारिश के दौरान बढ़ता जोखिम

अध्ययन में यह भी सामने आया है कि जब मानसून अपने सक्रिय चरण में होता है, तब मध्य और उत्तर भारत में भारी बारिश के साथ उमस बहुत बढ़ जाती है।

- हवा में नमी अत्यधिक बढ़ जाती है
- 'नमी वाली लू' चलने की संभावना सामान्य से 125 फीसदी तक बढ़ जाती है
- बारिश रुकने के बाद भी खतरा बना रहता है

80 साल के डेटा से सामने आई तस्वीर

यह रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग के वैज्ञानिक अक्षय देओरस के नेतृत्व में की गई है। इसमें 80 साल से अधिक के मौसम संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। अध्ययन में पाया गया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस 'नमी वाली गर्मी' के खतरे को तय करने में अहम भूमिका निभाता है। अच्छी बात यह है कि मानसून के पैटर्न का अनुमान करीब 4 हफ्ते पहले तक लगाया जा सकता है, जिससे समय रहते चेतावनी और तैयारी संभव है।

वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,748.91 करोड़ रुपए पहुंचा

बॉक्स ऑफिस: 'धुरंधर-2' ने 'पुष्पा-2' को पीछे छोड़ा

मुंबई, जेएनएन। बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए धुरंधर 2 ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म अब दुनियाभर में तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।

फिल्म का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,748.91 करोड़ रुपए पहुंच चुका है, जिससे इसने पुष्पा 2 (1,742.10 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया है। अब इससे आगे सिर्फ दंगल (2,070 करोड़ रुपए) और बाहुबली 2 (1,788.06 करोड़ रुपए) ही हैं। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, रिलीज के 31वें दिन फिल्म ने भारत में 4.65 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म की कमाई में पांचवें हफ्ते में थोड़ी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन वीकेंड पर इसमें हल्की बढ़त दर्ज की गई।

- **भारत नेट कलेक्शन:** 1,110.47 करोड़ रुपए
- **भारत ग्रॉस कलेक्शन:** 1,329.31 करोड़ रुपए
- **विदेशों में ग्रॉस कलेक्शन:** 419.60 करोड़ रुपए

(ग्रॉस कलेक्शन टिकट की कुल कमाई होती है, जबकि नेट कलेक्शन टैक्स चुकाने के बाद की कमाई का आंकड़ा होता है।)

संक्षिप्त खबरें

डिवाइडर से टकराई पुलिसकर्मी के बेटे की बाइक, मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जहांगीराबाद इलाके में बाइक सवार पुलिसकर्मी के बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह दोस्त के साथ बाइक लेकर घूमने निकला था। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर गृहनगर रीवा रवाना हो गए। पुलिस के मुताबिक, संदीप सिंह तोमर पिता विजय बहादुर सिंह जहांगीराबाद में रहता था। उसके पिता एसएएफ में पदस्थ हैं। संदीप 11वीं का छात्र था, वह सरकारी स्कूल में पढ़ता था। रविवार सुबह वह बड़े भाई की अनुमति से बाइक लेकर घूमने निकला था। संदीप अपनी बाइक पर था, जबकि उसका दोस्त प्रियांश अपनी बाइक लिए था। सुबह करीब आठ बजे दोनों अभी वेटनरी अस्पताल के पास थे, तभी मोड़ पर संदीप की तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जेपी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ने मोबाइल बैंकिंग सेवा की शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ने डिजिटल बैंकिंग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपनी बहुप्रतीक्षित मोबाइल बैंकिंग सेवा का शुभारंभ किया। इस सेवा का उद्घाटन आज मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय, इंदौर में मुख्य अतिथि श्री सुरेश सी. साहू, महाप्रबंधक, नाबार्ड द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर श्री साहू ने वन क्लिक के माध्यम से सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पहल ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के ग्राहकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इस अवसर पर मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री आर. सी. बेहेरा ने विश्वास व्यक्त किया कि मोबाइल बैंकिंग सेवा के माध्यम से ग्राहकों को आधुनिक, सुरक्षित एवं त्वरित बैंकिंग सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। नई मोबाइल बैंकिंग सेवा के माध्यम से अब ग्राहक 24म7 बैंकिंग सेवाओं का लाभ अपने मोबाइल फोन पर ही प्राप्त कर सकेंगे। इस सेवा में बैलेंस जांच, फंड ट्रांसफर (ह्श्वस्नञ्ज/ऋञ्जत्तर्स), बिल भुगतान, पासबुक डाउनलोड, चेकबुक अनुरोध सहित अनेक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं। बैंक प्रबंधन ने बताया कि यह पहल बैंक के डिजिटलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो ग्राहकों को अधिक सुलभ, सुरक्षित एवं सशक्त बैंकिंग अनुभव प्रदान करेगी। मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का यह प्रयास डिजिटल इंडिया के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के ग्राहक भी डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक संपूर्ण मध्यप्रदेश में 1320 शाखाओं के साथ उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पहचाना जाता है।

जुआ फड़ों पर छापे, 2 हफ्ते में 86 लाख कैश व वाहन जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। पुलिस ने प्रदेश भर में जुआ और सट्टा खिलाने वाले गिरोहों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। पिछले दो सप्ताह के भीतर पुलिस ने अलग-अलग जिलों में कई जुआ फड़ों पर छापा मारकर नकद, महंगी गाड़ियां और मोबाइल समेत कुल 86 लाख रुपये का माल बरामद किया है। पुलिस ने सबसे बड़ी कार्रवाई सागर जिले में की। वहाँ जुए के एक बड़े संगठित गिरोह का भंडाफोड़ कर 21 आरोपियों को गिरफ्तार कर 45 लाख का माल बरामद किया है। इसमें 6.45 लाख रुपये कैश के साथ वाहन और मोबाइल भी शामिल हैं। पुलिस ने मौके से हथियार भी बरामद किए हैं। पन्ना पुलिस ने जिले में दो अलग-अलग छापों में 14 जुआरियों को गिरफ्तार कर कार, दोपहिया वाहन और कैश मिलाकर कुल 16.42 लाख रुपये के माल की जब्ती की है।

मंडला में जंगल के बीच चल रही थी फड़: मंडला जिले के जंगलों में चल रहे जुआ फड़ पर दबिश देकर पुलिस ने 14 आरोपियों को पकड़ा है। इनके पास से 11.50 लाख का कैश और वाहन मिले हैं। इसके अलावा दमोह जिले के तीन थाना क्षेत्रों में 30 जुआरियों को गिरफ्तार कर 7.66 लाख रुपये से ज्यादा का कैश और मशरूका बरामद किया है। इसके अलावा विदिशा की सिविल लाइन पुलिस ने बालाजी पैराडाइज कॉलोनी के पास फड़ से 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर 4.44 लाख का कैश और वाहन जब्त किए हैं। इसके अलावा कटनी के बहोरीबंद, ग्वालियर के एक होटल, डबरा देहात, जबलपुर, उच्जैन और बुरहानपुर में भी 70 से च्यादा जुआरियों को हिरासत में लेकर लाखों की नकदी के साथ मोबाइल फोन और वाहन जब्त किए हैं।

जेपी की ट्रामा यूनिट बनी रेफरल सेंटर, हमीदिया भेजे जा रहे मरीज

जांच के बाद दवाईयों की कमी मशीनें तो हैं लेकिन चलाने वाले नहीं

नगर संवाददाता, भोपाल। जयप्रकाश अस्पताल को स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश का मॉडल जिला अस्पताल घोषित किया हुआ है। लेकिन इस मॉडल जिला अस्पताल की हालत किसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी हो गई है। यहां आने वाले मरीजों को ना पर्याप्त जांच मिलती हैं, ना ही मरीजों को पूरी दवाएं मिल पाती हैं। हालात यह है कि इमरजेंसी में गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों को प्राथमिक उपचार देकर हमीदिया अस्पताल रैफर कर दिया जाता है। मरीजों की तकलीफ यहीं खत्म नहीं होती। जेपी अस्पताल से निराश मरीज जब जांच और इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचते हैं तो यहां भी लंबी लंबी कतारों को देख वापस लौट आते हैं। जेपी अस्पताल में ऐसी कई जांच हैं जो हमीदिया में भी नहीं मिल रही। मालूम हो कि जेपी अस्पताल में हर दिन 1800 से 2000 मरीज पहुंचते हैं। इन मरीजों में से 10 से 15 फीसदी मरीज गंभीर होते हैं।

एक्सीडेंट के मरीजों को ज्यादा परेशानी

सबसे ज्यादा परेशानी सड़क दुर्घटना के बाद आने वाले मरीजों को होती है। गंभीर रूप से घायल मरीजों के लिए यहां व्यवस्थित ट्रॉमा तक नहीं है। ऐसे में यहां मरीजों को प्राथमिक उपचार देकर हमीदिया अस्पताल रैफर कर दिया जाता है। प्रतिदिन 15 से 20 मरीजों को रैफर किया जाता है।

तत्काल मिलने वाली रिपोर्ट चार घंटे बाद

दिल में दर्द और जकड़न के बाद एक मरीज जब जेपी अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों ने ट्रोपोनिन-आई जांच करवाई। जांच के बाद रिपोर्ट मांगी तो कर्मचारी ने शाम को आने को कहा। सामान्यतः 10 मिनट में रिपोर्ट देने वाली यह जांच यहां शाम तक लंबित रहती है, जिससे हार्ट अटैक जैसे मामलों में समय पर इलाज प्रभावित हो सकता है।

यह दवाएं नहीं मिल रहीं

जेपी अस्पताल में तीन दिन पहले कई मरीजों को उस समय परेशानी का सामना करना पड़ा, जब उन्हें अस्पताल की दवा खिड़की से जरूरी दवाएं नहीं मिलीं। अमोक्सिलिन और मल्टीविटामिन जैसी दवाएं, जो सामान्य तौर पर हर सरकारी अस्पताल में उपलब्ध रहती हैं, यहां खत्म बताई गईं। इसके साथ मल्टीविटामिन सिरप और बच्चों के सिरप की भी दिक्कत है। अस्पताल में ब्लड टेस्ट तो आउटसोर्स की जाती है, लेकिन इसकी रिपोर्ट को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। इसके साथ ही दिल के मरीजों के लिए टीएमटी की सुविधा भी सप्ताह में एक दिन ही मिलती है। इसके अलावा नॉर्मल एक्स रे मशीन खराब है, जिससे मरीज परेशान होते हैं। हालांकि यहां एक डिजिटल एक्स रे मशीन है लेकिन सभी मरीजों को डिजिटल एक्स रे की जरूरत नहीं होती। इसके साथ ही सोनोग्राफी, आंखों की जांच और डायलिसिस के लिए भी मरीज परेशान होते रहते हैं।

ट्रामा में होती है व्यवस्थित यूनिट

ट्रामा यूनिट में अस्थि रोग विशेषज्ञ के साथ जर्नल सर्जन, मैक्सिलोफेशियल सर्जन, कार्डियक स्पेशलिस्ट, न्यूरो सर्जन के साथ विशेषज्ञ नर्सिंग स्टाफ होता है। इसके साथ ही यहां माइनर ओटी के साथ एक्स रे और सीटी स्कैन भी होता है। जेपी में डॉक्टरों और स्टाफ की कमी के चलते ट्रामा यूनिट सिर्फ रैफरल यूनिट बन गया है।

जम्मू से कर्नाटक तक एमपी पुलिस का सर्च ऑपरेशन, खोजे गुमशुदा नाबालिग

मुख्य संवाददाता, भोपाल। ऑपरेशन मुस्कान के जरिए एमपी पुलिस ने न केवल प्रदेश के भीतर बल्कि देश के कोने-कोने में जाकर अपहृत और गुमशुदा नाबालिगों को ढूंढ निकाला है। इन बच्चों को सुरक्षित उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया है। पीएचक्यू से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस टीमों ने इंटर स्टेट कॉर्डिनेशन करते हुए जम्मू-कश्मीर, तेलंगाना, गुजरात, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक जैसे राच्यों में दबिश दी और वहां से एमपी के बच्चों की घर वापसी

सुनिश्चित की। इस अभियान में पुलिस ने साइबर तकनीक और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के साथ लोकेशन ट्रैकिंग का इस्तेमाल किया। पुलिस अब दस्तयाब किए गए नाबालिगों की काउंसलिंग भी करा रही है ताकि वे अपने सामान्य जीवन में लौट सकें। गौरतलब है कि पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को निर्देशित किया है कि गुमशुदा नाबालिगों की तलाश को प्राथमिकता पर रखा जाए, ताकि परिवारों की मुस्कान वापस लौटाई जा सके।

इन जिलों की पुलिस को मिली सफलता

डिण्डौरी: पुलिस ने 3 साल से लापता एक नाबालिग बालिका को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले से खोज निकाला।

सीधी: पुलिस ने तेलंगाना के मेडचल जिले से दो नाबालिग किशोरियों को बरामद किया। एक मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया, वहीं दूसरे मामले में रोजगार की तलाश में बाहर गई किशोरी की काउंसलिंग कर उसे परिजनों को सौंपा गया।

देवास: उदयनगर पुलिस की विशेष टीम ने गुजरात के राजकोट और मोरबी से दो बालिकाओं को सुरक्षित बरामद कर उन्हें परिजनों को सौंपा।

अनूपपुर: कोतवाली पुलिस ने कर्नाटक से 15 वर्षीय अपहृत बालिका को सकुशल मुक्त कराया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

टीकमगढ़ एवं राजगढ़: टीकमगढ़ पुलिस ने दिल्ली और मथुरा से दो बालिकाओं को बरामद किया, वहीं राजगढ़ पुलिस ने अहमदाबाद से एक बालिका को दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

डिजिटल अरेस्ट से बचने पुलिस की एडवाइजरी जारी

जागरण, भोपाल। साइबर क्राइम पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस का कहना है कि डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए अनजान नंबर से कॉल या वीडियो कॉल पर भरोसा न करें। क्योंकि कोई भी सरकारी एजेंसी वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी नहीं करती। अगर वे खुद को अधिकारी बताकर पुलिस, सीबीआई, इनकम टैक्स या फिर कस्टम अधिकारी बताकर पैसे मांगने का दबाव बनाते है तो तुरंत कॉल काट दे और अपने बैंक डिटेल्स, ओटीपी या यूपीआई पिन साझा न करें। अगर कोई कॉल पर आपको अपराधी बताकर डराने की कोशिश करे, तो नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करें। एनपीसीआई की सलाह के अनुसार, ऐसे कॉल्स को तुरंत ब्लॉक करें।

भोपाल की सड़कों पर 30 हजार से ज्यादा कंडम वाहन

जाम और हादसों को दे रहे न्यौता: दो स्क्रैप सेंटर होने के बावजूद भी 40 साल पुराने वाहन भी सड़कों पर खड़े, आम लोग हो रहे परेशान

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल की सड़कों पर विभिन्न इलाकों में खड़े कंडम वाहन आम लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक शहर के विभिन्न इलाकों में 40 साल पुराने 30 हजार से च्यादा कंडम वाहन मौजूद हैं, जो न केवल यातायात व्यवस्था को चौपट कर रहे हैं, बल्कि आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं का कारण भी बन रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि केंद्र सरकार के कड़े नियमों और स्क्रैप पॉलिसी के बावजूद जिला प्रशासन, ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम इस गंभीर समस्या पर चुप्पी साधे हुए है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 15 साल पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों को सड़कों से हटाकर स्क्रैप करने के आदेश जारी किए हैं। इसके बावजूद शहर में 35 से 40 साल पुराने वाहन बेखौफ सड़कों पर खड़े हैं। शहर में इन पुराने वाहनों को नष्ट करने के लिए शहर में दो स्क्रैप सेंटर्स संचालित हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन की लापरवाही का आलम यह है कि अब तक किसी को यह पता ही नहीं है कि शहर में कितने वाहनों को स्क्रैप किया गया है।

पुराने भोपाल की कई सड़कों पर 10 फीट तक कब्जा

नूरमहल, मॉडल ग्राउंड, सैफिया कॉलेज रोड, ताजुल मसाजिद, पीरगेट, बुधवारा, गिन्नौरी, बागसेवनिया, पुतलीघर और किलोल पार्क जैसे इलाकों का हाल सबसे बुरा है। यहां सड़कों के दोनों किनारों पर कंडम जीप, कार और ट्रकों का जमावड़ा लगा रहता है। पुराने आरटीओ कार्यालय और गिन्नौरी क्षेत्र में स्थिति यह है कि 20 फीट चौड़ी सड़क पर वाहनों केखड़े होने के कारण चलने के लिए मात्र 10 फीट जगह ही शेष बची है। कई इलाकों में मैकेनिक दूसरे राच्यों से पुराने वाहन लाकर यहीं मॉडिफाई करते हैं। जगह की कमी के कारण वे सड़क को ही गैरेज बना लेते हैं।

नगर निगम 10 साल में नहीं कर सका कोई बड़ी कार्रवाई

नगर निगम केअतिक्रमण अमले द्वारा 2017 में किए गए सर्वे में 25 हजार कंडम वाहनों की पहचान की गई थी, जिनकी संख्या अब बढ़कर 30 हजार के करीब पहुंच चुकी है। 2018 में नगर निगम ने इन वाहनों को हटाने के लिए अभियान भी चलाया था, लेकिन वह महज खानापूर्ति साबित हुआ। हाल ही में ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम ने सड़कों पर खड़े इन वाहनों को हटाने के लिए कार्रवाई की बात कही थी, लेकिन धरातल पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। सड़कों पर खड़े इन कबाड़ वाहनों के कारण ताजुल मसाजिद के आसपास दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। लोगों द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर समस्या का समाधान न होना, सिस्टम की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

बिजली विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्तेदार ने ऐंठे छह लाख

ड्रायवर की सरकारी नौकरी के लिए आठ लाख में हुआ था सौदा

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिजली विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर रिश्तेदार ने 6 लाख रुपए ऐंठ लिए। बाद में न तो नौकरी लगी और न ही उसने पैसे लौटाए। इस संबंध में पीड़िता ने थाने में शिकायत की। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। शाहजहांनाबाद पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय शोभा कुशवाहा पति धर्मेंद्र कुशवाहा बाजपेई नगर में रहती हैं। उनका एक रिश्तेदार अंगद सिंह शिवपुरी का रहने वाला है। अंगद ने शोभा को बताया कि उसकी बिजली विभाग के अफसरों से अच्छी जान-पहचान है। वह सेटिंग करके नौकरी दिलवा सकता है। शोभा ने अपने पति के लिए नौकरी की बात की। अंगद ने बताया कि वह ड्रायवर की नौकरी लगवा सकता है, जिसके लिए 8 लाख रुपए लगेंगे। सरकारी नौकरी के लिए शोभा राजी हो गई। उसने 28 फरवरी 2025 तक आरोपी अंगद को 6 लाख रुपए दिए। लेकिन उसने नौकरी नहीं दिलवाई। बाद में शोभा ने अपने पैसे मांगे तो वह काफी समय तक आनाकानी करने लगा। जब पैसे भी नहीं मिले तो शोभा ने इस संबंध में थाने में शिकायत की। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

नौकर ने किया 5.72 लाख का गबन

इसी थाना क्षेत्र में एक नौकर ने मालिक के 5.72 लाख रुपए का गबन कर दिया। पुलिस के मुताबिक, असदउल्ला खान का मॉडल ग्राउंड में चश्मे की डिब्बे बनाने का कारखाना है। उनके यहां फेजल खान मार्केटिंग का काम करता था। फेजल मार्केट से पैसे का कलेक्शन भी करता था। वर्ष 2022 से लेकर 2025 तक फेजल ने लोगों से मिले पेमेंट की राशि को धीरे-धीरे अपने पिता के खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में जब इसका खुलासा हुआ तो मालिक ने उसे पैसे जमा करने के लिए बोला। कुछ दिन टालमटोल के बाद आरोपी नौकरी छोड़कर भाग निकला। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

अवैध शराब पिलाने पर दो संचालकों समेत चार ग्राहकों पर केस दर्ज

खजूरी सड़क क्षेत्र में अवैध शराब पिलाने के मामले में दो संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने शराब पीने वाले चार ग्राहकों पर भी कार्रवाई की है। शनिवार को होटल और रेस्टोरेंट में चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कर्व रिसोर्ट, वायु रिसोर्ट, गोवा गोन, मोक्ष क्लब, वाटर विले, क्लब कवाना, एवरग्रीन, डाइन आउट,द आर्क रेस्टोरेंट समेत कई होटलों में चेकिंग की गई। जहां वायु रेस्टोरेंट और राजवाड़ा ढाबा में अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही थी। जिनके संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाने पर पुलिस ने शराब पीने वाले चार ग्राहकों और दो रिसोर्ट संचालक पर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की।

प्रदेश में ट्रांसमिशन टावरों व सबस्टेशनों के आसपास नहीं किया जा सकेगा खनन

सितपुरा में किया जा रहा था खनन, ट्रांसमिशन टावरों के गिरने का था खतरा

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के सतना जिले के सितपुरा में ट्रांसमिशन टावरों और 220 केवी एक्स्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशन के आसपास किए जा रहे वैध और अवैध उत्खनन पर प्रशासन ने रोक लगा दी है। दरअसल लंबे समय से किए जा रहे वैध और अवैध खनन के कारण ट्रांसमिशन टावरों के गिरने का खतरा पैदा हो गया था। जिससे गंभीर विद्युत व्यवधान तो पैदा होता ही, धन जन हानि होने की आशंका भी बनी हुई थी। जिसके बाद एमपी ट्रांसको ने प्रशासन के सहयोग से सभी तरह के खनन पर रोक लगवा दी है। बता दें कि आने वाले समय में अन्य जिलों में भी इस तरह की रोक लग सकती है, ताकि ट्रांसमिशन टावरों को गिरने से बचाया जा सके। एमपी ट्रांसको के इस कदम से न केवल ट्रांसमिशन टावरों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है, बल्कि उनके कमजोर होकर ध्वस्त होने की आशंकाओं को भी प्रभावी रूप से रोका जा सका है।

इस कारण पैदा हुआ था खतरा

सतना जिले में 220 केवी और 132 केवी ट्रांसमिशन टावरों के आसपास बड़े पैमाने पर मुरम और मिट्टी की खुदाई की जा रही थी। जिससे इन टावरों की स्थिरता पर गंभीर खतरा पैदा हो गया था। ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस संभाग के कार्यपालन अभियंता अमित कुमार ने प्रशासन के सामने मामला उठाया। मामले को देखते हुए जिला प्रशासन ने भविष्य में पैदा होने वाले संभावित खतरों, जैसे टावरों का ध्वस्त होना, व्यापक क्षेत्र में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति का बाधित होना और जन हानि होना सहित अन्य आशंकाओं को देखते हुए कार्रवाई की और नागौद क्षेत्र में ट्रांसमिशन टावरों के आसपास मिट्टी व मुरम के उत्खनन पर धारा 163 के तहत तत्काल प्रतिबंध लागू कर दिया।

सतना क्षेत्र में विस्तृत ट्रांसमिशन नेटवर्क

एमपी ट्रांसको के सतना क्षेत्र में विस्तृत ट्रांसमिशन नेटवर्क है, जिसमें 132 केवी लाइनों की रूट लंबाई 1506.4 किमी, सर्किट लंबाई 2193.6 किमी और 5153 टावर शामिल हैं। वहीं 220 केवी लाइनों की रूट लंबाई 675.25 किमी, सर्किट लंबाई 1316.18 किमी तथा 2292 टावर शामिल हैं।

बंसल हॉस्पिटल में आया सर्जिकल रोबोट

अब बिना बड़े चीरे के होगा ऑपरेशन

भोपाल। अब तक आपने रोबोट केवल फिल्मों में देखा होगा। लेकिन अब भोपाल के बंसल हॉस्पिटल में एक ऐसा सर्जिकल रोबोट आ गया है, जो इंसान का ऑपरेशन करता है। बिना बड़े चीरे के। बिना ज्यादा दर्द के, और मरीज तीन दिन में घर। रोबोटिक सर्जरी अब भोपाल में है। हयात होटल, बंसल प्लाजा में आयोजित एक भव्य समारोह में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बंसल हॉस्पिटल के रोबोटिक सर्जरी कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम भारतीय चिकित्सा संघ ग्रेटर, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया। रोबोट से ऑपरेशन - यह होता क्या है? डॉ. संतोष अग्रवाल ने बताया कि - रोबोटिक सर्जरी में रोबोट खुद कुछ नहीं करता। हर हरकत सर्जन के हाथों से नियंत्रित होती है। सरल भाषा में समझें तो - सर्जन एक विशेष कुर्सी पर बैठता है जिसे कंसोल कहते हैं। वहां से वह स्क्रीन पर मरीज के शरीर के अंदर का 10 गुना बड़ा, त्रिआयामी दृश्य देखता है। उसके हाथ जो भी हरकत करते हैं - वही हरकत ऑपरेशन टेबल पर रखे रोबोटिक हाथ मरीज़ के शरीर के अंदर करते हैं - केवल एक सेंटीमीटर के छोटे-छोटे छेद से। सबसे बड़ी बात - इंसान के हाथ का प्राकृतिक कंपन रोबोट पूरी तरह खत्म कर देता है। यानी सर्जन का हाथ चाहे थोड़ा भी हिले - मरीज़ के शरीर के अंदर औज़ार बिल्कुल स्थिर रहता है। कोई बड़ा चीरा नहीं। कम खून। कम दर्द। और घर जल्दी। रोबोटिक सर्जरी

प्लेटफॉर्म दुनिया के सबसे आधुनिक सर्जिकल सिस्टम में से एक है। मुंबई के कोकिलाबेन हॉस्पिटल के विख्यात यूरो-ऑन्को रोबोटिक सर्जन डॉ. टी.बी. युवराज ने समारोह में बताया “Toumai केवल एक रोबोटिक सर्जरी सिस्टम नहीं है - यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से युक्त भविष्य का सर्जिकल प्लेटफॉर्म है। यह तकनीक सर्जरी की सटीकता, सुरक्षा और परिणामों को एक नए स्तर पर ले जाती है। बता दें कि बंसल हॉस्पिटल ने उद्घाटन से पूर्व ही चार सफल रोबोटिक सर्जरी सम्पन्न कर अपनी क्षमता सिद्ध कर दी। यूरोलॉजिस्ट एवं रोबोटिक ऑन्को सर्जन डॉ. संतोष अग्रवाल ने 60 वर्षीय प्रोस्टेट कैंसर पीड़ित रोगी की रोबोटिक रेडिकल प्रोस्टेटेक्टोमी सफलतापूर्वक सम्पन्न की - कोई बड़ा चीरा नहीं, न्यूनतम रक्तस्राव, और मरीज तीसरे दिन घर। गायनेकोलॉजिक ऑन्को सर्जन डॉ. निधि नागर ने एंडोमेट्रियल कैंसर की संदिग्ध रोगी की रोबोटिक रेडिकल हिस्टेरेक्टोमी एवं द्विपक्षीय पेल्विक लिम्फ नोड डिसेक्शन पूर्ण सटीकता के साथ सम्पन्न की।

कार्रवाई सैनी गैस एजेंसी का मामला, ट्रांसपोर्टर पर दर्ज होगी एफआईआर

ट्रक का जीपीएस बंद कर की गई गैस चोरी

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी के अयोध्या बायपास स्थित सैनी गैस एजेंसी में हुए घरेलू गैस सिलेंडर से चोरी और हेराफेरी के मामले में खाद्य आपूर्ति नियंत्रक की जांच पूरी हो गई है। जांच में सामने आया है कि सिलेंडर सप्लाई करने वाले वाहन का जीपीएस 26 मार्च से जानबूझकर बंद रखा गया था, ताकि वाहन की आवाजाही को ट्रैक न किया जा सके। इस गंभीर लापरवाही और मिलीभगत के सामने आने के बाद अब प्रशासन ने ट्रांसपोर्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी कर ली है।

26 मार्च से ही संदेह के घेरे में सप्लाई : खाद्य आपूर्ति विभाग की जांच रिपोर्ट में ट्रांसपोर्टर और ड्राइवर की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जिस ट्रक से सिलेंडर डिपो से एजेंसी तक लाए जा रहे थे, उसका जीपीएस सिस्टम 26 मार्च को बंद कर दिया गया था। यही कारण है कि अब 26 मार्च के बाद डिपो से निकली सभी सप्लाई संदेह के घेरे में है। भौंरी स्थित ऑयल डिपो प्रबंधन ने इस अनियमितता को देखते हुए ट्रांसपोर्टर को नोटिस भी जारी कर दिया है।

कुछ इस तरह दिया गया वारदात को अंजाम

- जांच में पता चला है कि भौंरी स्थित इंडेन ऑयल कंपनी के डिपो से रात 8 बजे ट्रक लोड होकर निकला था। नियम के अनुसार इसे 3 से 4 घंटे में एजेंसी पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन ट्रक अगले दिन पहुंचा। इसी बीच रास्ते में सिलेंडर से गैस निकालने की आशंका जताई जा रही है।
- गड़बड़ी का पैमाना- जब डिपो से निकले 342 सिलेंडरों के ट्रक की जांच की गई, तो उसमें से 27 सिलेंडरों में दो से ढाई किलो तक गैस कम पाई गई।
- अनुबंध आईओसीएल डिपो से एजेंसियों तक गैस सप्लाई का ठेका च्श्रीबालाजी ट्रांसपोर्टच् ग्वालियर को दिया गया है।

होगी एफआईआर, जांच पुलिस करेगी

खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि सैनी गैस एजेंसी पर पहले ही च्आवश्यक वस्तु अधिनियमच् के तहत प्रकरण दर्ज किया जा चुका है और सिलेंडर से भरे वाहन को भी जब्त किया गया है। अब इस मामले में ट्रांसपोर्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए प्रतिवेदन तैयार कर कलेक्टर को भेजा जा रहा है।

4547 गैस सिलेंडर किए गए जब्त

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2939 स्थानों पर जांच की गई, 4547 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 12 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। राजपूत ने बताया कि प्रदेश के 764 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है।

राजधानी का तापमान/मौसम

अधिकतम 41.8°c न्यूनतम 23.6°c

राजधानी में गर्मी चरम पर है। तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही। आज भी गर्मी बढ़ेगी

नगर में आज

अभिनय कार्यशाला
द राइजिंग सोसायटी ऑफ़ आर्ट एंड कल्चर
स्थान: कालीबाड़ी, टीटी नगर
समय: शाम 5:30 बजे से 7:30

'थियेट्रिक्स-30'
स्थान: आरुषि इंडिया, भोपाल
समय: शाम 5 बजे से 8:30

'माह का प्रादर्श'
स्थान: मानव संग्रहालय
समय: दोपहर 12 बजे से

72 शलाका चित्र प्रर्दशनी
स्थान: लिखन्दरा दीर्घा, जनजातीय संग्रहालय
समय: दोपहर 12 बजे से

यात्रियों की प्यास बुझाने में रेलवे नाकाम, स्टेशन पर ठंडा पानी नहीं

ठंडा करने की मशीन से आ रहा सामान्य पानी, कई जगह प्याऊ पर टोंटियां नहीं, शादियों के सीजन में भोपाल स्टेशन पर बढ़ी यात्रियों की संख्या

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर इस भीषण गर्मी में यात्रियों की प्यास नहीं बुझ पा रही। ऐसा नहीं है कि यहां पीने के पानी की कमी हो, रेल प्रशासन द्वारा पूरे स्टेशन परिसर में सभी जगह पर्याप्त मात्रा में पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। लेकिन यह पेयजल ठंडा न होने के कारण लोगों की प्यास बुझाने में सक्षम नहीं है। तेज धूप और गर्मी के कारण प्यास लगने पर जब यात्री स्टेशन परिसर में बनी प्याऊ पर जा रहे हैं तो उन्हें निराश होना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें पीने के लिए ठंडा पानी नहीं मिल रहा। प्लेटफार्म नंबर एक से लेकर प्लेटफार्म नंबर छह तक बने लगभग सभी प्याऊ में कहीं भी ठंडा पानी उपलब्ध नहीं है।

वाटर कूलर चालू, लेकिन ठंडा पानी नहीं

भोपाल रेलवे स्टेशन परिसर में 28 वाटर कूलर लगे हैं। दो या तीन को छोड़ दें तो सभी चालू स्थिति में हैं। लेकिन किसी से ठंडा पानी नहीं आ रहा। स्टेशन पर खाद्य सामग्री बेचने वाले एक कर्मचारी ने बताया कि वाटर कूलर में ठंडा पानी करने के लिए जो चिल्लर लगा होता है, वह काम नहीं कर रहा। उसमें गैस और अन्य तत्वों की कमी है, जिससे पानी ठंडा नहीं हो पा रहा। यही कारण है कि वाटर कूलर 24 घंटे चलने पर भी सामान्य पानी को ठंडा नहीं कर पा रहे।

मेंटेनेंस में कमी, बार-बार खराबी

रेलवे के इलेक्ट्रिकल विभाग पर वाटर कूलर की मरम्मत की जिम्मेदारी है। एक अधिकारी ने बताया इन वाटर कूलर में भरे जाने पानी और उसके टैंक की सफाई हर सप्ताह अनिवार्य है। हकीकत इसके उलट है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर लगे सभी वाटर कूलर के टैंक की सफाई आखिरी बार मार्च महीने में की गई थी। लेकिन तेज गर्मी की शुरूआत 15 अप्रैल के बाद से हुई है, इन दिनों स्टेशन पर यात्रियों की हालत खराब है, उन्हें पीने के लिए ठंडा पानी नहीं मिल रहा।

प्लेटफार्म नंबर छह पर इटारसी एंड का कूलर बंद

प्लेटफार्म नंबर 6 के इटारसी छोर पर लगा वाटर कूलर पूरी तरह से बंद है। यात्रियों ने बताया कि यह स्थिति कई दिनों से बनी हुई है, लेकिन अब तक कोई सुधार नहीं किया गया है। प्लेटफार्म नंबर दो पर स्थित सांची स्टाल के पास लगे वाटर कूलर की भी हालत खराब है। यह मशीन बंद है। पेयजल व्यवस्था की तरह सफाई व्यवस्था भी चिंताजनक बनी हुई है। कई वाटर कूलरों के आसपास गंदगी फैली हुई है, जिससे वहां खड़े होना भी मुश्किल हो गया है। नल और टोंटी के आसपास की जगहों पर गंदगी पड़ी हुई है और साफ-सफाई की कोई नियमित व्यवस्था नजर नहीं आ रही।

खाली बोतल लेकर स्टेशन पर घूमती रही महिला यात्री

दोपहर को दो से ढाई बजे के बीच भोपाल-बीना मेमू ट्रेन खड़ी है। एक महिला यात्री प्लेटफार्म नंबर छह के ज्यादातर वाटर कूलर खंगाल चुकी है, लेकिन उसे ठंडा पानी कहीं नहीं मिला। वह खाली बोतल लेकर स्टेशन पर भटक रही है। यही हाल अन्य यात्रियों का भी है। कुछ यात्री वाटर कूलर के पानी का इस्तेमाल मुंह हाथ धोने के लिए कर रहे हैं।

डीआरएम बोले, हम टोंटियों का हिसाब नहीं रखते हैं

भोपाल स्टेशन पर पानी की किल्लत व प्याऊ में टोंटियां न होने के सवाल पर भोपाल रेल मंडल प्रबंधक पंकज त्यागी ने जवाब दिया कि रेलवे टोंटियों का हिसाब नहीं रखता। हर दिन टोंटियां चोरी होती हैं या टूटती हैं। हमने निर्देश दे रखे हैं कि हर दिन टोंटियों को बदला जाए। यह जवाब उन्होंने कुछ दिन पहले पत्रकारवार्ता के दौरान दिया था।

संक्षिप्त खबरें

एनजीटी की सेंट्रल जोन बेंच का कार्यालय अरेरा हिल्स में बनकर हुआ तैयार

जागरण संवाददाता, भोपाल। अरेरा हिल्स स्थित ग्रीन मेडोस कालोनी के सामने बन रहे नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोन बेंच का कार्यालय भवन का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। जल्दी ही इस भवन को लोकार्पित किया जाएगा और सूचना भवन में संचालित कार्यालय को इस नई इमारत में शिफ्ट कर दिया जाएगा। बता दें कि सेंट्रल जोन बेंच भोपाल में शुरू होने वाला कार्यालय एनजीटी की सभी पांचों न्यायपीठों में पहला स्वयं का कार्यालय है। अन्य चार न्यायपीठों के कार्यालय अब भी अन्य विभागों की इमारतों में संचालित किए जा रहे हैं। एनजीटी की प्रधान पीठ का कार्यालय उत्तरी क्षेत्र में दिल्ली में स्थित है। पूर्वी क्षेत्र की पीठ कोलकाता में, दक्षिणी क्षेत्र की पीठ चेन्नई और पश्चिमी क्षेत्र की पीठ पुणे में स्थित है। केंद्रीय या सेंट्रल जोन बेंच भोपाल में स्थित है। भोपाल में निर्माणाधीन कार्यालयीन भवन पर्यावरण-अनुकूल मानकों को ध्यान में रखकर निर्मित किया गया है। निर्माण के दौरान सर्वोच्च मानकों को ध्यान में रखकर काम पूरा किया गया है, ताकि सारा कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जा सके।

10वीं की छात्रा से परिचित ने किया दुष्कर्म

जागरण, भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र में घर में घुसकर नाबालिग छात्रा से युवक ने जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी छात्रा के मोहल्ले का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय नाबालिग हितोनियां गांव में रहती है। वह 10 वीं कक्षा में पढ़ाई करती है। उसकी मां जेके अस्पताल में नर्स है। जहां उसकी जान-पहचान मोहल्ले के रहने वाले विकास नामक युवक से हुई। जो उसके घर अक्सर आता जाता था। इस दौरान 10 मार्च को जब उसकी मां घर पर नहीं थी। तब आरोपी ने छात्रा को अकेला पाकर मौके का फायदा उठाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने 3 से 4 बार छात्रा के साथ ज्यादती की। किसी को बताने पर उसने नाबालिग को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण छात्रा ने किसी को कुछ नहीं बताया। हाल ही में मां के पूछने पर उसने आपबीती सुनाई। बाद में पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

दीवार तोड़ देर रात घर में घुसा एलपीजी टैंकर, सो रही 7 साल की मासूम की मौत

निशातपुरा क्षेत्र का मामला: माता-पिता समेत चार लोग घायल, मची अफरा-तफरी, दो और मकान क्षतिग्रस्त

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। छोला मंदिर इलाके में शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात तेज रफ्तार एलपीजी गैस से भरा टैंकर झुग्गी बस्ती में घुस गया। दीवार तोड़कर घर से अंदर घुसे टैंकर की चपेट में आने से 7 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। करीब एक घंटे तक वह पहिए के नीचे दबी रही। माता-पिता समेत चार लोग घायल हो गए। घटना के वक्त सभी सो रहे थे। बस्ती में अफरा-तफरी मच गई। दो और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चालक वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला। स्थानीय लोग और पुलिस ने रेस्क्यू पर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

स्थानीय लोग और पुलिस ने किया रेस्क्यू, घायलों को पहुंचाया अस्पताल, छोला मंदिर पुलिस जांच में जुटी

यूपी का परिवार, सड़क किनारे खिलौने बेचता है: पुलिस के मुताबिक, यह दर्दनाक हादसा शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात करीब सवा दो बजे गोल चौराहा से 200 मीटर निशातपुरा की तरफ दायीं ओर बनी झुग्गी बस्ती का है। घटना के वक्त सभी सो रहे थे। टैंकर क्रमांक सीजी 07 सीएस 3742 का चालक तेजी व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए पीपुल्स अस्पताल की ओर से आ रहा था। तभी अनियंत्रित होकर टैंकर झुग्गी बस्ती में घुस गया। एक झुग्गी में सो रहे मोनू गेहार, उसकी पत्नी मनीषा, बच्चे खुशी (7), आरूष (5) और तेटू (4) को अपनी चपेट में ले लिया। टैंकर का एक पहिया खुशी के ऊपर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मोनू, मनीषा, आरूष व तेटू घायल हो गए। मूलतः सीतापुर, यूपी का रहने वाला परिवार यहां लंबे समय से रह रहा है। वह सड़क किनारे खिलौने, टब आदि बेचने का काम करते हैं।

एक घंटे तक पहिए के नीचे दबी रही बच्ची

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टैंकर के घुसते ही चीख-पुकार मच गई। घटना से पूरा इलाका दहल उठा। सो रहे बस्ती के लोग जाग गए। बचाव कार्य शुरू हुआ। सूचना मिलते ही छोला मंदिर, निशातपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी ने मिलकर मलबे में दबे घायलों को बाहर निकाला। खुशी को पहिए के नीचे से निकाला। वह करीब एक घंटे तक दबी रही, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

सख्त कार्रवाई और मुआवजा की मांग

घटना के प्रति स्थानीय लोगों ने आक्रोश है। उन्होंने टैंकर चालक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई समेत पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। घटना की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। यह हादसा एक बार फिर शहर में भारी वाहनों की लापरवाही और रिहाइशी इलाकों में उनकी अनियंत्रित आवाजाही पर बड़ा सवाल खड़ा करता है।

टैंकर की तकनीकी जांच

छोला मंदिर थाना प्रभारी सरस्वती तिवारी का कहना है कि देर रात पुलिस एक टास्क में जुटी थी। तभी घटना की जानकारी लगी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य किया। स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे लोगों को निकाला। टैंकर में एलपीजी गैस भरी थी। उसे सुरक्षित वहां से निकाला। पुलिस टैंकर की तकनीकी जांच भी करवा रही है। उसके ब्रेक फेल हुए या हादसे की वजह कुछ और थी। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में जुटी है।

त्रिकोणीय प्रेम-प्रसंग के चलते हुई थी युवक की हत्या

महिला ने हाथ पकड़े, नए प्रेमी ने सीने में घोंप दिए थे चाकू

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। त्रिकोणीय प्रेम-प्रसंग के चलते युवक की हत्या की गई थी। महिला ने युवक के हाथ पकड़े थे, नए प्रेमी उसके सीने में चाकू घोंप दिया था। हत्या के बाद दोनों फरार हो गए थे। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने खून से सने कपड़े बरामद किए हैं। तीन दिन की पूछताछ के बाद हत्या का खुलासा हुआ। इसके बावजूद बैरसिया पुलिस ने 3 दिन की और रिमांड पर लिया है। पुलिस के मुताबिक 42 वर्षीय हनीफ खान निवासी वार्ड नंबर सात बैरसिया की 15 अप्रैल को धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। मेगरा कला शमशाबाद रोड पर लाश मिली थी। आरोपियों ने सीने पर वार उसकी हत्या की थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की। स्थानीय लोगों से पूछताछ में सामने आया कि हनीफ का किसी महिला से प्रेम प्रसंग था। महिला की पहचान सोना मीणा (40) निवासी ग्राम खेजड़ा मिश्र के रूप में हुई। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की। महिला ने बताया कि अनिरुद्ध यादव (32) पिता कंचन सिंह निवासी ग्राम लाडपुर, जिला विदिशा के साथ मिलकर उसने हनीफ की हत्या की थी। पुलिस ने अनिरुद्ध को दबोच लिया। पूछताछ में दोनों ने हनीफ की हत्या करना स्वीकार कर लिया।

बाजार में घूमते देख किया पीछा

पूछताछ में महिला ने बताया कि हनीफ से उसका करीब दो साल से प्रेम प्रसंग था। इसके बाद उसकी मुलाकात अनिरुद्ध से हुई। वह हनीफ ने दूर होना चाहती थी इसलिए उसने अनिरुद्ध के साथ रहने का फैसला किया। लेकिन इस बात के लिए हनीफ रोक-टोक करने लगा। घटना के रोज वह हनीफ के साथ बाजार में घूम रही थी, जिसे अनिरुद्ध ने देख लिया। अनिरुद्ध ने उनका पीछा किया। मेगरा जोड़ के पास सुनसान जगह पर रोक लिया। यहां तीनों के बीच महिला को लेकर विवाद शुरु हुआ, जो देखते ही देखते बढ़ गया।

चाकू लगने से हुआ ढेर

महिला ने अनिरुद्ध के साथ रहने का फैसला लिया। इस दौरान विवाद बढ़ गया। हनीफ, अनिरुद्ध पर टूट पड़ा। यह देखकर महिला ने हनीफ के हाथ पकड़ लिए। इसका फायदा उठाकर अनिरुद्ध ने चाकू से उसके सीने पर दो हमले किए। सीने में गंभीर चोट के कारण हनीफ वहीं ढेर हो गया। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकले थे। एसपी देहात रामशरण प्रजापति ने आरोपियों की गिरफ्तारी कर 5 हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की थी।

बीटेक सेकंड ईयर के छात्र ने खाया सल्फास, मौत

जागरण, भोपाल। टीटी नगर क्षेत्र में इंजीनियरिंग के छात्र ने सल्फास खाकर खुदकुशी कर ली। मृतक ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा है। पुलिस ने शुरूआती जांच फीस के पैसे नहीं लौटाने और प्रेम- प्रसंग के चलते युवक के सुसाइड करने की वजह सामने आई है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय हिमांशु लोवंशी पिता यशवंत अर्जुन नगर में रहता था। उसके पिता निजी काम करते है। उसकी एक बहन है। वह टीआईटी कॉलेज से बीटेक सेकंड ईयर की पढ़ाई कर रहा था। हिमांशु अपने परिवार का इकलौता बेटा था। शनिवार रात हिमांशु ने जहर खाने के बाद अपने दोस्त आयुष को कॉल कर इसकी जानकारी दी। उसने बताया कि वह हबीबगंज इलाके में है और आधे घंटे बाद घर पहुंच जाएगा। दोस्तों ने इसकी सूचना उसकी बहन को दी। जिसके बाद दोपहर 2 बजे वह घर आ गया। उसकी जेब से सल्फास की डिब्बी मिलने पर परिजन तुरंत उसे एम्स अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां बेड खाली नहीं होने पर परिजनों नर्मदा अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी तबीयत बिगड़ गई और वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। शुक्रवार देर रात हिमांशु ने दम तोड़ दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

फीस के पैसे नहीं लौटाने और प्रेम-प्रसंग की आशंका

सुधारने के बहाने बुजुर्ग की कार लेकर भागा मैकेनिक

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अशोका गार्डन में एक बुजुर्ग की कार लेकर मैकेनिक भाग निकला। कार सुधारने के नाम पर वह उसे ले गया था। उसका मोबाइल बंद आ रहा है। पुलिस के मुताबिक, नरसिंहगढ़ निवासी रमेश चंद्र वर्मा नगर पालिका से रिटायर्ड हैं। उनकी स्विफ्ट डिजायर कार खराब थी, जिसे सुधरने के लिए उन्होंने अशोका गार्डन स्थित जीवन मोटर्स की वर्कशॉप पर डाला था। 15 दिसंबर 2025 को कंपनी की ओर से उन्हें ढाई लाख रुपए की स्टीमेट बनाकर दिया। इस बीच उनके पास एक फोन आया। कॉलर ने खुद को मैकेनिक नौसाद बताया। उसने कहा कि आपका नंबर मुझे वर्कशॉप से मिला है। मैं आपकी कार 1.70 लाख रुपए में सुधार दूंगा। रमेश चंद्र इसके लिए राजी हो गए। कार सुधारने का कहकर नौसाद उनसे कार लेकर चला गया। बाद में उसका मोबाइल नंबर बंद आया। कुछ दिन बाद जब आरोपी का कुछ पता नहीं लगा तो उन्होंने इस संबंध में थाने में शिकायत की थी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी में केस दर्ज किया है।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर सुबह छह बजे से गली-मुहल्लों में पहुंची टीम, 3 घंटे तक चला निरीक्षण

नोडल अधिकारियों ने औचक निरीक्षण कर परखी सफाई व्यवस्था, मोबाइल एप पर अपलोड किए फोटो

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी में आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर नगर निगम का अमला पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। केंद्र की टीम के भोपाल आने से पहले ही नगर निगम की टीम ने शहर भर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। जिसके चलते रविवार सुबह निगम के नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों की टीमों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। सुबह छह बजे से शुरू हुआ यह निरीक्षण सुबह 9 बजे तक चला। निगम आयुक्त संस्कृति जैन द्वारा दिए गए निर्देश के अनुसार सभी नोडल अधिकारी आवंटित क्षेत्रों में पहुंचे और व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। इस दौरान टीम शाहपुरा, चूना भट्टी, बिट्टन मार्केट और न्यू मार्केट जैसे प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों के साथ-साथ शहर के बीचों बीच स्थित भेल, संत नगर, कोलार और बैरसिया रोड की घनी आबादी वाली कॉलोनियों तक भी पहुंची। इस दौरान अधिकारियों ने न केवल सड़कों की सफाई व्यवस्था देखी, बल्कि सुलभ कॉम्प्लेक्स, पार्कों और तालाबों के किनारे फैली गंदगी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मिली खामियों पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही नोडल अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान ली गई फोटो को मोबाइल ऐप पर अपलोड किया, ताकि सफाई की स्थिति का वास्तविक डेटा निगम मुख्यालय तक पहुंच सके।

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन का लिया फीडबैक

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद एरिया हेल्थ ऑफिसर (एएचओ) से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को लेकर कड़े सवाल किए। अधिकारियों ने विशेष रूप से समय पर कचरा उठवाने और कचरा कलेक्शन करने वाले वाहनों की निगरानी पर जोर दिया। इस दौरान सभी जोन के एएचओ ने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि सभी कचरा संग्रहण वाहन (मैजिक) जीपीएस सिस्टम से लैस हैं, जिससे उनकी लोकेशन और समय की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी प्रकार की देरी की गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है। इस दौरान टीम ने स्वच्छता मित्रों की समय पर उपस्थिति, नाली सफाई और कचरे को समय पर उठवाने पर विशेष ध्यान दिया।

इन स्थानों की होगी बारीकी से जांच

स्वच्छता सर्वे के दौरान इस बार सड़कों, कॉलोनियों, बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, शौचालयों के साथ ही शहर की कचरा प्रबंधन व्यवस्था की भी बारीकी से जांच की जाएगी। झीलों की स्वच्छता को परखा जाएगा। झीलों की स्वच्छता को देखते हुए नगर निगम को हर पैरामीटर पर अंक दिए जाएंगे, जो अंत में शहर की रैंकिंग तय करेंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार की टीम शहर की डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की स्थिति, कचरा प्रोसेसिंग प्लांट और डंपिंग साइट भी देखेगी। सार्वजनिक शौचालय और अन्य सुविधाओं के साथ-साथ नागरिकों से सीधा संवाद भी करेगी। टीम का निरीक्षण पूरी तरह गोपनीय होगा, जिससे वास्तविक स्थिति का सही आकलन किया जा सके।

आयोजन — शुभ संयोगों के साथ मनेगा पर्व, दान-पुण्य और शुभ कार्यों का विशेष फल

अक्षय तृतीया पर आज शादियों की धूम, बाजारों में रौनक

भोपाल। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर राजधानी सहित पूरे प्रदेश में विवाह समारोहों की जबरदस्त रौनक देखने को मिलेगी। इस बार यह पर्व विशेष शुभ संयोगों के साथ आ रहा है, जिसके चलते विवाह के लिए इसे अत्यंत फलदायी माना जा रहा है। भोपाल शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को मिलाकर 6 हजार विवाह होने का अनुमान है। इस वर्ष अक्षय तृतीया पर सूर्य मेष राशि में और चंद्रमा वृषभ राशि में उच्च स्थिति में रहेंगे। साथ ही आयुष्मान योग का संयोग भी बन रहा है, जो इस पर्व की शुभता को ओर बढ़ा रहा है।

ऐसे योग में किए गए मांगलिक कार्यों से दीर्घकालिक सकारात्मक फल मिलने की मान्यता है। उन्होंने कहा कि यह दिन दान-पुण्य और शुभ कार्यों के लिए विशेष रूप से फलदायी रहेगा। इधर अक्षय तृतीय को लेकर रविवार को राजधानी के बाजारों में खासी रौनक देखने को मिली। बड़ी संख्या में लोग विवाह सामग्री खरीदने के लिए पहुंचे। राजधानी के भदभदा स्थित सूरज नगर के पास बंजारा बस्ती की एक गली में 14 शादियां होने वाली हैं। इसकी तैयारियों पूरी हो गई हैं। सभी परिवार एक-दूसरे को जानते हैं और साथ उठते-बैठते रहे हैं। ऐसे में पूरे मोहल्ले में एक साथ जश्न का माहौल बन गया है। दूल्हे समीर ने बताया, अच्छा लग रहा है। कभी सोचा नहीं था कि एक ही गली में इतनी शादियां एक साथ होंगी।

पाल समाज ने विवाह सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में जोड़ों ने भाग लिया।

गुफा मंदिर में विवाह सम्मेलन

अक्षय तृतीया के अवसर पर राजधानी में सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भी कई जगह किया जा रहा है। गुफा मंदिर परिसर में सामूहिक विवाह समारोह आयोजित होगा, जिसमें कई नवयुगल वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधेंगे। इस आयोजन में सामूहिक बारात निकाली जाएगी, जहां दूल्हे पारंपरिक वेशभूषा में शामिल होंगे। समाज के लोगों द्वारा बारात का स्वागत पुष्पवर्षा और माल्यार्पण के साथ किया जाएगा। दोपहर में विवाह की मुख्य रस्में पूरी होंगी और शाम को विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी होगा, जिसमें विवाह योग्य युवाओं का परिचय कराया जाएगा। इसके अलावा रायसेन रोड स्थित दादाजी धाम मंदिर में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा, भक्ति और वैदिक परंपराओं के साथ मनाई गई। पूजन, अभिषेक और हवन के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी से मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहेगा।

डॉ. अंबेडकर का पोस्टर फाड़कर किया वायरल, एफआईआर दर्ज

जागरण, भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर के पोस्टर को फाड़ने मामला सामने आया है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का केस दर्ज किया है। घटना गुरूवार रात 12 बजे की है। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय मिलीन राव भीम नगर में रहते हैं। वह कांग्रेस कमेटी शिवाजी ब्लॉक के अध्यक्ष हैं। जिन्होंने शिकायत दर्ज कराई है कि भेल फिल्टर प्लांट की दीवार पर बाबा साहब का पोस्टर लगा था। जिसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती शुभकामनाओं के साथ कार्यकर्ताओं की फोटो थी। जिसे 16 तारीख की रात 12 बजे कुछ युवकों ने निकालकर बीच से फाड़ कर फेंक दिया। उन्होंने 24 सेकंड का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डाल दिया। जिस पर उन्होंने अभद्र टिप्पणी की थी।

एनबीसीसी NBCC नवरत्न सीपीएसई
माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निगरानी की गई परियोजनाएँ
एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के माध्यम से क्रियान्वित
(भारत सरकार का एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम)
ASPIRE
ई-नीलामी के माध्यम से
उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) स्थित नॉलेज पार्क-V में स्थित पूर्व आम्रपाली समूह की टेक पार्क परियोजना की बिक्री NBCC के माध्यम से की जा रही है।
इच्छुक पक्ष RAILTEL (ई-नीलामी आयोजित करने के लिए NBCC (INDIA) LTD द्वारा नियुक्त एजेंसी) या वेबसाइट https://nbccauction.enivida.com पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं।
ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि 23.04.2026 है।
ई-नीलामी 24.04.2026 को आयोजित की जाएगी।
अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: 9772907414

संस्थापक गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

दक्षिणी राज्यों की आशंका को भी दूर करना जरूरी

परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की पहल के बाद तमिलनाडु में जिस तरह का विरोध उभर रहा है, उससे कई सवाल उठे हैं। तमिलनाडु में इस मसले पर व्यापक असंतोष उभर रहा है। तेलंगाना, कर्नाटक और केरल आदि राज्यों में भी परिसीमन में आबादी के आधार पर लोकसभा की सीटों में वृद्धि होने पर तीखे सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या दक्षिण भारतीय राज्यों को परिवार नियोजन को लेकर बेहतर प्रदर्शन का खमियाजा उठाना पड़ रहा है। इसमें कोई दोराय नहीं कि संसद में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी समय की जरूरत हो सकती है और निर्धारित प्रक्रिया के तहत इसमें बदलाव हो सकते हैं। मगर इस वर्ष परिसीमन की कवायद को लेकर कई सवाल उभरते दिख रहे हैं। खासतौर पर दक्षिण भारत के राज्यों की ओर से यह आशंका जताई जा रही है कि परिसीमन के ताजा प्रस्ताव के तहत जो प्रारूप सामने आया है, अगर वह अमल में आया तो यह व्यापक स्तर पर भेदभाव का कारण बनेगा।

हालांकि इस तरह के कदम उठाने से पहले देशभर में सर्वसम्मति कायम करने की अपेक्षा की जाती है, ताकि राज्यों के बीच मतभेद न उपजे, लेकिन परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार की पहल के बाद तमिलनाडु में जिस तरह का विरोध उभर रहा है, उससे कई सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार को केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन की कवायद के खिलाफ विरोध को तेज करते हुए इससे संबंधित विधेयक की प्रति जला कर और काला झंडा दिखा कर पूरे राज्य में आंदोलन की शुरुआत कर दी। इससे पहले स्टालिन ने यहां तक कहा था कि तमिलनाडु की चिंता को दूर किए बिना अगर परिसीमन को आगे बढ़ाया गया, तो राज्य में एक समय चले हिंदी विरोधी आंदोलनों जैसी स्थिति बन सकती है।

निश्चित रूप से एक संवेदनशील मुद्दे पर देश के अलग-अलग राज्यों में इस स्तर के मतभेद पैदा नहीं होने चाहिए थे और इससे जुड़ी चिंताओं का समाधान वक्त की जरूरत है। मगर हैरानी की बात यह है कि क्या केंद्र सरकार को इसका आभास नहीं था कि लोकसभा में सीटों की संख्या में बढ़ोतरी के क्रम में उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों के बीच जिस तरह का असंतुलन पैदा होने वाला है, उससे कई स्तर पर असंतोष उभर सकता है। मगर विपक्षी दलों की ओर से ऐसे सवाल उठाए जा रहे हैं कि लोकसभा की सीटों में बढ़ोतरी से की समीकरण में वैसे राज्यों को मजबूत स्थिति में खड़ा करेगा, जहां भारतीय जनता पार्टी ताकतवर है। इसके अलावा, सीटों के फिर से बंटवारे के क्रम में जो नया समीकरण बनेगा, उसमें दक्षिण भारत के राज्यों के प्रतिनिधित्व और अधिकारों में काफी कमी आने की आशंका जताई जा रही है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे कई राज्यों की नुमाइंदगी में काफी बढ़ोतरी हो जाएगी।

सवाल है कि इतने संवेदनशील मुद्दे पर केंद्र सरकार को सभी राज्यों को विश्वास में लेने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हुई। एक पक्ष यह है कि परिसीमन का मुख्य आधार चूंकि जनगणना होता है, तो नई स्थितियों में इससे संबंधित किसी कवायद पर उठने वाले सवालों का हल क्यों नहीं निकाला गया?

यदि 2011 की 121 करोड़ से अधिक जनसंख्या के आधार पर परिसीमन तय किया गया है या किया जाना है, तो वह बुनियादी तौर पर विसंगत होगा, समानुपाती नहीं होगा, क्योंकि देश की मौजूदा आबादी 147.66 करोड़ से अधिक है। क्या दोनों जनगणनाओं में अंतर नहीं है? परिसीमन सरकार की मनमर्जी के मुताबिक नहीं होना चाहिए। बेशक परिसीमन आयोग सर्वोच्च अदालत के वर्तमान या पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित होता है फिर राष्ट्रपति की मुहर अंतिम निर्णय है।

कोशिश इस बात की होनी चाहिए कि अगर परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, तो इस मसले पर उभरने वाली आपत्तियों पर गौर किया जाए और सभी राज्यों के बीच सहमति कायम की जाए।

प्रसंगवश

आरबीआई का एक्शन डिजिटल सुरक्षा के लिए जरूरी

अपनी शुरुआत के एक दशक बाद यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का अनिवार्य अंग बन चुका है। यह तेज गति से मुद्रा हस्तांतरण से लेकर परस्पर संचालन के जरिये विभिन्न प्लेटफॉर्म और संस्थानों के बीच अबाध गति से लेनदेन सुनिश्चित करता है। 45 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ यह हर माह करीब 22 अरब लेनदेन करता है और मार्च में इस लेनदेन का मूल्य करीब 29.5 लाख करोड़ रुपये रहा। इस प्रकार इसने भारतीयों के लेनदेन के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। बहरहाल, एक ओर जहां वृद्धि में अब धीमापन आ रहा है वहीं धोखाधड़ी का जोखिम लगातार बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार धोखाधड़ी के रिपोर्ट हुए मामले 2021 के 2.6 लाख से बढ़कर 2025 में करीब 28 लाख तक पहुंच गए। इनका सालाना मूल्य 22,000 करोड़ रुपये का स्तर पार कर गया। ध्यान देने वाली बात है कि धोखाधड़ी के 98.5 फीसदी मामले 10,000 रुपये से अधिक मूल्य के थे। इस संदर्भ में हाल ही में रिजर्व बैंक की ओर से जारी परिचर्चा पत्र 'एक्सप्लोरिंग सेफगार्ड्स इन डिजिटल पेमेंट्स टु कर्ब फ्रॉड्स' में यह प्रस्ताव रखा गया है कि उच्च मूल्य के नकदी हस्तांतरण में एक घंटे का विलंब किया जाए।

साथ ही, वरिष्ठ नागरिक अगर 50,000 रुपये से अधिक का लेनदेन करें तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति द्वारा उसका प्रमाणन किया जाए। कम क्रेडिट टर्नओवर खातों के लिए 25 लाख रुपये वार्षिक प्रवाह सीमा और एक 'व्हाइटलिस्टिंग' (चुनिंदा विश्वसनीय चीजों को अनुमति देना बाकी को रोक देना) तंत्र का प्रस्ताव रखा गया है, जिसके तहत भुगतानकर्ता कुछ लेनदेन को अधिकृत कर सकते हैं ताकि वे विलंब को दरकिनार कर सकें।

रिजर्व बैंक ने यह सही चिह्नित किया है कि धोखाधड़ी की प्रकृति भी बदली है। आज धोखाधड़ी के अधिकांश मामले ऐप्स से होते हैं या अधिकृत पुश भुगतान से होते हैं। उपयोगकर्ताओं के साथ धोखा करके छद्म कॉल, छद्म पहचान या आकस्मिक जरूरत का हवाला देकर उनसे पैसे ले लिए जाते हैं। यूपीआई जैसी रियल टाइम प्रणाली में एक बार पैसा चला जाने के बाद उसकी वसूली करना मुश्किल होता है। यही वजह है कि बचाव और अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाता है।उच्च-मूल्य हस्तांतरणों के लिए प्रस्तावित एक घंटे की देरी उपयोगकर्ताओं को लेनदेन पर पुनर्विचार या उसे रद्द करने का एक अवसर दे सकती है, और बैंकों को संदिग्ध गतिविधियों को चिह्नित करने का समय मिल सकता है। सिंगापुर, ब्रिटेन और स्वीडन जैसे देशों के अनुभव से पता चलता है कि ऐसी 'कूलिंग-ऑफ' अवधि धोखाधड़ी को कम कर सकती हैं। यह सब नियमित भुगतानों को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित किए बिना हो सकता है।यद्यपि कुछ ढांचागत दिक्कतें बरकरार हैं। लेनदेन में देरी यूपीआई के त्वरित भुगतान के बुनियादी वायदे के विरुद्ध है। बैंकों को भी अलर्ट और धन वापसी आदि की नई प्रणालियों में निवेश करना होगा। इससे लागत और समन्वय की चुनौतियां बढ़ेंगी। धोखाधड़ी करने वाले उपयोगकर्ताओं को 'व्हाइटलिस्टिंग' के माध्यम से सुरक्षा उपायों को दरकिनार करने के लिए भी मना सकते हैं। 'विश्वसनीय व्यक्ति' द्वारा प्रमाणीकरण भी वास्तविक लेनदेन में देरी कर सकता है। इसलिए इन खामियों को दूर करने में प्रौद्योगिकी महत्त्वपूर्ण होगी।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी, बैंकों के बीच बेहतर डेटा साझा करने और वास्तविक समय में जोखिम का अंकन आदि संदिग्ध रुझानों का पता लेनदेन पूरा होने के पहले लगाने में मदद कर सकते हैं। ऐसे उपाय यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि सुरक्षा उपाय व्यापक न होकर लक्षित हों, जिससे दक्षता बनी रहे और सुरक्षा में सुधार हो।

हाल ही में रिजर्व बैंक द्वारा उपभोक्ता-केंद्रित प्रोत्स ाहन, जैसे कि छोटे मूल्य की धोखाधड़ी के लिए क्षतिपूर्ति तंत्र, जो इस वर्ष जुलाई से लागू होगा, उपभोक्ता विश्वास को भी बढ़ाएगा। खासकर अगर दावों का निपटारा शीघ्रता से किया जाए। अंततः, प्रणाली में विश्वास केवल रोकथाम पर नहीं, बल्कि निष्पक्ष और समय पर निवारण पर भी निर्भर करता है।फिर भी, उपयोगकर्ताओं, खासकर संवेदनशील वर्गों के हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट सुरक्षा-सीमाएं तय की जा सकती हैं। यद्यपि यह भी महत्त्वपूर्ण होगा कि उपयोगकर्ताओं को ऐसे तंत्र से बाहर निकलने का विकल्प दिया जाए। इस संदर्भ में जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। यद्यपि रिजर्व बैंक और अन्य एजेंसियों ने प्रयास तेज किए हैं, परंतु धोखाधड़ी का पैमाना और उसका बदलता स्वरूप यह दर्शाता है कि कहीं अधिक सतत और व्यापक डिजिटल साक्षरता पहलों की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय रणनीति

ट्रंप के फैसलों ने अमेरिका को ही पहुंचाया सर्वाधिक नुकसान

अमेरिका के सम्मान को ठेस पहुंचा रहे ट्रंप?

रामचंद्र गुहा

व्यवसायिक इतिहासकारों की यह प्रवृत्ति रही है कि वे मानव जाति के भाग्य को गढ़ने में व्यक्तियों की भूमिका को कम करके आंकते हैं। ई.एच. कार ने 1961 में छपी अपनी पुस्तक 'व्हाट इज हिस्ट्री' में उस इतिहास-लेखन शैली का मजाक उड़ाया था, जिसे उन्होंने 'बैड किंग जॉन एंड द गुड क्वीन बेस' शैली कहा था। जैसा कार्ल मार्क्स ने कभी कहा था, व्यक्ति अपना इतिहास स्वयं बनाते तो हैं, परंतु वैसी परिस्थितियों में नहीं जो उन्होंने खुद चुनी हों। वे अपनी क्रियाओं में तत्कालीन आर्थिक और सामाजिक स्थितियों से बंधे होते हैं, और विशेष रूप से तकनीक और वर्ग-संबंधों से। इसके बावजूद कभी-कभी व्यक्ति इतिहास को आकार देने में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और यहां तक कि निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं, चाहे अच्छे के लिए हो या बुरे के लिए। लेनिन के बिना शायद सोवियत राज्य का अस्तित्व न होता और हिटलर के बिना तो निश्चित रूप से नाजी राज्य का कोई वजूद नहीं होता।

आज की दुनिया में ऐसे व्यक्तियों का प्रभाव और भी बढ़ गया है और उनमें सबसे प्रमुख हैं डोनाल्ड ट्रंप। यह सच है कि उनका सत्ता में आना व्यापक आर्थिक और तकनीकी बदलावों की पृष्ठभूमि में समझना चाहिए। वैश्वीकरण की वजह से श्वेत मजदूर वर्ग की निराशा और नए मीडिया माध्यमों के जरिये उनकी छवि व झूठी बातों का प्रसार, इन सबने उनकी राह आसान की। लेकिन एक बार सत्ता में आने के बाद उन्होंने लाखों लोगों के जीवन और भविष्य को सक्रिय रूप से प्रभावित किया है। उदाहरण के लिए, यदि 2026 में अमेरिका का राष्ट्रपति कोई और होता तो संभव है कि इस्राइल के उकसावे पर ईरान के खिलाफ युद्ध नहीं होता, जिससे पश्चिम एशिया के देशों को विनाश से बचाया जा सकता था और अन्य देशों को तेल, गैस और उर्वरकों की बढ़ती कीमतों का सामना नहीं करना पड़ता।

इस लेख में मैं ट्रंप के ईरान युद्ध से दुनिया को हुए नुकसान से इतर उनके दूसरे कार्यकाल में अमेरिका को पहुंचाए गए नुकसान पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। जिस देश को उन्होंने फिर से महान बनाने का वाद किया था, उन्होंने कम से कम सात तरीकों से उस देश को कमजोर किया है। पहला हमला उन्होंने सरकार के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया पर किया है। यह बात सर्वविदित है कि अमेरिकी राष्ट्रपति तकनीकी रूप से वहां के प्रधानमंत्री से अधिक शक्तिशाली होता है, फिर भी उसे दूसरों से परामर्श करना आवश्यक होता है। लेकिन ट्रंप ने कांग्रेस और अक्सर अपने कैबिनेट को भी नजरअंदाज करते हुए एकतरफा निर्णय लेना पसंद किया। वेनेजुएला और ईरान के खिलाफ युद्ध की घोषणा इसके प्रमुख उदाहरण हैं। अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने 225 कार्यकारी आदेश जारी किए। इनमें से कुछ के गंभीर दुष्परिणाम हुए, जैसे महत्वपूर्ण सरकारी विभागों को बंद करना और मनमाने ढंग से टैरिफ बदलना। कुछ आदेश हास्यास्पद भी थे, जैसे 'संघीय सरकार में वोक एआई को रोकना'और 'ट्रक ड्राइवरों के लिए सामान्य समझ के नियम लागू करना'।

दूसरा हमला उन्होंने निष्पक्ष प्रशासन की अवधारणा पर किया। विशेष रूप से न्याय विभाग का राजनीतिक दुरुपयोग के अलावा ईमानदार अधिकारियों और आईसीई एजेंटों को डेमोक्रेटिक राज्यों में भेजकर असहमति रखने वाले नागरिकों को डराने-धमकाने की कोशिश की।

तीसरा हमला उन्होंने अमेरिकी सेना पर किया। सेना के जवान कानून के तहत राष्ट्रपति के आदेशों का पालन करते हैं, लेकिन उन्हें किसी विशेष राजनीतिक दल या नेता से नहीं जुड़ना चाहिए। ट्रंप ने अपने जन्मदिन पर राजधानी में सैन्य परेड आयोजित कर इस परंपरा को तोड़ा। ईरान युद्ध के दौरान उन्होंने अपने रक्षा सचिव को एक सम्मानित सेना अधिकारी को हटाने की अनुमति दी, क्योंकि वह अधिकारी पदोन्नति को जातीय या लैंगिक पक्षपात से मुक्त रखना चाहता था। तकनीकी रूप से अमेरिकी सेना अभी भी सबसे उन्नत है, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेपों के कारण इसकी संस्थागत क्षमता को नुकसान पहुंचा है।

चौथा आघात प्रेस की स्वतंत्रता पर हुआ है। ट्रंप ने कुछ मीडिया मालिकों को डराकर अपने पक्ष में लिखने के लिए मजबूर किया। कुछ मामलों में उन्होंने ऐसे उद्योगपतियों को मीडिया संस्थानों पर नियंत्रण दिलाया, जो उनके करीबी माने जाते हैं, जिससे आलोचनात्मक रिपोर्टिंग दब सकती है। पांचवां हमला विश्वविद्यालयों पर हुआ है। गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ छात्रों और शिक्षकों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के बाद ट्रंप ने विश्वविद्यालयों की फंडिंग काटने और उनके फंड पर कर लगाने की धमकी दी। वे विश्वविद्यालयों को अपनी राजनीतिक सोच के अनुरूप ढालना चाहते हैं, भले ही इससे स्वतंत्र बौद्धिक खोज की परंपरा कमजोर हो जाए।

छठा हमला उन्होंने अपने पड़ोसी देशों पर किया, जैसे कि कनाडा के साथ अमेरिका के हमेशा अच्छे संबंध रहे, लेकिन अब वह व्यापार युद्ध, विलय और राजनीतिक अपमान की धमकियों का सामना कर रहा है। नाटो जैसे मजबूत गठबंधन पर भी उनके व्यवहार के कारण दबाव बढ़ा है, खासकर ग्रीनलैंड को खरीदने या कब्जाने की धमकी और यूरोपीय देशों पर उनके युद्ध में साथ न देने का आरोप।

अंततः, ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की गरिमा को भी कमजोर किया है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट की भाषा और अपने पद का निजी लाभ के लिए उपयोग इसकी मिसाल हैं। पहले भी कुछ राष्ट्रपतियों ने अनुचित भाषा का इस्तेमाल किया था, लेकिन ट्रंप ने इसे सार्वजनिक रूप से और अधिक बढ़ा दिया। यह सूची पूरी नहीं है, लेकिन यह दर्शाती है कि उन्होंने अपने ही देश को कितना नुकसान पहुंचाया है। कुल मिलाकर, उन्होंने अमेरिका को पहले से कमजोर करने के साथ उसके सम्मान को भी ठेस पहुंचाया है।

अंत में, एक महत्वपूर्ण बात। अपने पहले कार्यकाल में ट्रंप ने मनमाने फैसले लिए। दूसरे कार्यकाल में वे और अधिक खतरनाक तथा सोची-समझी रणनीति के तहत काम करते दिखाई देते हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने अन्य देशों के नेताओं के तरीकों का अध्ययन किया है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर कर चुके हैं। इन सभी ने अपने-अपने देशों की लोकतांत्रिक क्षमता को कम किया है। लेकिन इतिहास शायद ट्रंप को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाले नेता के रूप में याद रखेगा, क्योंकि अमेरिका के पास खोने के लिए सबसे अधिक था।

खुला मंच

मादुरो के बुने जाल में फंस गए ट्रंप!

आलोक पुराणिक

दुनिया में इस हफ्ते बहुत कुछ हुआ। ट्रंप ने मादुरो को हड़काया, सुपरमैन ने धुरंधर से प्रेरणा ली, डेविड वॉर्नर कराची की सोहबत में बिगड़े, मुंबई इंडियंस ईवीएम ढूंढ़ने लगे, और सलमान-राजपाल ने जेल के शोले की स्क्रिप्ट तैयार कर ली। यह सब अलग-अलग नहीं है —यह एक ही बड़ी कहानी के अलग-अलग अध्याय हैं।

शुरू करते हैं ट्रंप और मादुरो से। अमेरिकी जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति मादुरो को ट्रंप ने जरूर हड़काया होगा कि–'तेरे चक्कर में फंस गए हम। तू दो घंटे में पकड़ में आ गया, और यहां दो महीने हो गए ईरान को न पकड़ पा रहे। तूने ऐसा क्यों किया? तू ईरान का एजेंट तो नहीं?' यह सवाल गहरा है।

इंडियन जलवा उस दिन पूरी तरह कायम होगा जब सुपरमैन किसी इंडियन शादी में करोड़ों लेकर डांस करेगा और डायलॉग बोलेगा–'ईरान की मिसाइल से डर नहीं लगता साहब, इंडियन शादी में फूफाजी के नाराज़ होने से डर लगता है।' उस दिन भारत सही मायनों में विश्वगुरु बनेगा।

अब सोहबत का मामला। पाकिस्तान की क्रिकेट टीम कराची किंग्स से जुड़े ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया में दारूबाजी करके ड्राइव करने के अपराध में धरे गए। ज्ञानी कहते हैं –सोहबत सही रखनी चाहिए। डेविड भाई, अगली बार कहीं बमबाजी के अपराध में न धर लिए जाएं। सोहबत सही रखनी चाहिए।

आईपीएल में भी न्याय की मांग उठी। मुंबई इंडियंस को राजस्थान रॉयल ने हरा दिया। बहुत बेइ ज़्ज़ती की बात है। किसी ज्ञानी ने सुझाया–'आरोप लगा दो, ईवीएम खराब थी। वरना हमारी चीयरलीडरों का डांस राजस्थान रॉयल के मुकाबले कहीं बेहतर था। डांस के बोनस रन मिलते तो हम जीतते।' ईवीएम का दायरा अब क्रिकेट तक पहुंच गया है। लोकतंत्र सच में बहुत लचीला है।

और अंत में, जेल के शोले। पहले जेल गए सलमान खान ने हाल में जेल से लौटे राजपाल यादव से कहा, 'जेल आने-जाने की चिंता नहीं करनी। शोले के जय और वीरू भी जेल से निकले थे। मैं भी पहले वांटेड की तरह गया, फिर दबंग हो गया। अब नई फिल्म बनाएंगे–जेल के शोले।' राजपाल यादव ने एक ही चिंता जताई–'डर यह है कि हर धमाके को अपना पेटेंट बताते हुए ट्रंप कहीं रॉयल्टी न मांग ले। ट्रंप तो रामगढ़ में गब्बर के अड्डे को भी ट्रंप टावर बना सकते हैं।'

परंपरा

तूफान की तीव्रता से बंधा तट कांपता है और खतरे में पड़ जाती है बचपन की मासूमियत भी

सुंदरबन: जहां जीवन-रक्षा की रणनीति है बाल विवाह

अमरेन्द्र किशोर

पश्चिम बंगाल के सुंदरबन जैसे इलाके में बड़ी संख्या में किशोरियों की शादी मात्र 'परंपरा' नहीं। यह कमजोर आर्थिक हालत में जीवन-रक्षा की रणनीति है। समुद्र में बार-बार चक्रवात आने, तटबंध टूटने, खारी मिट्टी से कृषि व मछली पालन प्रभावित होता है, जिससे आजीविका पर संकट आने से बाल-विवाह बढ़ते हैं।

सुंदरबन इलाके में जब सागर की लहरें धीरे-धीरे दलदली मिट्टी पर आती हैं- नमक और तूफान की तीव्रता से बंधा तट कांपता है, वहां बचपन की मासूमियत भी खतरे में पड़ जाती है। यहां गांवों में, घर की दीवारें धंसती मिट्टी पर टिकी हैं। इस संकट में सबसे अधिक प्रभावित होती हैं लड़कियां, जिनकी उम्र के सबसे खूबसूरत पल यानी खेल, पढ़ाई और बचपन की जिज्ञासाओं से लबालब होते हैं। वे सब जलवायु आपदाओं, गरीबी और सामाजिक असमानताओं के दबाव में जल्दी ही विवाह की आग में झोंक दी जाती हैं।

गोसाबा द्वीप की गलियों में एक 14 वर्षीय लड़की, अजूं बागदीस, सुबह के अंधेरे में अपने छोटे-छोटे पैरों से खारे पानी में छलकते पानी को चीरते हुए भागती है, अपने साथ केवल कुछ कपड़ों का बंडल लिए हुए। सूरज की पहली किरणों से पहले ही वह अपनी जीवन यात्रा में उस मोड़ पर पहुंच चुकी होगी, जहां उसके बचपन को हमेशा के लिए त्याग दिया जाएगा। विवाह की रस्में साधारण होती हैं—कोई भव्य दावत नहीं, बस कुछ रिश्तेदार, उधार ली गई साड़ी और एक जीवन जिसे आज़ाद महसूस करने का मौका कभी नहीं मिलेगा। यह जलवायु संकट की अदृश्य कीमत है, जिसे समाज और व्यवस्था ने लड़कियों की मासूमियत के रूप में वसूल लिया।

हालिया सर्वेक्षण इस संकट की गंभीरता को उजागर करते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 में पाया गया कि पश्चिम बंगाल में 20-24 वर्ष की उम्र की लगभग 42 प्रतिशत महिलाएं 18 वर्ष की उम्र से पहले ही विवाहिता हो चुकी थीं, जो राष्ट्रीय औसत 23.3 प्रतिशत का लगभग दोगुना है। सुंदरबन के द्वीपों में, गोसाबा ब्लॉक खासकर बाल विवाह के लिए चिन्हित है, जहां किशोरियों को घर का बोझ घटाने को विवाह करने को मजबूर किया जाता है। यहां के ग्रामीण रात में किए जाने वाले विवाहों की कहानियां फुसफुसाते हैं, जो अक्सर बिना पंजीकरण, अधिकारी की नज़र से दूर, अनदेखी रह जाती हैं। यूनिसेफ के अनुमान के अनुसार, भारत के बाल विवाहों में पश्चिम बंगाल की हिस्सेदारी 13-15 प्रतिशत है, और इस डेल्टा के द्वीप-गोसाबा से लेकर बसंती, काकद्वीप और नामखाना तक—हर साल सैकड़ों किशोरियों को विवाह के बंधन में बांधते हैं।

सरकारी हस्तक्षेप मौजूद हैं, लेकिन वे सतह तक ही सीमित हैं। साल 2023 में अधिकारियों ने दावा किया कि 1,500 बाल विवाहों को रोका गया और लगभग 900 एफआईआर दर्ज की गईं, लेकिन कार्यकर्ताओं का कहना है कि अधिकांश विवाह अब भी रिकॉर्ड में नहीं आते। इस क्षेत्र में बाल विवाह भूख, कर्ज व अनिश्चितता से निपटने की कठोर रणनीति है।

जलवायु परिवर्तन इस चक्र को और तेज करता है। पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्ययन से पता चलता है कि पिछले दशक में 55 प्रतिशत से अधिक घरों ने अंडरएज विवाहों में वृद्धि दर्ज की है। टेरेस डेस होमस के सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि पथर प्रतिमा और गोसाबा के 90 प्रतिशत लोग पिछले दस वर्षों में सीधे जलवायु आपदाओं का सामना कर चुके हैं, जिससे फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा प्रभावित हुई है। ऐसे क्षेत्र में किशोरियों की जल्दी शादी आर्थिक बचाव की रणनीति बन जाती है। प्रवास से जोखिम और बढ़ जाता है। केवल 17 प्रतिशत प्रवासी परिवार अपने साथ पति-पत्नी को ले जाते हैं और सिर्फ 7 प्रतिशत बच्चे को ले जाते हैं, जिससे नाबालिगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाएं विवाह, जबरन श्रम, मानव तस्करी और विवाह प्रवासन से जुड़ी बढ़ती घटनाओं का सामना कर रही हैं।

मैदान के आंकड़े भले ही अधूरे हों, लेकिन परिणाम स्पष्ट हैं। लड़के परिवार की मदद करने के लिए स्कूल छोड़ देते हैं; लड़कियां घरेलू श्रम, जल्दी गर्भधारण, स्वास्थ्य जोखिम और सीमित गतिशीलता के चक्र में फंस जाती हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक, 73.3 प्रतिशत विवाहित लड़कियां अन्य जिलों में पलायन करती हैं, अक्सर अजनबी समुदायों में, बिना यह सुनिश्चित किए कि उनके पति की मंशा या पृष्ठभूमि सुरक्षित भी है। केनिंग के चिन्मय रे कहते हैं,'कन्याश्री जैसी योजनाएं इन द्वीपों तक नहीं पहुंच पातीं। 'प्रशासनिक बाधाएं, कड़ा दस्तावेज़ीकरण, और राजनीतिक उपेक्षा हाशिए पर रहने वाले परिवारों को लाभ नहीं दिलातीं। स्कूल तटबंधों के साथ-साथ टूटते हैं। प्रधानाध्यापक बिनय शि बताते हैं कि पिछले दो वर्षों में 14-18 वर्ष के लगभग 15-20 प्रतिशत छात्र स्कूल छोड़ चुके हैं, तूफानों, गरीबी और जिम्मेदारियों के दबाव में।

मत्स्य और आजीविका विशेषज्ञ डॉ. अनिमेष राय कहते हैं, 'आय बढ़ी नहीं, नावें कम हैं, और बाल विवाह दरवाजे पर खड़ा है' । कार्यकर्ता सर्मिष्ठा दत्ता गुप्ता कहती हैं, 'बाल विवाह कानून केवल कागज़ों पर है। लड़कियों और लड़कों के लिए न्यूनतम आयु 18 और 21 वर्ष है, लागू करना उन द्वीपों में विफल होता है, जहां सड़क की जगह नावें हैं और तूफान जीवन तय करते हैं। युवा दुल्हनें कई तरह के नुकसान झेलती हैं—उच्च जोखिम वाला गर्भधारण, एनीमिया, शिक्षा रुकना, मानसिक आघात और घरेलू बंदी। फिर भी, आशा की किरणें बची हैं। नूर स्कूल लौट गई; रूपा देवी स्वरोजगार समूह चलाती हैं; सालवीना ने दो बाल विवाह रोके; अंजलि पुलिस के साथ लड़कियों को बचाने में सहयोग करती हैं। उनका प्रतिरोध संस्थागत खामियों के बीच क्षमता की झलक दिखाता है।

सुदूर द्वीपों में बाल विवाह को 'परंपरा' कहकर व्याख्यायित करना गलत है। सुंदरबन में, खारी मिट्टी, मुश्किल होता मछली पालन, टूटते तटबंध और बार-बार के चक्रवात आजीविका छीनते हैं। कमजोर आर्थिक स्थिति में जल्दी विवाह जीवन रक्षा की रणनीति बन जाता है–आपदा से निपटने की एक हताश कोशिश। लेकिन हताशा नीति की जगह नहीं ले सकती।

जीवन दर्शन

पूर्णता कहीं बाहर नहीं हमारे ही भीतर

हम सपने देखते हैं, उम्मीदों का संसार रचते हैं, और यह विश्वास करते हैं कि कोई व्यक्ति, उपलब्धि, या क्षण हमें पूर्णता का अनुभव देगा। लेकिन सच्चाई यह है कि यह पूर्णता कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर ही है। कभी-कभी मुझे सचमुच ऐसा लगता है कि यह संसार वैसा नहीं है, जैसा हम उसे समझते और मान लेते हैं, बल्कि यह हमारी इच्छाओं, आशाओं, भय और अधूरी आकांक्षाओं का एक धुंधला प्रतिबिंब मात्र है। हम जिन वस्तुओं, संबंधों और उपलब्धियों को पाने के लिए जीवन भर संघर्ष करते हैं, वे हमारे हाथ में आते ही धीरे-धीरे अपना आकर्षण खो देती हैं। फिर हम किसी नई मरीचिका, किसी नए स्वप्न, किसी नई चाह के पीछे भागने लगते हैं। मैं अक्सर सोचता हूं–क्या यह सब एक अंतहीन, थकाने वाला चक्र नहीं है? हम जन्म लेते हैं, सीखते हैं, समझते हैं, फिर चाहतों में उलझते हैं, और अंततः उन्हीं चाहतों के बोझ तले दबकर धीरे-धीरे समाप्त हो जाते हैं। इस पूरी यात्रा में हम बार-बार यह भूल जाते हैं कि शायद जीवन का उद्देश्य किसी निश्चित मंजिल तक पहुंचना नहीं, बल्कि इस यात्रा को महसूस करना, समझना और जीना है। लेकिन विडंबना यह है कि जब तक यह गहरी समझ हमारे भीतर जन्म लेती है, तब तक बहुत कुछ हमारे हाथों से फिसल चुका होता है।

जब मैं प्रकृति की ओर देखता हूं–बहती हुई ठंडी हवा, या आकाश में धीरे-धीरे तैरते बादल, तो मुझे शांति का अनुभव होता है। वहां कोई दिखावा नहीं है, कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है, कोई बनावटी लक्ष्य नहीं है। सब कुछ अपने आपमें पूर्ण, संतुलित और सहज है। तब मैं अपने अस्तित्व की तुलना उस सरलता से करता हूं, और मुझे अपनी जटिलताओं और अपनी व्यस्तताओं पर आश्चर्य होता है, हमने अपने जीवन को इतना उलझा हुआ क्यों बना लिया है? शायद इसका उत्तर हमारे भीतर ही कहीं छिपा हुआ है। हम अपने आप से भागते हैं, अपने ही विचारों की गहराई से डरते हैं, और इस डर को छुपाने के लिए बाहरी दुनिया की हलचल में खुद को उलझाए रखते हैं।

हम सपने देखते हैं, उम्मीदों का संसार रचते हैं, और यह विश्वास करते हैं कि कोई व्यक्ति, कोई उपलब्धि, या कोई क्षण हमें पूर्णता का अनुभव देगा। लेकिन सच्चाई यह है कि यह पूर्णता कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अपने भीतर है। और जब कभी मैं उस भीतर की दुनिया में प्रवेश करने का साहस करता हूं, तो मुझे वहां एक सुंदरता दिखाई देती है–एक ऐसी सुंदरता, जो स्पष्ट नहीं है, फिर भी अत्यंत आकर्षक, जीवंत और सच्ची है। वह एक अधूरी तस्वीर की तरह है, जिसे हम पूरा करना चाहते हैं, पर कभी पूरी तरह कर नहीं पाते। शायद यही अधूरापन हमें जीवित रखता है, हमें आगे बढ़ने, खोजने और महसूस करने के लिए प्रेरित करता है। इस प्रकार, मैं अपने विचारों, भावनाओं और स्वप्नों के बीच झूलता हुआ, इस जीवन को एक गहरे, रहस्यमय स्वप्न की तरह जीता रहता हूं। कभी यह स्वप्न मधुर और सुकून देने वाला लगता है, तो कभी भारी और बोझिल, लेकिन हर क्षण यह मुझे कुछ नया सिखाता है, कुछ नया दिखाता है। जीवन सुंदर सफर है, जिसमें हर अनुभव, हर पीड़ा, हर आशा और हर सपना हमें भीतर की सच्चाई के करीब ले जाता है, इसलिए मंजिल की चिंता छोड़कर इस क्षण को पूरी जागरूकता, साहस, धैर्य और स्वीकार्यता के साथ जीना ही वास्तविक पूर्णता, शांति और आत्मिक संतोष की ओर हमारा सबसे सच्चा और अर्थपूर्ण कदम है।

जोहान वोल्फगैंग गोएथे

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

जाड्यं धियो हरति सिंचति वाचि सत्यं !
मानोन्नतिं दिशति पापमपा करोति !!

भावार्थ

अच्छे दोस्तों का साथ बुद्धि की जटिलता को हर लेता है, हमारी बोली सच बोलने लगती है, इससे मान और उन्नति बढती है और पाप मिट जाते है।

गांधीनगर स्कूल में किया प्रदर्शन, पहली बार एयरपोर्ट से बाहर निकला स्टाफ

मध्यभारत का पहला धुनिक राजा भोज विमान तल का फायर स्टेशन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। वैसे तो 300 मीटर की सबसे कम दृष्यता में भी विमानों की आसान लैंडिंग एवं यात्री सुविधाओं के विस्तार के मामले में राजधानी भोपाल का एयरपोर्ट देश में अव्वल दर्जे का बन गया है, जिसका अंदाजा इसी बता से लगाया जा सकता है कि पिदले 6 माह की अवधि के सर्वे में वह एक बार फिर नम्बर वन पर अपना नाम दर्ज कराया है, लेकिन राजा भोज विमान तल पर प्रदेश ही नहीं मध्य भारत का पहला अत्याधुनिक फायर स्टेशन बना है, जिसे अब आम जनता तक पहुंचाने की कवायद प्रारंभ हो गई है, ताकि उसे पता चल सके कि किस तरह से आग बुझाई जा सकती है, और आवश्यकता पड़ने पर कम से कम राजधानी भोपाल के नागरिक इस फायर स्टेशन का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, ताकि आग के दौरान किसी भी अनहोनी को आसानी व त्वरित समय में टालने के साथ काबू में पाया जा सके। गर्मी के तेवर तीखे होने के साथ ही अग्निकांड की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए जहां दो दिन पूर्व प्रति माह के लिए जाने वाले माकड्रिल का प्रदर्शन विमान तल पर किया गया, वहीं पहली बार अग्निशमन स्टाफ एयरपोर्ट के बाहर नजर आया जबकि इससे पूर्व वह एयरपोर्ट तक ही सीमित रहता था। इस बार उसने समीपी इलाके गांधीनगर को चुना, और वहां की स्कूली छात्राओं को अग्निशमन की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

पहली बार एयरपोर्ट से बाहर निकलकर सरकारी स्कूल में पहुंचा अग्निशमन स्टाफ।

बना है आधुनिक स्टेशन

एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने बताया कि राजा भोज विमान तल पर प्रदेश का अपने किस्म का अत्याधुनिक फायर स्टेशन का निर्माण किया गया है, जिसका विगत दिनों विमानन मंत्री ने आन लाइन उदघाटन किया। लगभग 23 करोड़ की लागत से बने अत्याधुनिक फायर स्टेशन जो वाइड बाडी विमानों बोइंग 777 को संभालने में भी सक्षम है और अब यह फायर स्टेशन प्रदेश का सबसे बड़ा एवं आधुनिक उपकरणों से लैस हो गया है, जिसका किसी भी आकस्मिक आग की घटना के दौरान विमान तल के बाहर भी सरकार चाहे तो इस्तेमाल कर सकेगी। यह कैट 7 और कैट 9 से अपग्रेड किया गया, जो केवल 3 मिनिट के भीतर किसी भी भीषण आग पर काबू पाने की क्षमता भी रखता है।

बच्चों व शिक्षकों को दी जानकारी: एयरपोर्ट पर बने अत्याधुनिक फायर स्टेशन की न केवल बच्चो एवं विद्यालय के शिक्षकों को जानकारी प्रदान की गई बल्कि प्रयोग करके किस तरह से तत्काल आग पर काबू पाया जा सकता है, उससे भी अवगत कराया। खासतौर पर आग लगने की स्थिति में महिलाओं की क्या भूमिका हो सकती है, और वे किस तरह से तत्परता से इस पर काबू कर सकती हैं, एयरपोर्ट फायर स्टेशन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उसका अभ्यास भी करवाया।

एयरपोर्ट पर माक ड्रिल

रामजी अवस्थी ने बताया कि दो दिन पूर्व हीह र माह की तरह इस बार एयरपोर्ट पर नियमित माक ड्रिल किया गया इसके तहत हवाई जहाज में आग लगने की स्थिति में किस तरह से उस पर तत्काल काबू पाया जा सकता है, अगर कोई घायल हुआ है, तो उसे तुरंत कैसे इलाज उपलब्ध कराया जाए, इसके लिए बाकायदा एम्बूलेंस, अग्निशमन सहित आधुनिक फायर स्टेशन में उपलब्ध सुविधाओं का भी प्रदर्शन किया गया।

राजधानी में नशे के बढ़ते कारोबार के खिलाफ पुलिस ने छेड़ा अभियान

रात को झुग्गी बस्तियों में दी दबिश, अपना घर छोड़कर भागे बदमाश

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी सहित संत हिरदाराम नगर व आस पास के इलाकों में नशे के बढ़ते कारोबार खासतौर पर अफीम, गांजा व चरस के शिकार होते युवाओं को इससे बचाने के लिए स्थानीय पुलिस ने इसके खिलाफ अभियान छेड़ा है, जिसके तहत थाना प्रभारी अशोक गौतम व अन्य स्टाफ ने देर रात झुग्गी बस्तियों में नशे का कारोबार करने वाले संदिग्धों पर दबिश दी, जिससे कई जगह हड़कम्प गच गया तथा नशे के कारोबार में शामिल कई बदमाश अपना घर छोड़कर भाग खड़े हुए।

जानकारी के अनुसार राजधानी में जेल से छूटने के बाद पांच बदमाशों द्वारा एक व्यक्ति पर चाकुओं से अनेक वार कर उसकी हत्या किए जाने के बाद भोपाल व उपनगरीय क्षेत्रों में बदमाशों के बुलंद होते हौसलों ने पुलिस की काबलियत पर प्रश्न चिन्ह लगा दिए हैं, जिसे मिटाने के लिए पुलिस ने अब व्यापक स्तर पर बदमाशों एवं नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय है, इसके अन्तर्गत ही शनिवार की रात को पुलिस ने संजय नगर, राहुल नगर, बूढ़ाखेड़, मछली मार्केट के आस पास, राजेन्द्र नगर की अनेक झुग्गियों में रहने वाले नशेड़ियों के खिलाफ एक्शन लिया। जिसकी आम जनता ने तारीफ की है।

नशेड़ियों के खिलाफ पुलिस ने छेड़ा अभियान।

बदमाशों की टोलियां

संत हिरदाराम नगर के मछली मार्केट के आस पास, बूढ़ाखेड़ा, वन ट्री हिल्स के पीछे बनी अवैध झुग्गियों में अक्सर शाम ढलने के बाद और देर रात तक बदमाशों की टोलियां शराब, गांजा, भांग एवं अफीम का सेवन करते देखी जा सकती है, इस दौरान महिलाएं तो क्या कोई शरीफ पुरूष भी वहां से गुजरने की हिम्मत नहीं करता। इतना ही नहीं मनचाले युवक तीन की संख्या में बाइक पर सवाल होकर खासतौर पर प्रेम रामंचदानी मार्ग, वन ट्री हिल्स कालोनी, साधु वासवानी स्कूल व कालेज के आस पास, ओल्ड डेयरी फार्म, एफ वार्ड रोड पर तेजी से दौड़ाते हुए निकलते हैं, जिससे इन इलाकों में निवास करने वाले लोग अक्सर भयभीत रहते हैं, अगर किसी ने इन मरचलों को रोकने की कोशिश की तो न केवल गालीगलोच पर मारपीट पर भी उतारू हो जाते हैं। जहां तक पुलिस के नकेल का सवाल है, तो पुलिस का वाहन सायरल बजाते हुए निकल जाता है, और सयरन सुनकर बदमाश गलियों में छुप जाते हैं। हालांकि भगवान कला केन्द्र चौराहे एवं प्रेम रामचंदानी मार्ग पर पुलिस केन्द्र बनाए गए हैं, लेकिन जो पुलिस वाले ड्यूटी पर रहते हैं, उनका ध्यान पूरी तरह से माबाइल पर रहता है, सड़क के गुजरने वाले बदमाशों पर नहीं।

संविधान निर्माता की जयंती प्रेरणादायक: रामजी अवस्थी

एयरपोर्ट पर अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम

आम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विमान तल पर हुआ कार्यक्रम

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। डा. भीमराव आम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रमों का सिलसिला लगातार जारी है। जहां संत हिरदाराम नगर ब्लाक कांग्रेस ने अध्यक्ष अशोक मारन की अध्यक्षता में आयोजित प्रोग्राम में श्रद्धांजलि दी वहीं राजा भोज एयरपोर्ट पर आम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने कहा कि 14 अप्रैल महान विधिवेत्ता, समाज सुधारक एवं भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर का दिन न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में खास महत्व रखता है। पीआरओ एवं एयरपोर्ट अर्थारिटी एम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष सिद्धार्थ यादव की विशेष उपस्थिति में हुए कार्यक्रम में रामजी अवस्थी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार की समानता, सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकारकृआज भी हमारे कार्यों और नीतियों के मार्गदर्शक हैं। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे कर्तव्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

इस अवसर पर विमानतल निदेशक सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने डॉ. अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान उनके जीवन, संघर्ष एवं देश के प्रति अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया। रामजी अवस्थी ने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण देश के हवाई अड्डों के विकास एवं प्रबंधन में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा डॉ. अंबेडकर के समतामूलक समाज के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर सभी उपस्थित कर्मचारियों ने उनके बताए मार्ग पर चलने एवं एक समावेशी एवं सशक्त भारत के निर्माण हेतु संकल्प लिया।

गांधीनगर की होनहार छात्रा प्रदेश के टॉप टेन में हुई शामिल

10वीं एवं 12वीं का रहा शतप्रतिशत रिजल्ट: घनश्याम बूलचंदानी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। गांधीनगर जो किसी समय शिक्षा के मामले में अत्यंत ही पिछड़ा माना जाता था, और कक्षा 8वीं के बाद यहां की छात्राओं को आगे की शिक्षा के लिए बैरागढ़ जाना पड़ता था, ब्रम्हलीन स्वामी हिरदाराम जी की जब से इस स्थिति पर नजर पड़ी उसके बाद शिक्षा के मामले में गांधीनगर का नक्शा ही बदल गया है। देर मिली जानकारी के अनुसार यहां के चिल्ड्रन होप इंडिया हायर सेकण्डरी स्कूल की एक छात्रा ने प्रदेश के टाप टेन में स्थान प्राप्त कर मेरिट में डंका बजाया है, जिसके बाद समूचे गांधीनगर में उत्सवी माहोल है। यह स्कूल शहीद हेमू कालानी एज्यूकेशनल सोयायटी द्वारा संचालित किया जा रहा है, जिसके अध्यक्ष संत सिद्ध भाऊ हैं। इसके सचिव समाज सेवी घनश्याम बूलचंदानी ने बताया कि कक्षा 10वीं की गार्गी जैन ने 98.8 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में टाप टेन में स्थान हासिल किया है, इसके बलावा सिमरा जीमल ने 8, गाथा जैन ने 97.6, नर्मता लोधी व रिधिमा अहिरवार ने 97.2 तथा कीर्ति जैन ने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। घनश्याम बूलचंदानी ने बताया कि 90 प्रतिशत से से अधिक अंक 10 छात्राएँ, 75 से 89 प्रतिशत अंक में 46 छात्राएँ, 60 से 74 प्रतिशत अंक पर 19 छात्राएँ, कक्षा 10वीं में कुल 110 छात्राएँ परीक्षा में सम्मिलित हुईं और सभी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उच्च सफलता दर दर्ज की। इसमें 95 से अधिक अंक 8 छात्राएँ, 90 प्रतिशत से अधिक अंक में13 छात्राएँ, 60 प्रतिशत से अधिक अंक 79 छात्राएँ, अनन्या शर्मा 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मध्य प्रदेश राज्य मेरिट सूची में 5वाँ स्थान प्राप्त किया।

सिद्ध भाऊ को श्रेय

छात्राओं ने अपनी सफलता का संत सिद्ध भाऊ के प्रेरणादायी मार्गदर्शन, शिक्षिकाओं के उत्कृष्ट अध्यापन तथा अभिभावकों के आशीर्वाद को दिया। इन छात्राओं को विभिन्न पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी, प्राचार्या प्रिया जैन, कोऑर्डिनेटर लता आसनानी एवं समस्त स्टाफ ने छात्राओं को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

थमी सफाईकर्मियों की हड़ताल: संवाद और सहमति से पटरी पर लौटी सफाई व्यवस्था

मंडीदीप। शहर में बीते दिनों से जारी सफाईकर्मियों की हड़ताल फिलहाल थम गई है, जिससे नगरवासियों ने राहत की सांस ली है। नगर पालिका प्रशासन और कर्मचारियों के बीच चली लंबी और अहम बातचीत के बाद एक सहमति बनी, जिसके आधार पर हड़ताल को समाप्त कर दिया गया। इसके साथ ही सफाईकर्मी अपने-अपने कार्यस्थलों पर लौट आए हैं और शहर की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सुचारू होने लगी है। इस पूरे घटनाक्रम में निर्णायक भूमिका उस बैठक ने निभाई, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारी प्रतिनिधियों ने आमने-सामने बैठकर सभी मुद्दों पर विस्तार से मंथन किया। बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी डॉ. प्रशांत जैन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल सहित नगरीय निकाय कर्मचारी संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। कर्मचारी पक्ष की ओर से भी अपनी मांगों को स्पष्ट और ठोस तरीके से रखा गया, जिससे समाधान का रास्ता निकल सका। चर्चा के दौरान जिन प्रमुख मांगों पर सहमति बनी, उनमें कर्मचारियों के लिए श्वस्थ्य और क्षत्र जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का क्रियान्वयन तथा न्यूनतम वेतन अधिनियम के तहत भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है। प्रशासन द्वारा इन मांगों को स्वीकार किए जाने के बाद कर्मचारियों में संतोष दिखाई दिया और हड़ताल समाप्त करने का निर्णय लिया गया। स्वच्छता कर्मचारी नेता कमलेश लुटारे ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल को स्थायी रूप से खत्म नहीं किया गया है, बल्कि इसे केवल दो दिनों के लिए स्थगित किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि तय समयसीमा के भीतर कर्मचारियों की राशि उनके खातों में जमा नहीं की जाती, तो आंदोलन दोबारा शुरू किया जाएगा। हड़ताल समाप्त होते ही नगर पालिका ने सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी और सड़कों, बाजारों व सार्वजनिक स्थलों पर तेजी से सफाई कार्य शुरू कराया गया। इससे आम नागरिकों को काफी राहत मिली है।

राष्ट्रीय स्तर पर चमके 34 खिलाड़ियों को मिला सम्मान

मंडीदीप। नगर में खेल प्रतिभाओं को सम्मानित करने का एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां 69वीं राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता में पदक जीतने और भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों को मंच पर विशेष पहचान दी गई। स्कूल शिक्षा विभाग और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह समारोह चावरा विद्याभवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन और दीप प्रज्जवलन से हुई, जिसने पूरे माहौल को गरिमामय बना दिया। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष प्रियंका राजेन्द्र अग्रवाल, लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक आलोक खरे और एडीपीसी मोनिका पटेल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। जिले के विभिन्न क्षेत्रों – बरेली, बेगमगंज, गौहरगंज और ओबेदुल्लागंज – से आए खिलाड़ियों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। अपने संबोधन में आलोक खरे ने मंडीदीप को खेलों की नर्सरी बताते हुए यहां के खिलाड़ियों की लगन और प्रशिक्षकों के अनुशासन की सराहना की। समारोह में नौ प्रशिक्षकों का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।34 खिलाड़ियों को पुष्पवर्षा के साथ सम्मानित किया गया, और उन्हें ट्रैकसूट भेंट किए गए।

अक्षय तृतीया पर जयघोषों के बीच निकली बाइक रैली

बैरसिया। अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर रविवार को नगर बैरसिया भगवान परशुराम के जयघोषों से गुंजायमान हो उठा। सर्व ब्राह्मण परिषद, सर्व ब्राह्मण महिला परिषद एवं परशुराम सेना के संयुक्त तत्वावधान में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर नगर में भव्य एवं विशाल बाइक रैली निकाली गई, जिसमें समाज के महिला-पुरुषों, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली का शुभारंभ स्थानीय सांव?लिया मंदिर में भगवान परशुराम की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद सर्व ब्राह्मण परिषद बैरसिया के अध्यक्ष जगदीश गुदेनिया एवं परशुराम सेना अध्यक्ष विजय शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर बाइक रैली को रवाना किया। सैकड़ों वाहनों के काफिले के साथ निकली यह भव्य रैली सांव?लिया मंदिर से चौपड़ बाजार, बाल विहार, शिवाजी चौक, शेरपुरा सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए सहज विहार कॉलोनी स्थित परशुराम मंदिर पहुंची। मार्गभर श्रद्धालु भगवान परशुराम के जयकारे लगाते रहे, जिससे पूरा नगर भक्तिरस में सराबोर नजर आया। रैली में भगवान परशुराम का आकर्षक रथ, मनमोहक चलित झांकियां, डीजे की धुन पर झूमते युवा तथा ढोल-नगाड़ों की गूंज मुख्य आकर्षण रही।

समाज को जीवित रखना है तो मातृभाषा में बात करें: भाऊ

सिंधी नाटक किराए के कांधी व बच्चों के सपने का मंचन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। तुप्त होती सिंधी भाषा के बीच साहित्य एवं सांस्कृतिक संस्था वीना कला सेवा समिति द्वारा दो यादगार सिंधी नाटकों किराए के कांधी और बच्चों का सपना का मंचन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संत सिद्ध भाऊ ने कहा कि अपने घर मैं बच्चों से सिंधी भाषा मैं ही बातचीत करें एवं जो आज कि पीढ़ी कि नई बहुएँ आ रही है उन्हें बच्चों से सिंधी में ही बातचीत करनी चाहिए क्योंकि बच्चों को बचपन में ही अपनी सिंधी बोली बोलने से बच्चों को हैबिट में रहती है तो जैसे जैसे बच्चे बड़े होते है वैसे सिंधी में ही बातचीत करते है। मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष मनोहर ममतानी, समाज सेवी घनश्याम बूलचंदानी, भाजपा जिला मत्री राकेश कुकरेजा की उपस्थिति में वीना कला एवं सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश शेवानी ने ने संस्था की गतिविधियों से विस्तार से श्रोताओं को अवगत कराया। वरिष्ठ साहित्यकार भगवान बाबाणी द्वारा लिखित नाटक किराए के कांधी यह नाटक समाज की एक कड़वी सच्चाई को हास्य के साथ पेश किया। दोनों नाटकों का निर्देशन अनुभवी रंगकर्मी और सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक अशोक बुलाणी ने किया।

इनकी रही मुख्य भूमिका

दोनो नाटकों, जिसे श्रोताओं ने खूब सराहा में गुल पहलाजणी, मीना पहलाजणी, विजय ज्ञानचंदाणी और ज्योति चावला, राकेश शेवानी के अलावा कमलेश नाथाणी, स्वाति केवलानी, सुरेश चंदानी, तन्मय वासवानी, लालचंद नाथानी, कृतिका, भावना जगवाणी, सरिता ख्याणी और कल्पना चंदाणी, छोटे कलाकारो तन्मय वासवानी, हिमांशी ठाकुरानी, महक केवलानी, दिव्यांश इसरानी, कृष शेवानी और लक्ष मूलचंदानी, दान्या सिरवानी, मान्या केवलनी, मन्नत तारानी, परि केवलरामानी की मुख्य भूमिका रही कार्यक्रम का संचालन जानी मानी कवियत्री एवं मंच तथा रेडियो स्टेशन वक्ता हर्षा मूलचंदनी ने किया।

SUDOKU 11

2		9	1					
				6		3	4	2
	6				4	9		
	9			4				8
6			5			4	2	
		2	6				9	
		6	4		2	8		
9			7		6			4
						2		9

SOLUTIONS 10

7	9	2	1	3	5	4	6	8
5	4	8	2	6	7	1	3	9
1	6	3	4	8	9	5	7	2
4	8	7	5	2	1	3	9	6
3	2	5	9	7	6	8	4	1
6	1	9	8	4	3	2	5	7
9	5	4	6	1	2	7	8	3
8	3	1	7	9	4	6	2	5
2	7	6	3	5	8	9	1	4

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज पहले से ज्यादा ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरा महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में मेहनत नजर आएगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट हो सकते हैं।

वृषभ : आज का दिन धैर्य और समझदारी से आगे बढ़ने का है। नौकरी और व्यापार में धीरे-धीरे प्रगति होगी। खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन : आज आपकी संवाद क्षमता आपको फायदा दिला सकती है। नए संपर्क बनेंगे, जो भविष्य में काम आ सकते हैं।

कर्क : आज भावनात्मक रूप से थोड़ा संवेदनशील रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में संयम से काम लेना जरूरी होगा। परिवार में किसी बात को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंह : आज का दिन आपके लिए सकारात्मक संकेत लेकर आया है। करियर में कोई अच्छी खबर मिल सकती है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी और लोग आपकी बातों को गंभीरता से लेंगे।

कन्या : आज जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है, लेकिन आप उन्हें बेहतर तरीके से संभाल लेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी।

तुला : आज आपको अपनी योजनाओं पर फोकस बनाए रखना होगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का पूरा लाभ मिलने की संभावना है। धन से जुड़े मामलों में सावधानी बरतें।

वृश्चिक : आज नए विचार और योजनाएं आपके लिए फायदेमंद साबित होंगी। नौकरी और व्यापार में सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

धनु : आज रिश्तों और काम के बीच संतुलन बनाकर चलना जरूरी होगा। साझेदारी से जुड़े कामों में लाभ हो सकता है।

मकर : आज मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, लेकिन परिणाम सकारात्मक रहेंगे। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं।

कुंभ : आज भाग्य नजर आ रहा है। करियर और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलने के योग हैं। यात्रा या किसी नए काम की शुरुआत संभव है।

मीन : आज रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। करियर में नई संभावनाएं बन सकती हैं। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। परिवार और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

आज का पंचांग: 20 अप्रैल सोमवार 2026। दिशाशूल : पश्चिम पर्व बैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083, शक संवत 1948 बैशाख 7 तृतीया तिथि 07:27 तक उपरांत चतुर्थी तिथि 04:15 तक उपरांत पंचमी 7 नक्षत्र रोहिणी 02:08 तक उपरांत मृगशीर्षा 7 सौभाग्य योग 04:11 तक, उसके बाद शोभन योग 7 करण गर 07:28 तक।

3 घंटे की फिल्मों से 3 मिनट के ड्रामा तक

जेन जी को भा रहा 'माइक्रो ड्रामा' ट्रेंड

रील्स और वेब सीरीज के बाद शॉर्ट कंटेंट की ओर झुकाव

जागरण, भोपाल। एक समय था जब मनोरंजन का मतलब सिनेमा हॉल में फिल्म देखना होता था। इसके बाद टीवी सीरियल्स और फिर ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर वेब सीरीज का दौर आया। लेकिन अब मोबाइल स्क्रीन पर छोटे-छोटे वीडियो ने दर्शकों की आदतें बदल दी हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब शॉर्ट्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 30 सेकंड से 1 मिनट के वीडियो ने दर्शकों की अटेंशन स्पैन को कम किया है। यही वजह है कि अब लंबी फिल्मों की बजाय लोग जल्दी खत्म होने वाला कंटेंट ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

क्या है माइक्रो ड्रामा?

माइक्रो ड्रामा 1 से 5 मिनट के एपिसोड में बनने वाली छोटी-छोटी कहानियां होती हैं, जिनमें तेज कहानी, ट्विस्ट और इमोशन कम समय में परोसे जाते हैं। ये खासतौर पर मोबाइल यूजर्स को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं।

जेन जी क्यों हो रहा आकर्षित?

- कम समय में एंटरटेनमेंट
- तेज और रिलेटेबल स्टोरी
- कहीं भी, कभी भी देखने की सुविधा
- सोशल मीडिया के साथ आसान शेयरिंग

एक बार देखो, फिर रुकना मुश्किल

प्रणव सोलंकी कहते हैं कि उन्होंने हाल ही में माइक्रो ड्रामा देखना शुरू किया है और यह उन्हें बेहद आकर्षक लग रहा है। 'अगर आप एक एपिसोड भी देख लें, तो बिना आगे देखे रह ही नहीं सकते'। वे कहते हैं कि मैंने नोटिस किया है कि मेरे दोस्त भी अब फिल्मों की जगह यही देख रहे हैं।

कम समय में हाई क्वालिटी कंटेंट

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के बीसीए छात्र पुनीत परिहार बताते हैं कि वर्टिकल शॉर्ट कंटेंट उन्हें काफी पसंद आता है। उनके अनुसार, 'यह कम समय में हाई क्वालिटी कंटेंट देता है। साथ ही इन्हें सफर के दौरान देखना आसान होता है और यह एंटरटेनमेंट का किफायती माध्यम भी है।'

'पॉकेट सिनेमा' बना नई पहचान

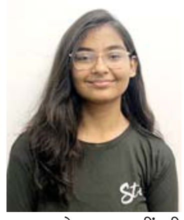

छात्रा समृद्धि तिवारी के अनुसार माइक्रो ड्रामा की सबसे खास बात इसका 'पॉकेट सिनेमा' कॉन्सेप्ट है। 'इसके लिए थिएटर, टीवी या घंटों का समय नहीं चाहिए। समृद्धि बताती हैं कि माइक्रो ड्रामा कहीं भी, कभी भी देखा जा सकता है। कभी बस का इंतजार करते हुए या किसी ब्रेक में भी आप पूरी कहानी देख सकते हैं,'।

ड्रीम ऑन रैम्प

पूरा नाम	हिमांशी शर्मा
जन्म तिथि	3 जुलाई 2000
आयु	21 वर्ष
लंबाई	5.4 सेमी
आँखों का रंग	भूरा
वेट	53 किग्रा
रंग	गोरा

मेरा नाम हिमांशी शर्मा है और मैं ग्वालियर, मध्य प्रदेश की रहने वाली हूं । मैं मिस मध्य प्रदेश सीजन 3 की विजेता रही हूं । मैं एक प्राइमरी टीचर हूं और एक मॉडल जिसने मैंने ग्वालियर के कई फेमस मेकअप आर्टिस्ट, क्लॉथ ब्रांड के साथ और डिजिटल एडवरटाइजिंग कंपनी के लिए वर्क कर रही हूं । मिस मध्य प्रदेश का ख़िताब जीतने के बाद मेरे जीवन में सकारात्मक बदलाव आये मेरा आत्मविश्वास बढ़ा, ये यात्रा मेरे लिये एक ट्रांसफॉर्मेशन की यात्रा रही जिसके साथ में आज आत्म विश्वास के साथ तैयार हूं अपने राच्य को राष्ट्रीय मंच प्रेजेंट करने के लिए ।

लोकभाषा गोष्ठी : भाषाई संरक्षण पर दिया जोर

'बुंदेली हमारे रक्त में बसी है': डॉ. प्रतिमा यादव

जागरण, भोपाल। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, भोपाल इकाई के तत्वावधान में लोकभाषा गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कथाकार डॉ. अनीता सिंह चौहान ने की। उन्होंने कहा कि देश की भाषाई विविधता का आधार लोकभाषाएं हैं, जो विभिन्न रंगों में पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोती हैं। उन्होंने शिक्षा, सृजन और दैनिक जीवन में स्थानीय भाषाओं के प्रयोग पर जोर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. अनुराधा सिंह ने मगही भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकभाषाएं हमें सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ती हैं और इनके त्याग से समाज में समरसता कमजोर होती है। वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रतिमा यादव ने कहा कि 'बुंदेली हमारे रक्त में बसी है' और इसे संरक्षित करना समय की आवश्यकता है। महामंत्री सुनीता यादव ने बीज वक्तव्य में लोकभाषाओं की मिठास को विभिन्न बोलियों के उदाहरणों से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बुंदेली, मालवी, भदावरी, निमाड़ी और अन्य लोकभाषाओं में रचनापाठ हुआ। कार्यक्रम में कुमकुम गुप्ता ने पढ़ा, बुढ़ापे सबको आने हैं, होशियार सिंह ने चलो रे कुंभ के मेला, सीमा शिवहरे ने सखी सत्या अबे तक न आये, गोकुल सोनी ने व्यंग्य में 'सरपंच के भतीजे का पत्र गुरु जे नाम', सतीश चंद्र ने ऊंट के मुंह में जीरा, राजेश विश्वकर्मा ने बुंदेली छंद रचनाएं व प्रतीक द्विवेदी ने गीत प्रस्तुत किया।

भाभा यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह

37 दंत चिकित्सकों को मिली डिग्री

जागरण, भोपाल। भाभा यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षांत समारोह में भावी दंत चिकित्सकों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ नजर आया। समारोह में 2020-21 बैच के 37 छात्र-छात्राओं को उनकी डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजयुमो नेत्री भक्ति शर्मा और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विनीत कपूर मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और चिकित्सा क्षेत्र में जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने गीत, संगीत, नृत्य और कॉमेडी प्रस्तुतियों के जरिए कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया और उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और स्टाफ मौजूद रहे। सभी ने इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर विद्यार्थियों की उपलब्धि का उत्सव मनाया।

वन विहार से सैर-सपाटा तक 40 कवियों ने सुनाईं कविताएं

छतनारा समूह : 78वीं पोएट्स वॉक में कवि-कविता प्रेमियों की रही भागीदारी

जागरण, भोपाल। सुबह की ताजगी और झील के शांत किनारे जब कविता के स्वर गूंजे, तो छतनारा समूह की 78वीं पोएट्स वॉक एक खास साहित्यिक अनुभव बन गई। वन विहार के चीकू द्वार से शुरू हुई यह वॉक सैर-सपाटा के पास झील किनारे पहुंचकर काव्य पाठ में तब्दील हो गई, जहां करीब 40 कवि और कविता प्रेमी शामिल हुए। सैर के दौरान प्रतिभागियों ने कविता के शिल्प, प्रस्तुति और अनुवाद की प्रक्रिया पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन निशांत ने किया। शुरुआत अभय शुक्ला की गजलों से हुई, जिसके बाद शुभम उमरझरे ने तरन्नुम में गीत प्रस्तुत किया। अरमान, अखिलेश लोधी और सीता सिन्हा

ने अपनी रचनाओं से आयोजन में विविधता जोड़ी। देवेंद्र जेठवानी और अनवर मोहम्मद की हास्य कविताओं ने माहौल को हल्का बनाया, वहीं सुहास मिश्रा की अतुकांत कविता और ऋषि विश्वकर्मा की ग़ज़लों ने श्रोताओं पर गहरा प्रभाव डाला। कार्यक्रम की विशेषता अंतरराष्ट्रीय कविताओं का पाठ रहा। अनुराग भरत ने वॉल्ट व्हिटमैन, निशांत ने मैडागास्कर के जीन-जोसेफ और खुशी ने बोलिवियन कवि जेमी साएंज की कविताओं के अनुवाद प्रस्तुत किए।

बड़े तालाब में 'स्विम चैलेंज' का तीसरा एडिशन

'लेक मैन स्विमथॉन' में देशभर के 7 से 63 वर्ष के 63 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

जागरण, भोपाल। बड़े तालाब में रविवार को जोश और उत्साह का माहौल नजर आया, जहां 'लेक मैन स्विमथॉन' के तीसरे एडिशन ने देशभर के स्विमर्स को एक मंच पर ला दिया। ट्राईजी द्वारा आयोजित इस ओपन वॉटर इवेंट में 7 से 63 वर्ष तक के 65 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी फिटनेस और स्टैमिना का प्रदर्शन किया। आयोजन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। प्रत्येक स्विमर के साथ सेफ्टी गार्ड तैनात रहे और हर 100 मीटर पर सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए गए। प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम भी पूरे समय पानी में सक्रिय रही। प्रतियोगिता से पहले स्विमिंग वर्कशॉप आयोजित कर प्रतिभागियों की फिटनेस और कौशल का परीक्षण किया गया, जिसमें सफल होने वालों को ही इवेंट में भाग लेने की अनुमति मिली। औरंगाबाद, बैतूल, इंदौर और राजस्थान सहित विभिन्न शहरों से आए स्विमर्स ने प्रतियोगिता को प्रतिस्पर्धात्मक और ऊर्जावान बना दिया। आयोजन ने शहर में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश भी दिया।

हर उम्र के लिए अलग चैलेंज

इवेंट में विभिन्न आयु वर्ग और क्षमता के अनुसार श्रेणियां बनाई गई थीं। बच्चों के लिए 200 मीटर का 'लिटिल लेकमैन' रखा गया। इसके अलावा 1.25 किमी 'लेक मैन स्टार्टर चैलेंज', 2.5 किमी 'लेक मैन एंड्यूरेंस चैलेंज' और 5 किमी 'अल्टीमेट लेकमैन चैलेंज' में प्रतिभागियों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

इंटरनेशनल तर्ज पर आयोजन

आयोजक जमरान हुसैन के अनुसार, इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय ओपन वॉटर स्विमिंग इवेंट 'ओसियनमैन' की तर्ज पर तैयार किया गया था। उद्देश्य भोपाल के स्विमर्स को पेशेवर और चुनौतीपूर्ण मंच प्रदान करना था। बड़े तालाब की प्राकृतिक परिस्थितियों में आयोजित यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों के लिए अपनी सीमाओं को परखने का अवसर भी बनी।

जहीर कुरैशी की शख्सियत समुंदर-सी गहरी : संतोष चौबे

जागरण, भोपाल। वरिष्ठ गजलकार जहीर कुरैशी की पांचवीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर साहित्यिक संस्था ओपन बुक्स ऑनलाइन, भोपाल इकाई ने गौतम नगर स्थित होटल ब्लिस रेजीडेंसी में 'हिन्दी गजल के बहाने-जहीर कुरैशी' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां शारदे और जहीर कुरैशी के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे ने जहीर कुरैशी से अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में समुद्र और नदी के बिंब उनके गहरे व्यक्तित्व को दर्शाते हैं। विशिष्ट अतिथि अंतरराष्ट्रीय शायरा अंजुम रहबर ने कहा कि गजल के शिखर पर होते हुए भी उनका सहज और सादगीपूर्ण व्यवहार उन्हें सबका प्रिय बनाता था। उन्होंने श्रोताओं के आग्रह पर अपनी गजलें भी सुनाई। कार्यक्रम में जहीर कुरैशी के पुत्र समीर कुरैशी भावुक हुए, वहीं आलोक त्यागी ने उनकी ग़ज़ल यात्रा को रेखांकित किया। संस्था अध्यक्ष अशोक निर्मल ने बताया कि दुष्यंत कुमार के बाद जहीर कुरैशी ने हिन्दी गजल को नई ऊंचाई दी। इस अवसर पर शहर के कई साहित्यकारों ने गजल पाठ किया। संचालन बलराम धाकड़ ने किया।

'तेवर' विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

जागरण, भोपाल। प्रभात साहित्य परिषद द्वारा 'तेवर' विषय पर काव्य गोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के नरेश मेहता कक्ष में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार महेश प्रसाद सिंह ने की, जबकि मुख्य अतिथि राजेन्द्र शर्मा 'अक्षर' रहे। विशेष अतिथि के रूप में पं. सुरेश नारायण शर्मा और खालिदा सिद्दीकी उपस्थित रहीं। संचालन डॉ. अनीता तिवारी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. नीता खरे की सरस्वती वंदना से हुई। इस अवसर पर पिछली गोष्ठी की श्रेष्ठ रचना के लिए पूनम गुप्ता को 'सरस्वती प्रभा सम्मान' प्रदान किया गया। काव्य पाठ में अदिति पारवानी, हीरालाल पारस, चरणजीत कुकरेजा, महेश प्रसाद सिंह, डॉ. प्रतिभा द्विवेदी, रमेश नन्द और विरोनिका पीटर सहित कई रचनाकारों ने अपनी कविताओं के माध्यम से 'तेवर' के विविध आयाम प्रस्तुत किए। अंत में चरणजीत सिंह कुकरेजा ने आभार व्यक्त किया।

तमिल नव वर्ष संग 'बीटीएस तमिल एक्सीलेंस अवार्ड्स' का आयोजन

उत्कृष्टता सम्मान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजा समारोह

जागरण, भोपाल। भोपाल तमिल संगम (बीटीएस) ने रविवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल परिसर में तमिल नव वर्ष समारोह के साथ प्रथम 'बीटीएस तमिल एक्सीलेंस अवार्ड्स' का आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए गणमान्य अतिथियों, शिक्षाविदों, पेशेवरों और तमिल समुदाय के सैकड़ों परिवारों की उपस्थिति रही। अध्यक्ष पी. राजू ने इसे समुदाय के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन परंपरा और उत्कृष्टता को जोड़ते हैं। महासचिव ए. स्वामी दुरई ने कहा कि यह मंच उपलब्धियों को सम्मानित करने के साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करता है। कार्यक्रम में शिक्षा, पेशेवर और सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। छात्र श्रेणी में ई. दयालिनी, आर. सौम्या, आर. वंशिका सहित अन्य विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि अन्य श्रेणियों में डॉ. रवींद्र प्रशांत, डॉ. शशिकला सहित कई हस्तियों को सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भरतनाट्यम, कर्नाटक संगीत और लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में सामूहिक पारंपरिक भोजन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसने एकता और सांस्कृतिक गौरव का संदेश दिया।

रीजनल साइंस सेंटर में क्रिएटिव साइंस वर्कशॉप की शुरुआत

प्रयोगों और इंटरैक्टिव गतिविधियों से समझा विज्ञान का सिद्धांत

जागरण, भोपाल। रीजनल साइंस सेंटर में वेकेशनल क्रिएटिव साइंस वर्कशॉप-2026 की शुरुआत फैमिली साइंस कार्निवल से हुई, जहां विज्ञान को किताबों से बाहर निकालकर सीधे अनुभव से जोड़ा गया। हैंड्स-ऑन एक्टिविटी आधारित इस वर्कशॉप में बच्चों के साथ उनके अभिभावकों ने भी भाग लिया, जिससे सीखने की प्रक्रिया साझा और रोचक बन गई। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रयोगों और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को समझा। बच्चों और अभिभावकों ने टीम के रूप में काम करते हुए न केवल नए कॉन्सेप्ट सीखे, बल्कि साथ समय बिताने का अवसर भी मिला। आयोजन का उद्देश्य विज्ञान को रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ते हुए उसे सरल, आकर्षक और सहभागितापूर्ण बनाना है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान आयोजित यह पहल बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रभावी साबित हो रही है। प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए विज्ञान के प्रति अपनी जिज्ञासा को और मजबूत किया। वर्कशॉप सीरीज के अन्य सत्रों के लिए पंजीकरण 25 अप्रैल तक जारी है। आगे भी होंगे विविध सत्र, वर्कशॉप सीरीज में अलग-अलग आयु वर्ग के लिए विशेष गतिविधियां तय की गई हैं।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

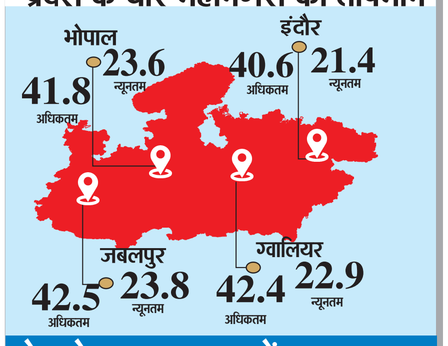

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	40.1	21.7
मुंबई	34.8	24.1
चेन्नई	41.5	23.5
कोलकाता	33.8	28.0

सूर्यास्त 6:43 PM
सूर्योदय 5:57 AM
चन्द्रोदय 7:00 AM
चन्द्रास्त 9:00 PM

खंडवा में वन भूमि से कब्जा हटाने पहुंचे फॉरेस्ट अफसर आदिवासियों पर हुए आगबबूला

तुम्हारी यहीं कब्र खोद दूंगा और गांव वाले देखते रह जाएंगे, इसलिए जैसा कह रहे, वैसा करो

जागरण, खंडवा। जिले में वन विभाग की जमीन पर कब्जा लेने की कार्रवाई के दौरान हंगामा खड़ा हो गया। दरअसल चार पीढ़ियों से इस जमीन पर खेती कर रहे आदिवासियों ने खेत और घर उजाड़ने के विरोध में प्रदर्शन किया। इस कारण फॉरेस्ट अफसर और आदिवासी आमने-सामने आ गए। तब वन अफसर ने धमकी दी कि सपोर्ट करो, वरना यहीं तुम्हारी कब्र खोदूंगा। पूरे गांव वाले देखते रह जाएंगे, इसलिए जैसा कह रहे हैं, वैसा करो, वरना मुश्किल में आ जाओगे। यह मामला मांधाता विधानसभा क्षेत्र के ग्राम नरलाय का है। आदिवासी भील परिवार के भैयालाल, ओमप्रकाश, पंचम, जोगिया, अजय बारे और अरुण ने बताया कि पहले जमीन राजस्व विभाग की थी, अब वन विभाग वाले अपनी बता रहे हैं। हमारा चार पीढ़ियों से इस जमीन पर कब्जा है। 80 साल हो गए, यहीं रहते हैं और खेती करते हैं। हम लोगों ने आज तक किसी से कोई विवाद नहीं किया। न हमसे ग्रामीणों को आपत्ति है। यह जमीन बंजर थी, एक पौधा भी नहीं लगा हुआ था। हमने इसे खेत बनाकर सिंचित किया था। अब वन विभाग, राजस्व अधिकारी और पुलिस वाले आ गए। महज 4 घंटे में हमारी बस्ती को उजाड़ दिया। दरअसल यहां प्रशासन की टीम अवैध कब्जा हटाने के लिए पहुंची थी।

वीडियो भी आया सामने

इस दौरान कब्जा कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया। इसमें खंडवा फॉरेस्ट विभाग के रेंजर शंकर सिंह चौहान आदिवासियों से कहते दिखे रहे कि, ज्यादा फालतू बात मत करो। हम सपोर्ट कर रहे हैं तो सपोर्ट लो, वरना यहीं तुम्हारी कब्र खोद दूंगा और गांव वाले देखते रह जाएंगे। कार्रवाई के दौरान डिप्टी कलेक्टर ममता चौहान, पुनासा तहसीलदार, पटवारी और बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे। इस दौरान जेसीबी से 10 झोपड़ियां तोड़ी गईं। जमीन पर कंटूर ट्रेंच खोदे गए। साथ ही बारिश के बाद पौधरोपण की बात कही गई है।

पत्थर उठाकर मारने आया था युवक : रेंजर

कब्र खोदने की बात पर रेंजर शंकर सिंह चौहान ने कहा कि वहां दो लड़के उत्पात मचा रहे थे। स्टाफ के साथ गाली-गलौज की और महिला अफसर के सामने अश्लील बातें कीं। हमने समझाया कि जमीन पर अतिक्रमण है, इसलिए हटाया जा रहा है और सपोर्ट करो। इसी दौरान एक लड़का पत्थर लेकर मारने के लिए दौड़ा। तब गुस्से में ऐसी बातें निकल गईं।

दरअसल गांव से लगी करीब 23 एकड़ राजस्व जमीन चार साल पहले वन विभाग को हैंडओवर की गई थी। सुपुर्दगी के लिए पत्राचार के बाद मौके पर कब्जा लेने पहुंचे तो अतिक्रमण मिला। यहां 15 से 20 परिवार लंबे समय से रह रहे हैं। ये लोग 85 एकड़ सरकारी जमीन पर खेती करते आ रहे हैं। वन विभाग ने राजस्व अधिकारियों के सामने अतिक्रमण हटाने की शर्त रखी। इसी कार्रवाई के लिए टीम मौके पर पहुंची। शनिवार को आदिवासी और वन अफसर आमने-सामने हुए। कार्रवाई जारी है।

बालाघाट में खाद्य अधिकारी को भाजपा नेता की धमकी

लालबर्रा हमारा है, यहां कभी मत आना, वरना सस्पेंड करवा दूंगा

जागरण, बालाघाट। जिले में राइस मिलर्स एसोसिएशन ने खाद्य सुरक्षा अधिकारी नीरज विश्वकर्मा पर जांच के दौरान रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। मिलर्स का कहना है कि शनिवार को अधिकारी एक बाहरी व्यक्ति के साथ मिलों में पहुंचे और निरीक्षण के नाम पर 20 हजार रुपए की मांग की। हालांकि, अधिकारी विश्वकर्मा ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें निराधार बताया है।

दूसरी ओर, खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कलेक्टर को दी अपनी शिकायत में बताया कि सिद्धी विनायक राइस इंडस्ट्रीज के निरीक्षण के दौरान गंभीर खामियां पाई गईं। मिल परिसर में गंदगी, मकड़ी के जाले और अस्वच्छ वातावरण मिला। अधिकारी के अनुसार, मकड़ी के मल के कारण चावल और धान के बोरों में बैक्टीरियल संक्रमण का खतरा था, जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके अलावा, मिल में कीट, चूहों और सांपों से निपटने की कोई व्यवस्था नहीं थी। विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि निरीक्षण के दौरान राइस एसोसिएशन के अध्यक्ष आनंद ठाकरे 5-6 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का विरोध किया।

ऑडियो वायरल, भाजपा नेता पर धमकी का आरोप

मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब रविवार को एक ऑडियो सामने आया, जिसमें स्वयं को भाजपा कोषाध्यक्ष बता रहे राजेश गोस्वामी अधिकारी से धमकी भरे लहजे में बात करते सुनाई दे रहे हैं। ऑडियो में वह अधिकारी पर दुकानदारों से पैसे मांगने और सामान उठाने के आरोप लगाते हैं। साथ ही चेतावनी देते हैं कि यदि यह व्यवहार नहीं रुका तो उन्हें कलेक्टर के सामने पेश कर सस्पेंड करवाया जाएगा। बातचीत में लालबर्रा में आना नहीं, यह क्षेत्र हमारा है जैसे शब्द भी सुनाई देते हैं। हालांकि, संबंधित व्यक्ति ने धमकी देने से इंकार करते हुए कहा कि उन्होंने केवल दुकानदारों की शिकायत के आधार पर अधिकारी से बातचीत की थी।

अखाड़ा गुरु भगवानदास का निधन, सीएम ने जताया शोक

जागरण, सागर। बुंदेलखंड की गौरवशाली परंपरा और प्राचीन शस्त्र कला अखाड़ा को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पद्मश्री 2026 के लिए चयनित अखाड़ा गुरु भगवानदास रायकवार दाऊ जी का अंतिम संस्कार रविवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ हुआ। पुलिस ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। एसडीएम अमन मिश्रा, तहसीलदार संदीप तिवारी द्वारा मुक्तिधाम पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई एवं तिरंगा झंडा अर्पित किया गया। पुलिस विभाग द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने पद्मश्री भगवान दास रायकवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पितकर दुख व्यक्त किया एवं परिवार को दुख सहन करने की भगवान से प्रार्थना की। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने श्रद्धांजलि देते हुए दुख व्यक्त किया एवं अपने संदेश में कहा कि सागर ही नहीं संपूर्ण बुंदेलखंड एवं प्रदेश के लिए यह बहुत बड़ी क्षति है। निगमायुक्त राजकुमार खत्री ने कहा कि भारतीय परंपराओं, लोक संस्कृति और युद्धकला के संरक्षण में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा।

सीधी में भालू का हमले से एक ग्रामीण की मौत, दो साथी गंभीर

जागरण, सीधी। जिले के संजय टाइगर रिजर्व अंतर्गत मड़वास रेंज में रविवार दोपहर भालू ने लकड़ी लेने के लिए जंगल गए तीन ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस हमले में 58 वर्षीय चंद्रबली सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हैं। घटना भजिगांव बीट के ग्राम नवनगर की है। ग्राम नवनगर निवासी चंद्रबली सिंह अपने साथी शंकर सिंह (50) और रामदास सिंह (35) के साथ जंगल गए थे। दोपहर करीब 1 बजे झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक उन पर हमला बोल दिया। दरअसल भालू ने चंद्रबली की गर्दन पर घातक वार किया और उनका पैर तोड़ दिया, जिससे उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि अपने साथी को बचाने की कोशिश में शंकर और रामदास भी लहूलुहान हो गए। हमले के बाद भालू जंगल के अंदर भाग गया। घायल शंकर और रामदास को तत्काल इलाज के लिए पोंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना मिलते ही मड़वास थाना प्रभारी कन्हैया सिंह बघेल सहित वन विभाग और राजस्व की टीम मौके पर पहुंची।

अनूपपुर में अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार लोगों की मौत

डिंडोरी से गिट्टी लेने जा रहा था वाहन, ट्रॉली के नीचे दबे लोग

जागरण, अनूपपुर। जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। यह घटना करणपाथर थाना क्षेत्र में हुई, जहां एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलटने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार यह ट्रैक्टर-ट्रॉली डिंडोरी जिले के करंजिया क्षेत्र से अनूपपुर की ओर जा रही थी। वाहन का उद्देश्य गिट्टी लाना बताया जा रहा है। यात्रा के दौरान अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण खो गया, जिसके कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। हादसा इतना गंभीर था कि उसमें सवार लोग ट्रॉली के नीचे दब गए और बाहर नहीं निकल सके। करणपाथर थाना के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) बीरेंद्र वरकाडे ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन तब तक चारों लोगों की मौत हो चुकी थी। ट्रैक्टर के पलटने से उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए थे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

शवों की नहीं हो पाई पहचान: पुलिस और प्रशासन की टीमों ने मिलकर पलटे हुए ट्रैक्टर को हटाने और शवों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। हालांकि मृतकों की पहचान नहीं हो पाई थी। अधिकारियों का मानना है कि मृतक संभवतः डिंडोरी जिले के निवासी थे, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि शवों की पहचान के बाद ही हो सकेगी। यह हादसा एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा की स्थिति को लेकर सवाल खड़े करता है। जहां ट्रैक्टर-ट्रॉली जैसे वाहनों का उपयोग अक्सर लोगों के परिवहन के लिए भी किया जाता है, जबकि वे इसके लिए सुरक्षित कतई नहीं माने जाते हैं।

70 मीटर तक घसीटने के बाद पलटी गाड़ी, ड्राइवर की मौत

जागरण, बालाघाट। जिले के वारासिवनी में आबकारी विभाग के तेज रफ्तार वाहन ने आगे चल रही कार को टक्कर मार दी। उसे करीब 70 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। सरकारी वाहन के चालक की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार एक मासूम सहित परिवार के तीन लोग घायल हैं। हादसा रविवार सुबह का है। हादसा सीएम राइज स्कूल के सामने हुआ। मलाजखंड निवासी धर्मवीर गौतम (37) अपनी पत्नी मेघा और 3 वर्षीय बेटे रुद्रांश के साथ कार (एमपी 09 एमएच 2452) से वर्धा जा रहे थे। स्कूल के पास स्थित ब्रेकर पर धर्मवीर ने जैसे ही अपनी कार धीमी की, पीछे से आ रहे आबकारी विभाग के वाहन (एमपी 50जेडबी3654) ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि आबकारी वाहन कार को घसीटते हुए आगे ले गया और फिर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में आबकारी वाहन के चालक जितेन्द्र बावने (24) स्टीयरिंग और सीट के बीच बुरी तरह फंस गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में सवार दो अन्य लोगों को भी चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया है। कार में सवार गौतम परिवार के लिए यह किसी चमत्कार से कम नहीं था कि इतनी भीषण टक्कर के बावजूद वे सुरक्षित रहे। धर्मवीर और उनकी पत्नी को मामूली चोटें आई हैं। हालांकि, उनके तीन साल के बेटे रुद्रांश की कमर में चोट लगी है। तीनों का इलाज वारासिवनी के अस्पताल में किया गया।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत

जागरण, आलीराजपुर। जिले के बोरी गांव में बाइक सवार तीन दोस्तों को वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अनिल 14 वर्ष निवासी देवधा, थाना बाग, रोशन 17 वर्ष निवासी बड़ी बीड़, थाना बोरी और सावन 14 वर्ष निवासी रतनपुरा, थाना बोरी के रूप में हुई है। दरअसल हादसा शनिवार देर रात 1 बजे उनके घर से करीब 100 मीटर दूर हुआ। जानकारी के मुताबिक बोरी से करीब तीन किमी दूर चुलिया गांव में दोस्त के यहां शादी थी। तीनों एक ही बाइक से शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात 1 बजे तीनों बाइक से घर की ओर आ रहे थे। दूसरी बाइक पर अन्य दोस्त सवार थे।

डांस पर विवाद में भागे बाराती बिना फेरे दुल्हन ले गया दूल्हा

जागरण, आलीराजपुर। जिले के नानपुर से बड़वानी गई एक बारात में नाचने को लेकर ऐसा विवाद हुआ कि शादी की रस्में पूरी नहीं हो पाईं और बारातियों को अपनी जान बचाकर भागना पड़ा। दरअसल विवाद के चलते बिना रीति-रिवाज के ही दूल्हा अपनी दुल्हन को लेकर गांव आ गया। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें 5 बाराती घायल हो गए हैं, जबकि कई गाड़ियों के कांच टूट गए। बड़वानी पुलिस ने 3 नामजद और 1 अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार नानपुर क्षेत्र के ग्राम मोरासा रोड निवासी हारू बघेल 15 अप्रैल को अपने बेटे विक्की की बारात लेकर बड़वानी गए थे। बारात दोपहर 12 बजे मॉडल स्कूल के पीछे स्थित मधुवन कॉलोनी में पहुंची थी। शाम 4 बजे खाना खाने के बाद बाराती डांस कर रहे थे। इसी दौरान डांस की बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। दूल्हे के पिता हारू ने बताया कि विवाद के दौरान अर्जुन परमार, पिंटू भूरिया और लक्की जाधव ने गालियां देना शुरू कर दी। जब उन्हें समझाने का प्रयास किया तो उन्होंने अपने एक अन्य साथी को बुला लिया और पत्थर बरसाने लगे। अचानक हुए इस पथराव से बारात में भगदड़ मच गई और लोग गाड़ियों की आड़ में छुपने को मजबूर हो गए।

पथराव से वाहन के कांच टूटे

विवाद में बाराती करण मावड़ा, अर्जुन डोडवे, करण डोडवे, प्रीतम कनेश और महेंद्र बघेल को गंभीर चोट आई है। गाड़ियों में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी भी दी। पत्थरबाजी में बारात में लाए गए वाहन के कांच टूट गए। दूल्हे के पिता हारू ने बताया कि कोई रीति रिवाज नहीं हुए, जैसे-तैसे हमें जान बचाकर भागना पड़ा। बड़वानी पुलिस ने अर्जुन परमार, पिंटू भूरिया, लक्की जाधव और एक अज्ञात के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

17 लोग मतदाता सूची में 'मृत' घोषित, सीएमओ लाइन अटैच

जागरण, आलीराजपुर। जिले में मतदाता सूची की गंभीर गड़बड़ी ने प्रशासनिक सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यहां 17 जिंदा लोगों को सरकारी रिकॉर्ड में मृत घोषित कर उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। मामला सामने आते ही आलीराजपुर कलेक्टर नीतू माथुर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभारी सीएमओ कमल मुजाल्दा को जोबट नगर परिषद में लाइन अटैच कर दिया और विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025 के दौरान यह लापरवाही सामने आई। हैरानी की बात यह रही कि जिन लोगों को मृत दिखाया गया, वे खुद अपने जिंदा होने का प्रमाण देने के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर हो गए। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि कई मतदाताओं को शिफ्टेड बताकर भी सूची से बाहर किया गया, जबकि वे अब भी उसी क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। 7 अप्रैल को भाजपा पार्षद दल की शिकायत के बाद मामला तूल पकड़ गया। भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष मकुपरवाल ने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया।

महू में अवैध चिप्स फैक्ट्री को प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

जागरण, महू। इंदौर जिले के महू के कोदरिया इलाके में संचालित अवैध चिप्स फैक्ट्री में शनिवार को बॉयलर ब्लास्ट होने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 10 वर्षीय शुभम गंभीर घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया और एसडीएम राकेश परमार के नेतृत्व में नगर निगम और प्रशासनिक टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। अवैध रूप से संचालित इस फैक्ट्री पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। यह फैक्ट्री बनवारी लाल सैनी द्वारा संचालित की जा रही थी और बिना अनुमति के चल रही थी। जांच में यह भी सामने आया है कि कारखाने ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जरूरी अनुमति तक नहीं ली थी, जबकि बॉयलर जैसे खतरनाक उपकरण का उपयोग किया जा रहा था।

आम सूचना

भूमि खसरा क्रमांक 145 रकबा 0120 हेक्टेयर अर्थात 29 डेसिमल अर्थात 12916 वर्गफिट, ग्राम बैरागढ़ चिचली, नया पटवारी हल्का नंबर 29, (पुराना प.ह.नि. 38), रा.नि.म. 03 वि.खं. फन्दा, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र.

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती विमला यादव पत्नी श्री श्याम सिंह यादव पुत्री श्री गणेशी लाल यादव. आयु वयस्क, निवासी-जे-215 हर्षवर्धन नगर भोपाल म.प्र. से उनके आधिपत्य व स्वामित्व की भूमि खसरा क्रमांक 145 रकबा 0120 हेक्टेयर अर्थात 29 डेसिमल अर्थात 12916 वर्गफिट, ऋण पुस्तिका नंबर 724531 ग्राम बैरागढ़ चिचली, नया पटवारी हल्का नंबर 29, (पुराना प.ह.नि.38), रा.नि.म. 03 वि.खं. फन्दा, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. को क्रय करने का अनुबंध निष्पादित कर बयाना राशि का भुगतान कर दिया है। उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी व्यक्ति, संस्था, सोसायटी संव्यवहार ना करे और ना ही उक्त संपत्ति को क्रय करने हेतु अनुबंध पत्र निष्पादित करे और ना ही विक्रय पत्र पंजीयन निष्पादित करावे व यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त वर्णित सम्पति पर हित सन्निहित हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के साथ उपस्थित होवे अन्यथा की स्थिति में उसके द्वारा की गई दावा व आपत्ति निराधार व शून्य मानी जावेगी व मेरा पक्षकार अपने पक्ष में विक्रय पत्र का पंजीयन करा लेवेगा।

विनोद कुमार मिश्रा एडवोकेट
ADVOCATE & NOTARY
LIG-30 Lumbini Parisar, Ambedkar Nagar
Near Mata Mandir South T.T. Nagar
Bhopal Mob. 9827290573

-: आम-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार श्री रमेश अग्रवाल आत्मज स्व. श्री श्यामलाल अग्रवाल पता E-4/343, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उनके स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक किता कृषि भूमि खसरा क्रमांक 18/1/1/3/2 क्षेत्रफल 2.50 एकड़ (1.012 हेक्टेयर) है जो ग्राम भौरी, पटवारी हल्का भौरी, तहसील हुजूर, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्नानुसार है:-पूर्व में-खसरा क्रमांक 18/2/3 की भूमि, पश्चिम में-गाँव की कच्ची सड़क, उत्तर में-खसरा क्रमांक 18/1/1/3/1 की भूमि, दक्षिण में-खसरा क्रमांक 18/2 की भूमि उक्त संपत्ति से सम्बंधित मूल दस्तावेज विक्रय पत्र दिनांक 09.01.2013, पंजीयन क्रमांक A-1, ग्रन्थ क्रमांक 129, दस्तावेज क्रमांक 2/11252 है। जिसका सम्पूर्ण विवरण उप पंजीयक कार्यालय भोपाल में अंकित एवं दर्ज है की मूल प्रति भोपाल में कही गिरकर गुमध्खो गई है। जिसकी विधिवत सूचना संबंधित थाने में प्रेषित की जा रही है। उक्त संपत्ति केनरा बैंक भोपाल के पक्ष में बंधक रखने हेतु प्रस्तावित है। उक्त गुमे हुए दस्तावेज की मूल प्रति जिस किसी को भी मिले कृपया निम्न वर्णित पते पर प्रदान करने का कष्ट करें। यदि उक्त वर्णित संपत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक, मुख्तार या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा इस अंतरण से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि निकल जाने के पश्चात् किसी भी प्रकार का दावा, स्वत्व या आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी।

Advocate Ramesh Suryavanshi
Advocate Lokesh Suryavanshi
Add.: F-10, Sanchi Complex, Opposite Board office, Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)
Mob.: 9425118602, 7000382908

उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय
सैफई, इटावा उ०प्र० - (206 130)
Uttar Pradesh University of Medical Sciences
Saifai, Etawah (U.P.) – 206130

Dated: 16-04-2026

Advertisement of Book Exhibition

"Uttar Pradesh University of Medical Sciences, Saifai, Etawah, invites reputed publishers and distributors to participate in a two-day Book exhibition to be held at the Central Library on 28th and 29th April 2026 for the Faculty of Medicine, Dental Sciences, Nursing, Paramedical Sciences and Pharmacy.
Interested participants are requested to confirm their participation by sending their acceptance on or before 23rd April via email or mobile contact provided below.
Email: centrallibraryupums@gmail.com
Mobile: 9917191972
Early confirmation is encouraged"

Schedule of Book Exhibition

Venue : In front of Central Library, UPUMS, Saifai, Etawah.
Date of Exhibition : 28th & 29th April, 2026
Timing of Exhibition : 10:00 am to 6:00 pm

कार्यालय वनमंडलाधिकारी सामान्य वनमंडल हरदा
07577-222003, 07577 – 224224, Email : dfotharda@mp.gov.in

:: विज्ञप्ति ::

हरदा सामान्य वन मंडल के अंतिम रूप से राजसात वाहन (जहॉ है जैसा है) के विक्रय हेतु मुहरबंद निविदायें वन मंडल कार्यालय सामान्य हरदा में दिनांक 23.04.2026 को 3.00 बजे तक आमंत्रित की गई है, जो कि उक्त दिनांक 23.04.2026 को दिन के 3.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा प्राप्त निविदायें उपस्थित निविदाकारों के समक्ष दिनांक 23.04.2026 को ही 4.00 बजे खोली जावेगी। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त निविदा मान्य नही होगी।

जप्त राजसात वाहन का विवरण जिनका निविदा द्वारा विक्रय किया जाना हैं :-

अ. क्र.	वाहन का क्रमांक	वाहन का नाम	वाहन का प्रकार	स्थान जहॉं वाहन रखा है।
1	2	3	4	5
1	MP43G2394	बोलेरो पिकअप वेन	---"---	वन चौकी लाल्यावापड सिराली
2	MP48ZA5395	मो.सा.टी.व्ही.एस. स्टार सी.टी.प्लस	---"---	परिक्षेत्र कार्यालय बोरपानी स्थान रहटगॉव
3	MP47ZA2039	मो.सा.प्लेटिना 100 ई.एस.	---"---	---"---
4	MP47MK6195	मो.सा.सी.टी.100 ई.एस.	---"---	---"---

निविदाकार के लिये निम्नानुसार शर्ते बंधनकारी होगी :-

01. निविदा फार्म अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकेगें। प्रति निविदा फार्म की कीमत रूपयें 100/- नगद जमा करानी होगी जो वापसी योग्य नही होगी। निविदा फार्म दिनांक 23.04.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक ही प्रदाय किये जावेगें।
02. निविदाकार को प्रत्येक वाहन के लिये पृथक-पृथक निविदा के साथ दोपहिया वाहन की जमानत के रूप में राशि रूपयें 2000/- एवं चार पहिया वाहन की जमानत के रूप मे राशि रूपये 5000/- का बैंक ड्राफ्ट राष्ट्रीयकृत बैंक का अधोस्ताक्षरकर्ता के पदनाम (वन मंडल अधिकारी सामान्य हरदा) से जो हरदा में देय हो प्रस्तुत करना होगा।
03. वाहनों के रजिस्ट्रेशन सबंधी कोई कागजात उपलब्ध नही हैं, और न ही उपलब्ध कराने की जिम्मेंदारी विभाग की होगी।
04. वाहन पर किसी संस्थान/बैंक/निजी व्यक्ति फायनेंस बावत् कोई जिम्मेंदारी विभाग की नही होगी।
05. सफल निविदाकार को वाहन क्रय की स्वीकृति प्रदान करने के 15 दिनों के अन्दर वाहन की शेष राशि एवं क्रय वाहन की कीमत पर शासन निर्देशानुसार 18 प्रतिशत जी.एस.टी. राशि का बैंक ड्राफ्ट पृथक से जमा करना अनिवार्य होगा अन्यथा जमानत की राशि राजसात करते हुए वाहन क्रय की स्वीकृति निरस्त कर दी जावेगी।
06. निविदा में उल्लेखित जप्तशुदा राजसात वाहन वर्तमान में जहॉ जैसा है, निविदा स्वीकृत होने की स्थिति में उसी हालत में प्राप्त करना होगा।
07. परिवहन विभाग में वाहन को पंजीकृत कराने का दायित्व क्रेता का होगा।
08. निविदा की विस्तृत शर्ते दिनांक 23.04.2026 तक कार्यालयीन समय में वनमंडल कार्यालय में देखी जा सकेगी।
09. निविदाकार उक्त वाहनों का अवलोकन/भौतिक सत्यापन कार्यालयीन समय में दर्शायें गये स्थानों पर कर सकेगें तथा भौतिक सत्यापन पश्चात निविदा फार्म का क्रय एवं निविदा फार्म डालेगें। निविदा दिनांक को वर्णित वाहनों के संबंध में कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।
10. निविदा मान्य अथवा अमान्य करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता को होगा।
11. विवाद की स्थिति में हरदा ज्युडिशियल क्षेत्र होगा।

(ज्योति मुड़िया)
भा.व.से.
वन मंडलाधिकारी
हरदा (सामान्य) वन मंडल

G-11764/26

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड राजगढ़(ब्यावरा) म.प्र
निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा. सूचना कमांक 02/2026-27/एस.ए.स/लो.स्वा.यां.वि/राजगढ़ दि.15.04.2026

निम्न कार्यो हेतु निविदा ऑन लाईन वेबसाईट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर आमंत्रित की गई है । राजगढ जिले के विकास खण्ड ब्यावरा में हेण्डपंप संधारण का कार्य की निविदा निम्नानुसार आमंत्रित है ।

निविदा क / दिनांक	सिस्टम कमांक	विकास खण्ड	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत रू.लाख में	धरोहर राशि रू. में	निविदा प्रपत्र का मुल्य	समयावधि	रिमार्क
02/26-27 दि. 15.04.2026	2026_PHED_500475_pack1	ब्यावरा	राजगढ़ जिले के विकास खंड ब्यावरा के विभिन्न ग्रामो/ बसाहटों में स्थापित समस्त हेण्ड पम्पों के संधारण कार्य 6-6 मजदूर, 2 नग महिन्द्रा बोलेरो पिकअप/ टाटा पिकअप पी.ओ.एल. सहित	19.18	38360.00	2000.00	12 माह	

ऑन लाईन निविदा कय कॅरने की अंतिम तिथि – 27.04.2026
ऑन लाईन निविदा दर खोलने की अंतिम तिथि – 29.04.2026

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
राजगढ (ब्यावरा)म.प्र.

G-11765/26

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

कनिष्ठ अभियंता (सिविल/इलैक्ट्रिकल) की भर्ती – 2026

भारतीय रिज़र्व बैंक, अपने विभिन्न कार्यालयों में कनिष्ठ अभियंता (सिविल/इलैक्ट्रिकल) के 11 पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। इस पद के लिए चयन देशव्यापी केंद्र-वार ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा और भाषा दक्षता परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। सम्पूर्ण विज्ञापन बैंक की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर अप्रैल 2026 के तीसरे सप्ताह में उपलब्ध होगा और इसे एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ / रोज़गार समाचार में भी प्रकाशित किया जा रहा है। आवेदन पत्र बैंक की वेबसाइट के माध्यम से केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण तारीखें:

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने और परीक्षा शुल्क भुगतान करने की अवधि	16 अप्रैल 2026 - 06 मई 2026
ऑनलाइन परीक्षा की तारीख (अनंतिम)	06 जून 2026

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल / एसएमएस / टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं"

वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो
भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था
निम्नलिखित खुले पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है

राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशक

आयु, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव/सेवा आवश्यकता और अन्य नियमों एवं शर्तों के विवरण के लिए, कृपया https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत विज्ञापन देखें।

आवेदन कैसे करें: इच्छुक उम्मीदवार https://fsib.org.in/ पर "Vacancies & Recommendations" टैब के तहत उपलब्ध लिंक के माध्यम से **ऑनलाइन** आवेदन कर सकते हैं या सीधे https://www.research.net/r/edpsb26 पर जा करके आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन की अंतिम तिथि: 15 मई, 2026 शाम 5:00 बजे तक

नोट: शुद्धिपत्र सहित अतिरिक्त विवरण, यदि कोई हो, केवल ब्यूरो की वेबसाइट पर प्रकाशित किये जाएंगे।

रिंकू ने दिलाई केकेआर को पहली जीत

53 रन | 34 गेंद | 05 चौके | 02 छक्के

कोलकाता, जेएनएन। आईपीएल 2026 का 28वां मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मैच में केकेआर ने 4 विकेट से जीत हासिल की। ये आईपीएल के इस सीजन में केकेआर की पहली जीत है। मुकाबले की बात करें तो टॉस जीतकर राजस्थान रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। राजस्थान ने वैभव के 46 रनों के दम पर केकेआर के सामने 156 रनों का लक्ष्य रखा था जिसे केकेआर ने आखिरी ओवर में चेज कर लिया।

रिंकू ने किया कमाल

156 रनों के जवाब में उतरी केकेआर की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के दोनों ओपनर टिम सीफर्ट और अजिंक्य रहाणे अपना खाता भी नहीं खोल सके। इसके बाद कैमरून ग्रीन ने 27 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन स्टंपिंग हो गए। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी से टीम को बहुत उम्मीद थी। लेकिन वो भी 10 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद पॉवेल भी कुछ खास नहीं कर सके और 23 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हुई। रिंकू सिंह ने नाबाद 34 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली।

वरुण बने सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले भारतीय स्पिनर: केकेआर के स्टार गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती फॉर्म में लौट आए हैं और अब वह रिकॉर्ड तोड़ने लगे हैं। चक्रवर्ती टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 200 विकेट चटकाने वाले भारतीय स्पिनर बन गए हैं। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी राजस्थान की पारी का आगाज वैभव और यशस्वी ने किया। दोनों ने संभाली शुरुआत की। छठे ओवर में दोनों ने टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया। 9वें ओवर में राजस्थान की टीम को पहला झटका लगा जब वैभव अपना विकेट गंवा बैठे। वैभव को वरुण ने अपनी फिरकी में फंसाया और वैभव 28 गेंद में 46 रन बनाकर आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

राजस्थान: 155/9 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का. रहाणे बो. सुनील	39	29	4	2
वैभव का. रमनदीप बो. वरुण	46	28	6	2
ध्रुव स्टंप टिम बो. वरुण	5	7	0	0
रियान बो. वरुण	12	14	1	0
शिमरन का. बो. सुनील	7	7	0	1
जडेजा का. कैमरन बो. त्यागी	9	7	1	0
जोफ्रा रन आउट अरोड़ा/टिम	8	5	1	0
रवि का. टिम बो. कार्तिक	0	2	0	0
ब्रिजेश शर्मा नाबाद	1	3	0	0

अतिरिक्त: 13, **कुल:** 20 ओवर में 9 विकेट पर 155 रन, **विकेट पतन:** 1-81, 2-97, 3-99, 4-117, 5-124, 6-144, 7-146, 8-146, 9-155 **गेंदबाजी:** वैभव अरोड़ा 4-0-37-0, कार्तिक त्यागी 4-0-22-3, कैमरन ग्रीन 2-0-27-0, सुनील नरेन 4-0-26-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-14-3, रमनदीप सिंह 2-0-26-0,

कोलकाता नाइट राइडर्स: 161/6 (19.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
टिम सीफर्ड बो. जोफ्रा	0	1	0	0
रहाणे का. ध्रुव बो. नंद्रे	0	2	0	0
अंग्रकृष एलबीडब्ल्यू जडेजा	10	19	1	0
कैरमन स्टंप ध्रुव बा.रवि	27	13	4	1
पावेल का. फरेरा बो. जडेजा	23	20	2	1
रिंकू सिंह नाबाद	53	34	5	2
रमनदीप बो. यश	10	13	1	0
अनुकूल राय नाबाद	29	16	1	2

अतिरिक्त: 9, **कुल:** 19.4 ओवर में 6 विकेट पर 161 रन, **विकेट पतन:** 1-0, 2-5, 3-37, 4-52, 5-70, 6-85 **गेंदबाजी:** जोफ्रा 4-0-35-1, नंद्रे बर्गर, 2-0-20-1, रवि विश्नोई 4-0-41-1, यश पुंजा 4-0-25-1, रविंद्र जडेजा 3-0-8-2, रियान पराग 1-0-10-0, ब्रजेश शर्मा 1.4-0-21-0

पंजाब किंग्स ने मारी एक और बाजी लखनऊ को 54 रनों से दी शिकस्त

न्यू चंडीगढ़, जेएनएन। पंजाब किंग्स ने आईपीएल में 5वीं जीत हासिल की। टीम ने रविवार के दूसरे मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को 54 रन से हराया। न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी पंजाब ने 7 विकेट खोकर 254 रन बनाए। यह सीजन बेस्ट स्कोर रहा। जवाब में लखनऊ की टीम 5 विकेट पर 200 रन की बना सकी।

प्रियांश-कोनोली ने 182 रन जोड़े: प्रियांश आर्या को 93 और कूपर कोनोली के 87 रन की मदद से पंजाब 250 पार पहुंचा। दोनों ने 80 बॉल पर 182 रन की पार्टनरशिप की। पंजाब ने 3 रन के स्कोर पर प्रभसिमरन सिंह का विकेट गंवा दिया था। यहां से प्रियांश ने कोलोनी के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप की। आखिर में नेहल वाधेरा (13 रन), शशांक सिंह (17 रन) और मार्कस स्टोयनिस (29 रन) ने छोटी लेकिन तेज पारियां खेलकर टीम को 254 तक पहुंचा दिया। लखनऊ से एम सिद्धार्थ ने 2 विकेट झटके। मोहम्मद शमी, मोहसिन खान और प्रिंस यादव को एक-एक विकेट मिला।

पंत लखनऊ के टॉप स्कोरर: 255 रन का टारगेट चेज कर रही लखनऊ ने 10 ओवर में 100 रन बना लिए थे और 9 विकेट हाथ में थे। टीम ने फिर लगातार विकेट गंवाए। कोई भी बल्लेबाज फिफ्टी नहीं लगा सका।

पंजाब पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम- पंजाब ने इस सीजन में 5वां मैच जीता। जबकि, लखनऊ लगातार तीसरा मैच हारी है। यह टीम की ओवरऑल चौथी हार है। पंजाब 11 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। दूसरी ओर लखनऊ 8वें स्थान पर है।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

क्लासेन (हैदराबाद)	283
शुभमन गिल (गुजरात)	251
विराट (आरसीबी)	247

पर्पल कैप (गेंदबाज)

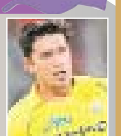

अंशुल कंबोज(चेन्नई)	13
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	11
भुवनेश्वर (आरसीबी)	10

बाउंड्री मीटर

506 छक्के
893 चौके
61 अर्धशतक

कोलकाता नाइट राइडर की ओर से खेलत हुए रिंकू सिंह ने नाबाद 34 गेंदों में 53 रनों की पारी खेली। उन्होंने 5 चौके और 2 छक्के जड़े।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	6	5	0	11	+1.420
बेंगलुरु	6	4	2	8	1.171
राजस्थान	6	4	2	8	+0.599
हैदराबाद	6	3	3	6	0.566
दिल्ली	5	3	2	6	0.310
गुजरात	5	3	2	6	0.018
चेन्नई	6	2	4	4	-0.780
लखनऊ	5	2	3	4	-0.804
कोलकाता	7	1	5	3	-0.879
मुंबई	5	1	4	2	-1.076

सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट से कोपा डेल रे का खिताब जीता

सेविले (स्पेन), जेएनएन। रियाल सोसिडाड ने पेनल्टी शूटआउट में एटलेटिको मैड्रिड को हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फाइनल मैच अतिरिक्त समय के बाद 2-2 से बराबरी पर था जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया। सोसिडाड के गोलकीपर उनाई मैरेरो ने अलेक्जेंडर सोरलॉथ और जूलियन अल्वारेज़ के शॉट को बचाया। इसके बाद पाब्लो मारिन ने अंतिम किक को गोल में बदला जिससे सोसिडाड ने शूटआउट में 4-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पेलेग्रिनो माटाराज़ो के सोसिडाड का कोच बनने के बाद स्पेन के क्लब की यह पहली जीत है। माटाराज़ो ने कहा, ''यह अविश्वसनीय सफर रहा है और मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत हो सकती है।''

मुंबई पर बने दबाव का फायदा उठाने की कोशिश करेगा गुजरात टाइटंस

अहमदाबाद, जेएनएन। पिछले तीन मैच में जीत हासिल करके आत्मविश्वास से भारी गुजरात टाइटंस की टीम सोमवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार हार से दबाव में चल रही मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने की कोशिश करेगी। पिछले कुछ सप्ताह में इन दोनों टीमों का प्रदर्शन बिल्कुल विपरीत रहा है। गुजरात टाइटंस ने अपने अभियान की शुरुआत लगातार दो हार के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उसने लगातार तीन मैच जीत कर लय हासिल कर ली है और वह तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। इसके बिल्कुल विपरीत मुंबई ने अपने पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन उसके बाद से उसका प्रदर्शन खराब होता चला गया है। उसे लगातार चार हार का सामना करना पड़ा है और उनकी हार का अंतर बहुत बड़ा रहा है, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है।

मुंबई पर खराब प्रदर्शन है दबाव: पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई पर खराब प्रदर्शन के कारण काफी दबाव है और उसे अगर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो अब हर हाल में जीत हासिल करनी होगी। उसकी टीम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। इसके अलावा मध्यक्रम के बल्लेबाजों के अनियमित प्रदर्शन और गेंदबाजी आक्रमण में धार की कमी ने उसे बुरी तरह प्रभावित किया है।

अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे सूर्या: भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा मुंबई इंडियंस के मध्यक्रम के मुख्य आधार रहे हैं लेकिन यह दोनों ही अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। सूर्यकुमार ने भले ही एक अर्धशतक लगाया है लेकिन उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। दूसरी तरफ तिलक बेहद खराब फॉर्म में हैं और पांच पारियों में सिर्फ 43 रन ही बना पाए हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन भी कुछ खास अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने चार मैचों में सिर्फ 81 रन बनाए हैं, जिससे मुंबई की बल्लेबाजी की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

टीम इंडिया की महिला क्रिकेटर

शेफाली बनीं 100 टी20 खेलने वाली सबसे युवा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार ओपनर शेफाली वर्मा ने इतिहास रच दिया है। शेफाली 22 साल और 81 दिन की उम्र में 100 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई हैं। उन्होंने यह मुकाम साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में हासिल किया, जो डरबन के मैदान पर रविवार को खेला गया।

जेमिमा रोड्रिग्स का रिकॉर्ड भी टूटा

शेफाली ने यह उपलब्धि हासिल करते हुए जेमिमा रोड्रिग्स का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2024 महिला एशिया कप के दौरान 23 साल और 327 दिन की उम्र में 100 टी20 पूरे किए थे। शेफाली इस मुकाम तक पहुंचने वाली दुनिया की तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उनसे आगे सिर्फ रवांडा की गिजेल इशिमवे और हेनरिएट इशिमवे हैं।

भारत की पांचवीं महिला

वह भारत की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं, जिन्होंने 100 टी20 खेले हैं। इस क्लब में पहले से हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स शामिल हैं। शेफाली वर्मा ने 2019 में सिर्फ 15 साल 239 दिन की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने आक्रामक खेल और निडर अंदाज़ से उन्होंने शुरुआत से ही अलग पहचान बना ली। 2019 महिला टी 20 चैलेंज में मिताली राज की कप्तानी वाली वेलोसिटी टीम के लिए खेलते हुए शेफाली ने बड़े-बड़े गेंदबाज़ों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाज़ी की और सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

टेस्ट में भी दिखाया दम

शेफाली सिर्फ टी20 तक सीमित नहीं रहीं। 2024 में चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक जड़ा, जो उस समय महिला टेस्ट इतिहास का सबसे तेज शतक था। बड़े मौकों पर शेफाली का प्रदर्शन और निखरकर सामने आया है। पिछले साल भारत के महिला वर्ल्ड कप जीत में उन्होंने फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 87 रन बनाए और विकेट भी लिए।

द. अफ्रीका ने भारत को हराकर 2-0 की ली बढ़त

डरबन, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में शिकस्त मिलने के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के मुश्किल दौर से गुजरने को स्वीकार करते हुए कहा कि टीम एकजुट रहते हुए वापसी करेगी। भारत को रविवार को यहां खेले गए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में आठ विकेट से शिकस्त मिली। इस हार से टीम श्रृंखला में 0-2 से पिछड़ गई। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 147 रन पर ऑल आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका ने 17.1 ओवर में दो विकेट पर 148 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने कहा कि टीम आखिरी ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी और पावरप्ले में अच्छी गेंदबाजी करने में नाकाम रही। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बल्ले से हम वैसा योगदान नहीं दे पाए, जैसा हम चाहते थे। पारी के आखिरी दस ओवरों में हमारी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। हमें अगले तीन मैचों के लिए रणनीति बनानी होगी। जब आप सही शॉट नहीं लगा पा रहे हों, तो स्ट्राइक रोटेट करना अहम होता है। उन्होंने कहा गेंदबाजी करते समय पावरप्ले में हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

अल अहली एशियाई चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में कोबे का सामना करेगा

जेद्दा, जेएनएन। सऊदी अरब का क्लब अल अहली चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में सोमवार को जापान के विसेल कोबे से भिड़ेगा। एशिया के इस प्रमुख क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल में जापान की माचिदा ज़ेलविया का मुकाबला संयुक्त अरब अमीरात के शबाब अल अहली से होगा। पिछले साल मई में पहली बार खिताब जीतने वाले अल अहली ने क्वार्टर फाइनल में यहां मलेशिया के जोहोर दारुल ताजिम को 2-1 से हराया।

जेद्दा टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण की मेजबानी कर रहा है। अली मजराशी ने 19वें मिनट में आत्मघाती गोल किया जिससे जोहोर को बढ़त मिल गई। अल अहली के इस डिफेंडर को जल्द ही लाल कार्ड दिखाया गया। हाफ टाइम से ठीक पहले बार्सिलोना के पूर्व मिडफील्डर फ्रैंक केसी ने अल अहली के लिए बराबरी का गोल दाग दिया जबकि ब्राजील के विंगर गैलेनो ने दूसरे हाफ में विजयी गोल किया। अन्य मैचों में कोबे ने 3-3 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट में कतर के क्लब अल सद्द को, माचिदा ज़ेलविया ने मौजूदा सऊदी प्रो लीग चैंपियन अल इत्तिहाद को 1-0 से और शबाब अल अहली ने थाईलैंड के बुरिराम यूनाइटेड को 3-2 से हराया।

मैदान से हटकर

रेफरी ने दिखाया यलो कार्ड तो खिलाड़ी ने किया आग के हवाले

वेम्बली स्टेडियम में खेले गए साइडमैन चैरेटी मैच 2026 के दौरान एक ऐसी घटना हुई जिसने दुनिया भर के फुटबॉल फैंस को हैरान कर दिया। यूट्यूब ऑल स्टार्स की ओर से खेल रहे मशहूर यूट्यूबर मैक्स फोश ने मैच के दौरान एक ऐसी जादुई ट्रिक दिखाई जो इंटरनेट पर सनसनी बन गई है। जब फोश ने विपक्षी खिलाड़ी मार्लन ग्रेसिया पर फाउल किया, तो रेफरी मार्क क्लैटनबर्ग ने उन्हें पीला कार्ड दिखाने के लिए बुलाया। लेकिन मैक्स फोश ने विरोध करने के बजाय रेफरी के हाथ से पीला कार्ड लिया और उसे हवा में लहराते हुए सरेआम आग लगा दी। पलक झपकते ही कार्ड जलकर राख हो गया, जिसे देख स्टेडियम में मौजूद 90,000 दर्शक और लाइव देख रहे 1.6 मिलियन लोग दंग रह गए। मैक्स फोश अपनी ऐसी अजीबोगरीब हरकतों के लिए पहले से ही मशहूर हैं। मैक्स फोश ने अपनी इस फायर मूव के वायरल होने पर उन्होंने खुलासा किया कि उनके पास इस बड़े स्टंट की तैयारी के लिए केवल छह दिन का समय था। फोश ने बताया कि जब वे घर पर इसकी प्रैक्टिस कर रहे थे, तो यह जादुई ट्रिक केवल 50 प्रतिशत बार ही सही हो पा रही थी। हालांकि, वेम्बली के खचाखच भरे मैदान पर उन्होंने इसे पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया।

सिटी स्पोर्ट्स

डीजीपी कप 2026 के फाइनल में भोपाल पुलिस और एसएएफ में होगा मुकाबला

भोपाल, खेल प्रतिनिधि। पुलिस क्रिकेट ग्राउंड नेहरू नगर में खेले जा रहे डीजीपी कप 2026 के 28वें संस्करण में 18 अप्रैल को 2 सेमीफाइनल मैच खेले गए। पहला सेमीफाइनल मैच साइबर टेलीकॉम और एसएएफ भोपाल के बीच खेला गया। साइबर टेलीकॉम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। साइबर टेलीकॉम की ओर से मंजीत ने 40(25), अनुराग ने 24(27), महेंद्र 23(26) के योगदान से टीम ने 134 रनों का लक्ष्य खड़ा किया। एसएएफ भोपाल की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए अरूण ने 4, नगेंद्र सिंह,रवि को 1-1 विकेट प्राप्त किये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएएफ भोपाल की टीम ने की 19 ओवरों में जीत हासिल की जिसमें नगेंद्र सिंह ने 49(43), रोशन ने ,34(25), नरेंद्र रावत 25(19) रनों का योगदान दिया। नागेंद्र मैन आफ द मैच चुने गए। दूसरा सेमीफाइनल मैच भोपाल पुलिस और इंदौर ज़ोन के बीच खेला गया। इंदौर ज़ोन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंदौर ज़ोन ने 150 रनों का लक्ष्य दिया जिसमें मनीष ने 60(41), विकास ने 28(20) , दीपक ने 27(37) रनों की पारी खेली। भोपाल पुलिस की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए संदीप को 3 विकेट मिले। भोपाल पुलिस की टीम ने 19.4 ओवरों में ही लक्ष्य हासिल किया। इंदौर ज़ोन की ओर से रितिक और संजय को 2-2 विकेट प्राप्त हुए। संदीप मैन ऑफ द मैच चुना गया । उपरोक्त दोनों मैचों के मेन ऑफ द मैच का पुरस्कार अतिथि विशेष पुलिस महानिदेशक आशुतोष राय, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री डी श्रीनिवास वर्मा, उप पुलिस महानिरीक्षक श्री रियाज़ इकबाल, कमांडेंट श्री नगेंद्र सिंह,आईपीएस श्री नरेंद्र रावत एवं भोपाल रक्षित निरीक्षक श्री जय सिंह तोमर द्वारा प्रदान किया गया।

इंटर डिविजनल वनडे टूर्नामेंट

भोपाल डिवीजन ने सागर डिवीजन को दी शिकस्त

भोपाल, जेएनएन। भोपाल के कप्तान प्रारब्ध मिश्रा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 330 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के लिए कप्तान प्रारब्ध मिश्रा ने 86 रन (85 गेंद) की बेहतरीन पारी खेली, जबकि शिवांश चतुर्वेदी ने नाबाद 53 रन (35 गेंद) बनाकर तेज़ फिनिश दिया। इसके अलावा विकास शर्मा ने 50 रनों का योगदान दिया। 331 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सागर डिवीजन की टीम 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 248 रन ही बना सकी। सागर के लिए आर्यन पांडे ने 120 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली, जबकि ध्रुव चौरसिया ने 48 रन बनाए। भोपाल की ओर से गेंदबाजी में अनिमेष सिंह ने 3 विकेट झटके, जबकि प्रारब्ध मिश्रा और तनिष्क यादव ने 2-2 विकेट हासिल किए।

वारीदी दुबे और रिद्धि जूनियर बॉक्सिंग कैम्प के लिए चयनित

भोपाल, जेएनएन। मध्यप्रदेश राज्य मुक्केबाज़ी अकादमी की उभरती हुई खिलाड़ी वारीदी दुबे और रिद्धि पांडे का चयन भारतीय जूनियर बॉक्सिंग राष्ट्रीय कैम्प के लिए किया गया है। यह चयन उनके शानदार और लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। वारीदी दुबे का चयन 66 किलोग्राम वर्ग में जबकि रिद्धि पांडे का चयन 70 किलोग्राम वर्ग में हुआ है। दोनों खिलाड़ी अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को और निखारने का अवसर प्राप्त करेंगी। यह राष्ट्रीय कैम्प 20 तारीख से भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रतिष्ठित केंद्र एनआईएस पटियाला में आयोजित किया जाएगा। अकादमी के मुख्य कोच रोशन लाल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही।

संक्षिप्त समाचार

गंगोत्री-यमुनोत्री के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून, जेएनएन। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर रविवार को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड की वार्षिक चारधाम यात्रा का औपचारिक शुभारंभ हो गया है। गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12.15 बजे और यमुनोत्री धाम के कपाट दोपहर 12.35 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। दोनों धामों में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर की गई। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे और धामों पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। बाबा केदार की उत्सव डोली भी ऊखीमठ से अपने धाम के लिए रवाना हो चुकी है? यात्रा के अगले चरणों में केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के कपाट भी जल्द ही खुल जाएंगे। केदारनाथ के कपाट 22 अप्रैल और बद्रीनाथ के कपाट 23 अप्रैल को सुबह 06.15 बजे खुलेंगे।

यौन उत्पीड़न केसः खरात 23 तक पुलिस हिरासत में

नासिक, जेएनएन। स्वयंभू बाबा अशोक खरात को नासिक की एक अवकाशकालीन अदालत ने रविवार को 23 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। यह आदेश उनके खिलाफ दर्ज पांचवें यौन उत्पीड़न और शोषण के मामले के संबंध में दिया गया है। खरात को शनिवार को इस पांचवें मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप है कि उन्होंने दैवीय शक्तियों का दावा करके और काला जादू का उपयोग करके एक महिला के साथ धोखाधड़ी और यौन शोषण किया। पुलिस ने आरोपी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए 5 दिन की हिरासत मांगी थी। खरात पर अब तक करीब 12 आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं, जिनमें से 8 मामले यौन उत्पीड़न और बलात्कार से संबंधित हैं।

श्रीनगर में हिरासत में लिए गए 2 अमेरिकी

श्रीनगर, जेएनएन। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक अमेरिकी नागरिक और उसके साथी को प्रतिबंधित सैटेलाइट फोन के साथ हिरासत में लिया गया। मुख्य व्यक्ति की पहचान अमेरिका के मोंटाना निवासी जेफरी स्कॉट प्रदर के रूप में हुई है। कौशिक हलदर को भी हिरासत में लिया गया है, जो मूलरूप से कोलकाता के रहने वाले हैं और 20 वर्षों से अमेरिका में बसे हैं। उनके सामान से गार्मिन कंपनी का सैटेलाइट फोन/ ट्रैकर बरामद हुआ। जेफरी स्कॉट के खिलाफ भारतीय टेलीग्राफ एक्ट की धारा 42(3)(एफ) के तहत केस दर्ज किया गया है। उन्हें हवाई अड्डे के पास हुमहामा पुलिस स्टेशन में रखा गया।जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में, दूरसंचार विभाग की पूर्व अनुमति के बिना सैटेलाइट फोन रखना या इस्तेमाल करना गैरकानूनी है।

पंजाब भाजपा प्रभारी रहे बलबीर पुंज का निधन

चंडीगढ़, जेएनएन। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद बलबीर पुंज का शनिवार की शाम को 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार थे और उन्होंने दिल्ली/नोएडा के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका जन्म 2 अक्टूबर 1949 को पंजाब के गुरदासपुर में हुआ था। वे भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पंजाब भाजपा के प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वे दो बार राज्यसभा सांसद भी रहे। राजनीति में आने से पहले वे एक प्रख्यात पत्रकार और लेखक थे। उन्होंने 1971 में 'द मदरलैंड' से अपने करियर की शुरुआत की और 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' में दो दशकों तक काम किया। उन्हें भाजपा के एक प्रखर विचारक और राष्ट्रवादी विचारधारा के सशक्त स्तंभ के रूप में जाना जाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें एक उत्कृष्ट लेखक और विचारक बताया।

आसाराम केस का गवाह ब्लैकमेलिंग में अरेस्ट

चंडीगढ़, जेएनएन। आसाराम बापू केस के मुख्य गवाह महेंद्र चावला को हरियाणा की पानीपत पुलिस ने 70 लाख रुपए की ब्लैकमेलिंग और धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया है। महेंद्र चावला ने सनौली के पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा से उनके पक्ष में गवाही देने के बदले 1 करोड़ मांगे, जिसमें से 70 लाख उन्होंने ले लिए। पैसे लेने के बाद महेंद्र कोर्ट में बयान से पलट गए और झूठा मेडिकल सर्टिफिकेट पेश किया। शिकायतकर्ता भगत सिंह के अनुसार, आरोपियों ने 70 लाख रुपए हड़पने के बाद 80 लाख रुपए की और मांग की और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी दी। महेंद्र चावला के अलावा पुलिस ने उनके भाई देवेंद्र चावला, भतीजे राम और मां गोपाली देवी के खिलाफ भी चांदनीबाग थाने में एफआईआर दर्ज की है। भाई और भतीजे को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के पास महेंद्र के भाई देवेंद्र द्वारा 70 लाख रुपए का बैग ले जाने की सीसीटीवी फुटेज और ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद है। महेंद्र चावला पूर्व में आसाराम बापू के खिलाफ गवाही देने के कारण चर्चा में रहे थे और उन पर कई बार हमले भी हो चुके हैं।

इजरायलः तेल अवीव में बड़ा विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे सैकड़ों लोग

तेल अवीव, जेएनएन। इजरायल के तेल अवीव में शनिवार, रविवार को हजारों लोग प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। यह विरोध प्रदर्शन ईरान के साथ चल रहे तनाव और अंतहीन युद्धों के कारण बढ़ती सामाजिक और राजनीतिक अस्थिरता के बीच हो रहा है। वहीं, अमेरिकी सैन्य अभियान के लिए ईरान के सस्ते ड्रोन एक बड़ी आर्थिक और सामरिक चुनौती बन गए हैं। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री नेतन्याहू के इस्तीफे और युद्ध की समाप्ति की मांग कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि प्रधानमंत्री देश की सुरक्षा से ज्यादा अपने राजनीतिक अस्तित्व और कानूनी सुरक्षा (जेल से बचने) को प्राथमिकता दे रहे हैं। तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर पर हजारों लोगों ने इकट्ठा होकर 7 अक्टूबर की घटनाओं और उसके बाद के सैन्य अभियानों की जांच की मांग की है। सरकार विरोधी प्रदर्शनों के साथ-साथ वेस्ट बैंक में बढ़ती हिंसा के खिलाफ भी प्रदर्शन किए गए हैं।

अमेरिका को बड़ा नुकसान

ईरान के एक शाहेद ड्रोन की निर्माण लागत मात्र 32 लाख के आसपास है। इसके विपरीत, इन्हें मार गिराने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगी लाखों डॉलर की इंटरसेप्टर मिसाइलें खर्च कर रहे हैं। युद्ध के शुरुआती 6 दिनों में ही अमेरिका ने 1.04 लाख करोड़ खर्च कर दिए थे। अप्रैल 2026 की शुरुआत तक यह कुल खर्च 25 से 35 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि चुनौती सिर्फ पैसों की नहीं, इंटरसेप्टर मिसाइलों के खत्म होते स्टॉक की भी है, जिनकी उत्पादन गति इस्तेमाल की तुलना में काफी धीमी है। इस वित्तीय बोझ को कम करने अमेरिका ने 'लूकस' जैसे सस्ते ड्रोन, कम लागत वाले इंटरसेप्टर विकसित करना शुरू किया, जिनकी कीमत 35,000 डॉलर तक है। 9 अप्रैल को अमेरिका ने फारस की खाड़ी में सबसे महंगा निगरानी ड्रोन एमक्यू-4सी ट्राइटन (2000 करोड़ डॉलर) खो दिया।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का चुनाव मैनेजमेंट देखती है आई-पैक

दावाः आई-पैक ने बंगाल में 20 दिनों तक काम रोका, टीएमसी का इनकार

कोलकाता, जेएनएन। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को 'पूरी तरह निराधार' बताकर खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि चुनावी रणनीति बनाने वाली कंपनी आई-पैक ने पश्चिम बंगाल में 20 दिनों के लिए अपना काम रोक दिया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में, पार्टी ने स्पष्ट किया कि आई-पैक की बंगाल टीम टीएमसी के साथ पूरी तरह सक्रिय है और चुनाव अभियान योजना के अनुसार जारी है। रिपोर्ट्स में कहा गया था कि आई-पैक ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों को ई-मेल भेजकर 20 दिनों की छुट्टी पर जाने और काम बंद करने को कहा है, जिसका कारण 'कानूनी बाध्यताएं' बताया गया। टीएमसी ने इन दावों को चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं को भ्रमित करने की एक 'साजिश' करार दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक रैली के दौरान कहा कि अगर दबाव के कारण आई-पैक के किसी कर्मचारी की नौकरी जाती है, तो उनकी पार्टी उन्हें काम देगी। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों पर चुनावी अभियान में बाधा डालने का आरोप लगाया। यह विवाद तब गरमाया है, जब हाल ही में ईडी ने कथित कोयला घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के निदेशक और सह-संस्थापक विनेश चंदेल को गिरफ्तार किया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान 23 और 29 अप्रैल को होना है, और नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

पीएम ने किया अवैध प्रचारः ममता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच तीखी बयानबाजी तेज हो गई है। यह विवाद मुख्य रूप से संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 (महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित) के लोकसभा में गिरने के बाद शुरू हुआ है। ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन को 'अवैध प्रचार' और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग बताया है। टीएमसी ने घोषणा की है कि वे प्रधानमंत्री के संबोधन के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करेंगे। ममता बनर्जी का आरोप है कि चुनाव के दौरान सरकारी चैनल (दूरदर्शन) का उपयोग राजनीतिक संदेश देने के लिए किया गया, जो आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि टीएमसी महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है, बल्कि आरक्षण के नाम पर भाजपा द्वारा लाए जा रहे 'परिसीमन' के खेल का विरोध कर रही है।

पीएम बोले-विपक्ष ने भ्रूणहत्या की

प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल की अपनी रैलियों (बांकुरा और झाड़ग्राम) और राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्षी दलों पर सीधा हमला बोला है। पीएम ने कहा कि जिन दलों ने महिला आरक्षण बिल का विरोध किया है, उन्होंने 'भ्रूण हत्या' जैसा पाप किया है और देश की महिलाएं उन्हें वोट की चोट से सजा देंगी। उन्होंने टीएमसी पर महिलाओं को धोखा देने और 'घुसपैठियों की राजनीति' करने का आरोप लगाया। बिल पास न हो पाने पर उन्होंने देश की महिलाओं से माफी मांगी और आश्वासन दिया कि उनकी सरकार महिला आरक्षण लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। लोकसभा में 17 अप्रैल को महिला आरक्षण से जुड़ा संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका था। इस बिल में लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रस्ताव था।

भाजपा गरीब महिलाओं को 5 लाख हेल्थ कवर और मुफ्त डायलिसिस देगीः मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा और बिष्णुपुर में चुनावी रैलियों के दौरान राज्य की महिलाओं के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। उन्होंने वादा किया कि बंगाल में भाजपा की सरकार बनते ही गरीब महिलाओं को आयुष्मान भारत योजना के तहत सालाना 5 लाख तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। यदि महिला के परिवार में किसी को किडनी की बीमारी है, तो सरकारी अस्पतालों में मुफ्त डायलिसिस की सुविधा दी जाएगी। मातृशक्ति भरोसा कार्ड के माध्यम से बंगाल की महिलाओं को हर साल 36,000 की सहायता दी जाएगी।

टीएमसी ने कांग्रेस संग मिलकर महिला आरक्षण बिल पास नहीं होने दिया

पीएम ने बांकुड़ा में चुनावी रैली में टीएमपी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों ने मिलकर संसद में महिला आरक्षण विधेयक, 2026 को पारित होने से रोकने की साजिश रची है। मोदी ने कहा कि टीएमसी ने कांग्रेस के साथ महिला आरक्षण बिल को गिरने दिया, क्योंकि वे नहीं चाहते कि बंगाल की और बेटियां सांसद या विधायक बनें। लोकसभा में बिल के गिर जाने के बाद, पीएम मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में देश की माताओं और बहनों से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी कि सरकार प्रयासों के बावजूद इसे पारित नहीं करा सकी।

एलपीजी संकट की मार, घर लौट रहे श्रमिक

सूरत में रेलवे स्टेशन पर भीड़ पुलिस ने बरसाईं लाठियां

सूरत, जेएनएन। सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर रविवार को उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बन गई, जिसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस और आरपीएफ को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस संकट का मुख्य कारण पिछले एक-दो महीनों से जारी एलपीजी की भारी किल्लत और गर्मियों की छुट्टियों की शुरुआत को बताया जा रहा है। रविवार सुबह करीब 11.30 बजे उधना-हसनपुर ट्रेन के लिए हजारों यात्री कतारों में खड़े थे। गर्मी और भारी संख्या के कारण जब कुछ लोगों ने लाइन तोड़ने की कोशिश की, तो स्थिति अनियंत्रित हो गई। मिडिल-ईस्ट में चल रहे तनाव के कारण भारत में ईंधन और एलपीजी आपूर्ति प्रभावित हुई है। सूरत के टेक्सटाइल उद्योगों में गैस की कमी से काम ठप होने और खाना बनाने के लिए सिलेंडर न मिल पाने के कारण मजदूर बड़े पैमाने पर घर लौट रहे हैं।

सोशल मीडिया पर एक यात्री का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह स्टेशन की अव्यवस्था और पुलिस की सख्ती से परेशान होकर बेबसी में कहता है, 'अब नहीं आऊंगा दोस्त'। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, उस दिन दोपहर तक 6 विशेष ट्रेनें रवाना की गई थीं, जिनमें 21,000 से अधिक यात्री भेजे गए। अधिक भीड़ के कारण सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल प्रयोग आवश्यक हो गया था।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, कालाबाजारी के कारण सिलेंडर की कीमतें 4000-5000 रुपए तक पहुंच गई हैं। हालांकि, सरकार ने आश्वासन दिया है कि आपूर्ति सामान्य करने के प्रयास जारी हैं और नागरिकों से पैनिक न करने की अपील की है।

बठिंडा के सरकारी स्कूल में महिला शिक्षक से छेड़छाड़, सीनियर ने छुए प्राइवेट पार्ट्स

बठिंडा, जेएनएन। बठिंडा के एक सरकारी स्कूल में महिला टीचर ने अपने सीनियर टीचर पर छेड़खानी के आरोप लगाकर केस दर्ज कराया है। लेडी टीचर का आरोप है कि उसे बहाने से टीचर लैब में ले गया और उसके दोनों गालों पर किस किया। जब वह रोने लगी तो आरोपी ने उसके प्राइवेट पार्ट्स को छुए। महिला का आरोप है कि वह टीचर से छूटकर भागने लगी तो आरोपी ने उसे अंजाम भुगतने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। महिला टीचर का कहना है कि आरोपी स्कूल में उससे सीनियर है। उसने घटना के बारे में पहले स्कूल में साथी महिला टीचरों और परिजन को बताया था। इसके बाद पुलिस को शिकायत दी।

महिला टीचर ने थाना मोड़ मंडी पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसकी नियुक्ति जुलाई 2018 में साइंस टीचर के तौर पर हुई। स्कूल में साइंस लैब का काम चल रहा है। लैब में कुछ शेल्फ वगैरह ठीक से बंद नहीं हो रहे थे। इस काम को करवाने के लिए एक कमेटी बनाई गई। महिला टीचर उसकी कमेटी की मेंबर है। साथ ही मोड़ मंडी का रहने वाला आरोपी टीचर भी कमेटी मेंबर है। वह स्कूल में मैथ टीचर है। महिला ने पुलिस को बताया है कि उसने आरोपी सीनियर मैथ टीचर को बताया कि शेल्फ ठीक से बंद नहीं हो रहे हैं। इस पर आरोपी टीचर बोला-चलो, चलकर देखते हैं। महिला ने कहा-मैं भी उसके साथ साइंस लैब चली गई। वहां जाकर आरोपी टीचर मुझसे कहने लगा कि शेल्फ ठीक हो जाएंगी, लेकिन तुमने पार्टी नहीं की। मैंने कहा कि कल मैं मिठाई लाई थी और सारे स्टाफ को खिलाई थी। आप थे नहीं, इसलिए आपको नहीं मिल पाई। महिला ने बताया-इसके बाद आरोपी टीचर मेरे पास आने लगा तो मैं पीछे हट गई।

पिता ने की जुड़वां बेटियों की हत्या

कानपुर, जेएनएन। कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जहां शशि रंजन मिश्रा नाम के व्यक्ति ने अपनी 11 साल की जुड़वां बेटियों, रिद्धि और सिद्धि की गला रेतकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी पिता मौके पर ही बैठा रहा और खुद 112 पर फोन कर पुलिस को इसकी जानकारी दी। यह वारदात रविवार तड़के करीब 4.30 बजे किदवई नगर स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में हुई। आरोपी ने सोते समय अपनी दोनों बेटियों का धारदार हथियार से गला काट दिया। पुलिस जब फ्लैट पर पहुंची, तो दोनों बच्चियां खून से लथपथ पड़ी थीं और आरोपी वहीं मौजूद था, जिसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पत्नी, रेशमा छेत्री ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधिकारियों के सामने रेशमा ने चिल्लाते हुए मांग की कि 'इसे अभी फांसी दे दो'। रेशमा का आरोप है कि उसका पति चरित्र पर शक करता था और उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था।

शशि रंजन, आरोपी, पिता | रिद्धी, मृतक, बेटी | सिद्धी, मृतक, बेटी

दिल्ली में कांग्रेस का प्रदर्शन, बोली

मौजूदा सीटों पर लागू हो महिला आरक्षण

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली में रविवार को कांग्रेस ने केंद्र के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा मुख्यालय की ओर मार्च निकाला, वर्तमान लोकसभा सीटों पर ही महिला आरक्षण को तुरंत लागू करने की मांग की। कांग्रेस की प्रमुख मांग है कि महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण को जनगणना या परिसीमन का इंतजार किए बिना, वर्तमान की 543 लोकसभा सीटों पर ही तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार परिसीमन और जनगणना की शर्तें जोड़कर महिला आरक्षण को जानबूझकर 2034 तक टाल रही है। यह प्रदर्शन 131वें संविधान संशोधन विधेयक के लोकसभा में गिरने के दो दिन बाद हुआ है। विपक्ष ने इस विधेयक का इसलिए विरोध किया, क्योंकि इसमें महिला आरक्षण को सीटों की संख्या बढ़ाने (543 से 816 करने) और परिसीमन से जोड़ा गया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में प्रधानमंत्री का पुतला फूंका और भाजपा मुख्यालय की ओर बढ़ने की कोशिश की, जहां उन्हें पुलिस ने रोकने का प्रयास किया।

ईरान-अमेरिकी तनाव तय करेंगे दिशा

सोने-चांदी में आने वाली है सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। अगर आप सोना या चांदी खरीदने की योजना बना रहे हैं या निवेश कर चुके हैं, तो आने वाला हफ्ता आपके लिए बेहद निर्णायक साबित होने वाला है। मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव और अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़े यह तय करेंगे कि सोने-चांदी की कीमतों में चल रही तेजी जारी रहेगी या अब इसमें कोई बड़ी गिरावट आएगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि इस हफ्ते बुलियन मार्केट की दिशा ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे विवाद पर टिकी है। ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर किए गए विरोधाभासी बयानों ने अनिश्चितता बढ़ा दी है। पहले ईरान ने इस व्यापारिक जलमार्ग को खोलने की बात कही, लेकिन अमेरिकी पोर्ट ब्लॉकेड के जवाब में फिर से पाबंदियां लगा दीं। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने ईरानी राजदूत को तलब कर विरोध दर्ज कराया है, क्योंकि ईरान की सैन्य गोलीबारी के कारण कच्चे तेल से लदे दो भारतीय जहाजों को अपना रास्ता बदलना पड़ा।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट प्रणव मेर के मुताबिक, कीमती धातुओं के लिए यह हफ्ता ट्रेंड तय करने वाला होगा। निवेशकों की नजर जापान और ब्रिटेन के महंगाई आंकड़ों और चीन के मौद्रिक नीति के फैसले पर रहेगी। उन्होंने बताया कि पिछले चार हफ्तों से डॉलर में कमजोरी और वैश्विक अस्थिरता के कारण सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने-चांदी की मांग बढ़ी है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ईरान नीति में बार-बार हो रहे बदलावों ने बाजार में भारी उतार-चढ़ाव पैदा किया है।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 490/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

विश्व धरोहर दिवस पर खजुराहो में हेरिटेज वॉक आयोजित

जागरण, खजुराहो। विश्व धरोहर दिवस पर खजुराहो में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के जबलपुर सर्कल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हेरिटेज वॉक और फोटो प्रदर्शनी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। इससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को खजुराहो की समृद्ध विरासत से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम विश्व प्रसिद्ध पश्चिमी मंदिर समूह खजुराहो और पुरातत्व संग्रहालय परिसर में सुबह 9 बजे से शुरू हुआ।

इंदौर-मुंबई सेंट्रल के बीच स्पेशल सुपरफास्ट ट्रेन आज से

जागरण, रतलाम। वेस्टर्न रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए मुंबई सेंट्रल और इंदौर स्टेशनों के बीच स्पशेल किराए के साथ सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। मुंबई सेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल दोनों दिशाओं में 12-12 फेरे चलेगी। 20 अप्रैल से 29 मई, 2026 तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 23.20 बजे चलेगी।

"ट्वीट ऑफ द डे"

ममता बनर्जी
मुख्यमंत्री

अगर आईपीएसी के किसी भी कर्मचारी की नौकरी जाती है, तो राज्य सरकार खुद उन्हें नौकरी देंगी। 'बीजेपी के पास 50 एजेंसियां हैं, हमारे पास सिर्फ एक (आईपीएसी) है। हमारे पास उतना पैसा नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप उन्हें डराएंगे। मैंने अभिषेक बनर्जी से बात की है, हम आईपीएसी के किसी भी लड़के को नौकरी से हाथ नहीं धोने देंगे। अगर उन्हें निकाला गया, तो मैं उन्हें नौकरी दूंगी।'

पहली बार बने ट्रांसजेंडर बोर्ड के जरिए सरकार तक पहुंची किन्नरों की मांग

जाति नहीं जेंडर पर हो आरक्षण, ओबीसी के बजाय लिंग को बनाया जाए आधार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गठित किए गए उभयलिंगी कल्याण बोर्ड का कामकाज शुरू होते ही ट्रांसजेडर समुदाय ने अपने अधिकारों और सुविधाओं को लेकर ताल ठोक दी है। बोर्ड की पहली ही बैठक में ट्रांसजेंडर्स ने उन्हें पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल करने पर नाराजगी जताई है। ट्रांसजेडर्स का कहना है उन्हें जाति नहीं जेंडर आधारित आरक्षण चाहिए। पढ़ाई-लिखाई से लेकर सरकारी नौकरियों तक इस वर्ग के लिए जेंडर के आधार पर सीटें आरक्षित की जाएं। सुविधाएं भी इसी आधार पर हर जगह अलग मिलना चाहिए। ट्रांसजेंडर्स से जुड़ी यह तमाम मांगें प्रदेश में पहली बार सामाजिक न्याय विभाग द्वारा गठित किए गए उभयलिंगी (किन्नर) कल्याण बोर्ड की पहली बैठक में सामने आई हैं। प्रदेश में 25 हजार से ज्यादा ट्रांसजेंडर के बेहतर भविष्य के लिए बोर्ड के सदस्यों ने सरकार के सामने सबसे बड़ा प्रस्ताव जेंडर बेस्ड (लिंग आधारित) आरक्षण का रखा है। बैठक में शामिल हुईं ट्रांसजेंडर मेंबर संजना सिंह ने अपने समुदाय के विकास के लिए खुलकर मांगें रखीं और उनके संबंध में तर्क भी दिए। उनकी पहली मांग और आपत्ति यह थी कि वर्तमान में इस समुदाय को पिछड़ा वर्ग की सूची में रखा गया है, लेकिन वास्तविकता यह है कि किन्नर समाज जातियों में नहीं, बल्कि घराने और गुरू की परंपरा से जुड़ा होता है। किन्नरों के पास जन्म प्रमाण पत्र नहीं होता। ऐसे में इनको इनके लिंग (ट्रांसजेंडर) के आधार पर अलग से आरक्षण दिया जाए। सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा में होने वाले दाखिलों में इस वर्ग के लिए सीटें रिजर्व की जाएं।

अस्पतालों में अलग वार्ड के साथ यूनिसेक्स टायलेट की डिमांड

किन्नर समाज की सुविधा के लिए संजना सिंह ने सुझाव दिया कि सरकारी अस्पतालों में इनके लिए अलग से वार्ड आरक्षित हों। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, कोर्ट और मनोरंजन केंद्रों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर यूनिसेक्स टायलेट (साझा शौचालय) बनवाए जाएं, ताकि इस वर्ग को असहज महसूस न होना पड़े और वे भी सम्मान से बुनियादी सुविधा हासिल कर सकें। इस दौरान बोर्ड की सदस्य संध्या घावरी ने बताया कि ट्रांसजेंडर पहचान पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, उच्चवला कार्ड एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ किन्नर वर्ग को नहीं मिल पाता क्योंकि उन्हें इसकी जानकारी ही नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा कि इस तबके लिए खास तौर से ऐसे अवेयरनेस प्रोग्राम चलाए जाएं जिससे किन्नर भी समाज के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करें।

किन्नर समाज की मुख्य समस्याएं और मांगें

- जाति नहीं लिंग के आधार पर आरक्षण
- सार्वजनिक स्थानों पर बनें यूनिसेक्स टॉयलेट
- विभिन्न शासकीय योजनाओं का मिले लाभ
- आधार कार्ड में उभयलिंगी दर्ज किया जाए
- दफ्तरों के चक्कर काटे बिना आसानी से बनाए जाएं सरकारी दस्तावेज व आईडी
- दस्तावेज बनाने की प्रक्रिया सरल बनाई जाए
- जागरुकता कार्यक्रम चलाएं जाएं

आधार और वोटर आईडी के नियमों में हो बदलाव

बैठक में लिंग परिवर्तन के बाद आधार कार्ड में नाम और जेंडर बदलवाने पर भी चर्चा हुई। इस दौरान ट्रांसजेंडर सदस्यों ने कहा कि कोर्ट से दस्तावेज बनवाने, नोटरी और गजट नोटिफिकेशन के लिए न केवल कई बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, बल्कि काफी पैसा भी खर्च होता है। ऐसे में अधिकांश किन्नर आधार कार्ड ही नहीं बनवाते। यह भी डिमांड रखी गई है कि आधार कार्ड में स्पष्ट रूप से उभयलिंगी लिखा जाए और सरकारी दस्तावेजों में नाम बदलने की प्रक्रिया को सरल और सस्ता बनाया जाए। बैठक में मौजूद विभागीय मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने इस दौरान सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि ट्रांसजेंडर समाज के पहचान पत्र और परिचय पत्र प्राथमिकता के साथ बनाए जाएं, इसके अलावा आयुष्मान कार्ड, पीएम आवास और उज्ज्वला योजना का लाभ भी उन तक पहुंचाया जाए।

ये हैं बोर्ड के चार ट्रांसजेंडर सदस्य

प्रदेश में पहली बार गठित किए गए किन्नर कल्याण बोर्ड में पहली बार इस वर्ग के चार सदस्यों को रखा गया है। समिति में भोपाल से संजना सिंह राजपूत के अलावा इंदौर से संध्या घावरी और जबलपुर से रोशनी तिवारी एवं सुनैना पाठक को ट्रांसजेंडर मेंबर के तौर पर जगह मिली है। इस बोर्ड के मुखिया विभागीय मंत्री हैं, जबकि विभागीय प्रमुख सचिव, आयुक्त, उप सचिव समेत दो समाजसेवियों को भी इस बोर्ड में जगह दी गई है। इस बैठक में आए सुझाव सरकार को भेज दिए गए हैं।

इनका कहना है

"ट्रांसजेंडर्स को लैंगिक आधार पर आरक्षण चाहिए न कि ओबीसी कोटे में। सुझाव भेजा है, उम्मीद है किन्नर समाज के पक्ष में यह व्यवस्था बदलेगी।
■ **संजना सिंह,** मेंबर, ट्रांसजेंडर बोर्ड

भोपाल केंद्रीय जेल की गौशाला में बंदी ने लगाई फांसी, हड़कंप

मजिस्ट्रेट की निगरानी में होगा पीएम, सुरक्षा पर सवाल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अति सुरक्षित भोपाल केंद्रीय जेल की गौशाला में एक बंदी ने रविवार को पेड़ से फंदा बनाकर फांसी लगा ली। यह सूचना मिलते ही जेल प्रबंधन और पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव की पीएम होगा। बताया गया है कि बंदी कैंसर की बीमारी से ग्रसित था, जिससे वह परेशान चल रहा था। गांधीनगर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जेल के अंदर हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन पर एकबार फिर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 58 वर्षीय गुड्डू आदिवासी के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बाड़ी, जिला रायसेन का रहने वाला था। बंदी गुड्डू हत्या के एक मामले में 2017 में दोषी करार दिए जाने के बाद से केंद्रीय जेल में सजा काट रहा था। वह जेल की गौशाला में काम करता था। रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे जब जेल प्रहारी निरीक्षण पर थे, तब उन्होंने गुड्डू को पेड़ से एक रस्सी के सहारे लटका देखा। जेल प्रबंधन का कहना है कि वह अपनी बीमारी से भी परेशान था। लेकिन इस घटना के बाद जेल के गलियारों में तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं।

एक अधिकारी से हुआ था विवाद

सूत्रों की मानें तो प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि कुछ समय पूर्व गुड्डू का जेल के ही एक अधिकारी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। हालांकि, जेल प्रशासन ने अभी इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। गांधीनगर पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवा दिया है। इस संबंध में मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि बंदी की मौत के वास्तविक कारणों का पता पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। सोमवार सुबह परिजनों की उपस्थिति और मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव का पीएम होगा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंदौर: पुलिस चौकी में युवक ने पीया फिनाइल-टॉयलेट क्लीनर, मौत

इंदौर। पूछताछ करने हिरासत में लिये गए एक युवक की बाणगंगा थाने की चौकी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान पानी पीने गए युवक ने बाथरूम में रखा फिनाइल या टॉयलेट क्लीनर पी लिया। थोड़ी देर बाद तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले जिला अस्पताल फिर एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक को चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर रामजी पिता रमेशचंद्र झा, निवासी बाणगंगा को एक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ शुक्रवार शाम पकड़ा था। मौके पर वह अपनी बाइक के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सका। पुलिस उसे पूछताछ करने चौकी पर लेकर आ गई थी। शनिवार को युवक ने स्वीकार किया कि उसके पास से मिली मोटरसाइकिल चोरी की है। पूछताछ के दौरान ही वह पानी पीने गया और वापस आकर बैठ गया। थोड़ी देर बाद उसे उल्टियां होने लगीं। पूछने पर उसने बताया कि पानी पीते समय डर के कारण उसने वॉशरूम में रखा टॉयलेट क्लीनर पी लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

सिंगरौली बैंक डकैती के आरोपी से 15 लाख कैश व 61 ग्राम सोना जब्त

सिंगरौली। सिंगरौली बैंक डकैती के एक आरोपी को बिहार से गिरफ्तार कर पुलिस ने अदालत में पेश किया। पुलिस को 8 दिन की रिमांड मिली है। आरोपी के पास से पुलिस को 15 लाख 72 हजार रुपए नकद व 61 ग्राम सोना जब्त हुआ है। कमलेश कुमार नामक यह आरोपी बिहार के डेहरी ऑन सोन स्टेशन से रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने गिरफ्तार किया है। कमलेश बिहार के नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के ग्वाल बिगहा गांव का रहने वाला है। पुलिस उसे रविवार को सिंगरौली लेकर पहुंची। एसपी मनीष खत्री ने बताया कि एक अन्य आरोपी के झारखंड में छिपे होने की जानकारी मिली है। डकैती में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया है। आरोपी से जब्त किए गए सोने की कीमत करीब 9 लाख रुपए आंकी गई है। शुरुआती पूछताछ में कमलेश ने बताया कि वारदात के बाद उसे अपने हिस्से का पैसा और सोना मिला था, जिसे लेकर वह अपने गांव जा रहा था। हालांकि वह डकैती के संबंध में अभी भी पुलिस को गोलमोल जवाब दे रहा है। एक-दो दिन में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की उम्मीद पुलिस अधीक्षक ने जताई है। महज 15 मिनट में डकैत सिंगरौली के बैंक ऑफ महाराष्ट्र से 20 लाख रुपए नकद और करीब 18 करोड़ रुपए का सोना उड़ाकर भाग गए थे।

वारंट तामीली विवाद पर कार्रवाई, पांच सस्पेंड

जागरण, इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में डीसीपी (जोन-2) कुमार प्रतीक ने कार्रवाई करते हुए 5 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। बताया जा रहा है कि वारंट तामीली के दौरान पुलिसकर्मियों ने जबरन एक घर में घुसने की कोशिश की थी, जिस पर दूसरे पक्ष ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामला एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी से जुड़े विवाद का बताया जा रहा है। शनिवार को हुई इस कार्रवाई में एसआई संजय विश्नोई, प्रणीत भदौरिया, दिनेश जाट, रविंद्र कुशवाह और एक कोर्ट मुंशी को निलंबित किया गया है। वारंट तामीली को लेकर डीसीपी कार्यालय में शिकायत पहुंची थी।

सड़क हादसे में बाइक सवार तीन दोस्तों की हुई मौत

शादी समारोह से देर रात को लौट रहे थे घर

जागरण, आलीराजपुर। जिले के बोरी गांव में बाइक सवार तीन दोस्तों को वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दो की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अनिल 14 वर्ष निवासी देवधा, थाना बाग, रोशन 17 वर्ष निवासी बड़ी बीड़, थाना बोरी और सावन 14 वर्ष निवासी रतनपुरा, थाना बोरी के रूप में हुई है। दरअसल हादसा शनिवार देर रात 1 बजे उनके घर से करीब 100 मीटर दूर हुआ।

जानकारी के मुताबिक बोरी से करीब तीन किमी दूर चुलिया गांव में दोस्त के यहां शादी थी। तीनों एक ही बाइक से शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रात 1 बजे तीनों बाइक से घर की ओर आ रहे थे। दूसरी बाइक पर अन्य दोस्त सवार थे। इसी दौरान वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे घायल दोस्त को दूसरी बाइक पर सवार दोस्त तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। तीनों के माता-पिता किसान हैं। तीनों पढ़ाई नहीं करते थे।

अनिल सावन रोशन

गला दबाकर पत्नी को उतारा मौत के घाट: शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी को पहले जमकर पीटा, फिर उसे बेडरूम में गला घोंटकर मार दिया। साथ ही गले और पीठ को नाखूनों से नोचा। शरीर पर कई जगह कट लगे थे। पलंग पर डेडबॉडी मिली। मृतक की पहचान 23 वर्षीय नंदनी साहू के रूप में हुई है।

नौगांव में पारा 44.3, एमपी के 11 जिलों में चली लू

भोपाल में बढ़ी गर्मी, तापमान पहुंचा 41.8 डिग्री, हरदा सहित सात जिलों में आंधी बारिश के हालात

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में गर्मी का असर लगातार बढ़ रहा है। रविवार को राज्य के 11 जिलों में लू का असर रहा। छतरपुर जिले का नौगांव एमपी में सबसे ज्यादा गर्म रहा। यहां दिन का अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि इससे पहले शनिवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा गर्म रतलाम था, यहां पारा 44 डिग्री था। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में पारा शनिवार की तुलना में ज्यादा रहा। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार गर्म हवाओं के कारण प्रदेश में गर्मी बढ़ी है। प्रदेश की राजधानी भोपाल में दिन का अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री पहुंच गया है, जो कि शनिवार की तुलना में 0.4 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने बचाव की एडवायजरी भी जारी की है। लोगों से कहा गया है कि वे दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेट रखें। दोपहर के समय लंबे समय तक धूप में न रहे। हल्के वजन और रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें।

अगले पांच दिन कम नहीं होगी गर्मी

मौसम विभाग के अनुसार अगले पांच दिन मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं आएगा। दिन व रात के तापमान में भी कोई परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इस आधार पर माना जा रहा है कि अगले पांच गर्मी कम नहीं होगी।

इन जिलों में लू: अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम, गुना, उमरिया, डिंडोरी, मंडला, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी।

इन जिलों में छाए बादल: बैतूल, हरदा, खंडवा, खरगौन, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बुरहानपुर।

कई जिलों में गर्मी से बुरे हाल

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को नौगांव के बाद मंडला प्रदेश का दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 43.9 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह छतरपुर के खजुराहो में 43.4 डिग्री, दतिया, उमरिया-सतना में 43.1 डिग्री, दमोह में 43 डिग्री, नर्मदापुरम में 42.8 डिग्री, सीधी-सागर में 42.6 डिग्री, मलाजखंड में 42.5 डिग्री, रीवा में 42.4 डिग्री, धार में 42.2 डिग्री, टीकमगढ़ और श्योपुर में तापमान 42 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो जबलपुर में 42.5 डिग्री, ग्वालियर में 42.4 डिग्री, भोपाल में 41.8 डिग्री रहा।

देश में भीषण गर्मी का कहर

वर्धा-राजनांदगांव में पारा 45 डिग्री के पार

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ, जेएनएन। देश के उत्तर-पश्चिमी और मध्य हिस्सों में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। वर्धा (महाराष्ट्र) और राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। जो इस सीजन के शुरुआती दिनों में ही गंभीर स्थिति का संकेत है। मौसम विभाग के अनुसार, मई शुरू होने से पहले ही तापमान में तेज उछाल देखा जा रहा है, जिससे कई राज्यों में लू जैसी परिस्थितियां बन गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड में रात के समय भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में लगातार तीसरे दिन तापमान 40 डिग्री से अधिक बना हुआ है, जिससे दिन के साथ रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही।

सुरक्षा

जम्मू-कश्मीर के टूरिस्ट स्पॉट्स पर कड़ी सुरक्षा और चैंकिंग

पहलगाम में हमले की बरसी से पहले हाई अलर्ट

पहलगाम, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने घाटी के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हाई अलर्ट जारी किया है, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

सूत्रों के अनुसार, सभी सुरक्षा एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि 22 अप्रैल की बरसी के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरती जाए। टूरिस्ट स्पॉट्स के आसपास निगरानी बढ़ा दी गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। खराब मौसम के बावजूद पहलगाम में पर्यटकों की आवाजाही जारी है, जिसे देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गई हैं। पोनी राइड चलाने वाले, फोटोग्राफर, दुकानदार और अन्य सभी सेवा प्रदाताओं को जांच के बाद ही यह क्यूआर कोड दिए गए हैं।

22 अप्रैल 2025: जब पहलगाम दहला था

22 अप्रैल 2025 को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने पहलगाम की बायसरन वैली में हमला कर 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इनमें 25 पर्यटक और एक पोनी राइडर शामिल था। इस हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। बड़ी संख्या में पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं और करीब 50 पर्यटन स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा था। बाद में सुरक्षा ऑडिट के बाद कुछ स्थानों को दोबारा खोला गया।

टूरिस्ट सुरक्षा के लिए सख्त इंतजाम

- सभी टूरिस्ट और स्थानीय वेंडरों की एंट्री अब वेरिफिकेशन के बाद ही दी जा रही है।
- हर टूरिस्ट स्पॉट पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।
- जगह-जगह जवानों की तैनाती के साथ लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है।
- सीआरपीएफ के जवान आसपास के इलाकों में लगातार गश्त कर रहे हैं।

क्यूआर कोड सिस्टम से निगरानी मजबूत

सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए प्रशासन ने क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली लागू की है। जम्मू-कश्मीर के बाहर से आकर काम करने वाले सभी वेंडरों और सेवा प्रदाताओं का पुलिस वेरिफिकेशन किया गया है। इसके बाद उन्हें यूनिक क्यूआर कोड जारी किए गए हैं।

महाकुंभ में वायरल हुई मॉडल हर्षा रिछारिया ने लिया संन्यास, स्वामी हर्षानंद गिरि बनीं

संन्यास परंपरा के अनुसार महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान कराए गए संपन्न

जागरण, उज्जैन। अक्षय तृतीया अवसर पर उज्जैन के मौनी तीर्थ आश्रम में पंचायती निरंजनी अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज के सानिध्य में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, कंटेंट क्रिएटर और मॉडल हर्षा रिछारिया ने संन्यास ग्रहण कर लिया। यह पूरा आयोजन रविवार को धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।जानकारी के अनुसार संन्यास परंपरा के अनुसार हर्षा रिछारिया को शिखा और दंड त्याग की विधि कराई गई। इसके साथ ही तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान भी संपन्न कराए गए। सभी विधियों के बाद उन्होंने विधिवत संन्यास ग्रहण किया।धार्मिक अनुष्ठानों के बाद हर्षा रिछारिया को नया नाम 'स्वामी हर्षानंद गिरि' दिया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का एक नया अध्याय है और उन्होंने गुरुदेव के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग चुना है।

धर्म और समाज सेवा के लिए समर्पित रहेगा जीवन : स्वामी हर्षानंद गिरि ने संकल्प लिया कि वे पूरा जीवन धर्म, संस्कृति व समाज सेवा में समर्पित करेंगी। उन्होंने कहा कि आगे का जीवन आध्यात्मिक मार्ग पर चलते हुए समाज के कल्याण के लिए समर्पित रहेगा।

मूल रूप से झांसी की रहने वाली

हर्षा रिछारिया का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी का रहने वाला है। उनके पिता दिनेश बस कंडक्टर हैं और मां किरण रिछारिया बुटीक चलाती हैं। उनका एक भाई कपिल है, जो प्राइवेट नौकरी करता है। वर्तमान में पूरा परिवार भोपाल में रहता है।

सोशल मीडिया से अध्यात्म तक का सफर

संन्यास लेने से पहले हर्षा रिछारिया स्टेज एंकर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में सक्रिय थीं। इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उनके अच्छे फॉलोअर्स हैं और वे सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े वीडियो बनाती रही हैं। वे ग्रेजुएट हैं और अहमदाबाद से योग का स्पेशल कोर्स भी कर चुकी हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।